राष्ट्रीय संस्करण

प्रख्यात गीतकार प्रसून जोशी प्रसार भारती के अध्यक्ष नियुक्त >> 3

वर्ष 9 अंक 324

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, रविवार, 3 मई, 2026

www.jagran.com

पृष्ठ 14

अब आपात स्थिति में पलक झपकते ही अलर्ट होगा देश

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- केंद्र ने लांच किया 'सेल ब्राडकास्ट अलर्ट सिस्टम', बिना इंटरनेट भी पहुंचेगा 'फ्लैश मैसेज'
- देशभर में टेस्ट मैसेज के जरिये नई स्वदेशी आपदा चेतावनी प्रणाली की शुरुआत
- ट्रायल के दौरान शनिवार को दिन में 11.42 बजे बीप और फ्लैश मैसेज से अलर्ट हुए लोग
- हिंदी सहित 19 से अधिक क्षेत्रीय भाषाओं में मिलेगा अलर्ट
- साइलेंट और डू नाट डिस्टर्ब मोड में भी काम करेगा अलर्ट

पटना में शनिवार को अलर्ट मैसेज प्राप्त होने पर लोग अपने मोबाइल फोन दिखाते हुए। प्रेट्र

शनिवार सुबह सबकुछ सामान्य था, लेकिन अचानक दिन में 11.42 बजे देशभर में करोड़ों नागरिकों के मोबाइल फोन पर बीप की तेज आवाज गूंज उठी। इसके साथ ही स्क्रीन पर खतरे का लाल निशान और 'अत्यधिक गंभीर अलर्ट' का संदेश फ्लैश हुआ। अचानक आए इस मैसेज से लोग कुछ पल के लिए सकते में आ गए। किसी को लगा कि मोबाइल हैक हो गया है, तो कुछ लोग डिजिटल अरेस्ट या वायरस अटैक की आशंका से घिर गए। हालांकि, कुछ ही क्षणों बाद आडियो संदेश के साथ स्क्रीन पर सरकार की ओर से जारी संदेश दिखा- 'यह एक टेस्ट मैसेज है, किसी कार्रवाई की जरूरत नहीं है।' इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। सरकार इस तरह के और भी परीक्षण कर सकती है, ताकि पूरे नेटवर्क में यह प्रणाली बिना रुकावट काम करे। खास बात ये है कि मोबाइल साइलेंट पर हो या आपने 'डू नाट डिस्टर्ब' मोड में कर रखा हो, अलर्ट जरूर मिलेगा।

इस फ्लैश मैसेज के जरिये दरअसल एक अहम सरकारी पहल की शुरुआत की गई। केंद्र सरकार ने स्वदेशी 'सेल ब्राडकास्ट अलर्ट सिस्टम' का शुभारंभ किया, जिसके माध्यम से अब किसी भी आपदा या आपात स्थिति में नागरिकों तक पलक झपकते ही इमरजेंसी अलर्ट पहुंचाया जा सकेगा।

गृह मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और संचार मंत्रालय के सेंटर फार डेवलपमेंट आफ टेलीमैटिक्स (सी-डाट) ने कामन अलर्टिंग प्रोटोकाल पर आधारित इंटीग्रेटेड अलर्ट सिस्टम 'सचेत' विकसित किया है। इसका शुभारंभ शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया। मंत्री के रिमोट बटन दबाते ही सुबह 11:42 बजे देशभर में करोड़ों मोबाइल उपभोक्ताओं तक ट्रायल अलर्ट मैसेज पहुंचा। तीन बार बीप की आवाज के साथ अचानक फ्लैश हुए इस संदेश ने लोगों को चौंकाया जरूर, लेकिन मैसेज में इसका उद्देश्य स्पष्ट किया गया था।

ऐसे काम करता है 'सचेत' सिस्टम पेज>>3

अलर्ट नहीं मिला तो ये करें

कई लोगों को सरकार की ओर से जारी टेस्ट मैसेज नहीं मिला। इसकी वजह फोन की सेटिंग हो सकती है। आप ऐसे इसे आन कर सकते हैं :

सेटिंग्स- सेफ्टी एंड इमरजेंसी- वायरलेस इमरजेंसी अलर्ट्स- टेस्ट अलर्ट्स।

अपने मोबाइल की 'सेटिंग्स' में 'सेफ्टी एंड इमरजेंसी' विकल्प पर क्लिक करें। यहां से आप नए सेक्शन में पहुंचेंगे। वहां 'वायरलेस इमरजेंसी अलर्ट्स' लिखा विकल्प देखें। उस पर क्लिक करते ही सूची दिखेगी। इसमें 'टेस्ट अलर्ट्स' पर क्लिक करके आप सरकार की ओर से जारी अलर्ट प्राप्त कर सकेंगे।

गर्मी की छुट्टियों में हवाई यात्रा के लिए जेब करनी होगी ज्यादा ढीली

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- महंगे एटीएफ का असर, एयरलाइनों का सरकार को पत्र- फ्लाइटें चलाना हो रहा मुश्किल
- दिल्ली-मुंबई का सामान्य किराया 4,000-6,000 रु. मगर मई मध्य से जून में 8,000-12,000 तक पहुंचा

प्रतीकात्मक

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और विमान ईंधन यानी एटीएफ की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण इस बार गर्मी की छुट्टियों (मई-जून) में घरेलू विमान किराये सामान्य से काफी महंगे हो सकते हैं। स्कूल और कालेज की छुट्टियों के दौरान पहले से 25-30 प्रतिशत अधिक खर्च करना पड़ सकता है। इस बीच, उड्डयन कंपनियों द्वारा सरकार को भेजे गए त्राहिमाम पत्र पर विचार किया जा रहा है।

फेडरेशन आफ इंडियन एयरलाइंस (एफआइए), जिसमें एअर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट शामिल हैं, ने 26 अप्रैल को नागरिक उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा था कि मौजूदा हालात में उनके लिए फ्लाइटें चलाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने सरकार के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखी हैं : अक्टूबर 2022 वाला क्रैक बैंड मैकेनिज्म (तेल कंपनियों को एक सीमित स्तर पर एटीएफ की कीमत तय करने का फार्मूला) लागू किया जाए, 11 प्रतिशत की एक्साइज ड्यूटी को अस्थायी रूप से हटाया जाए और राज्य वैट कम करें। केंद्र केवल एक्साइज ड्यूटी में थोड़ी राहत दे सकता है, जबकि राज्यों को अपने स्तर पर कदम उठाने होंगे।

मेकमाइट्रिप, क्लियरट्रिप, आइएक्सिगो और गूगल फ्लाइट्स जैसे प्रमुख प्लेटफार्मों पर दो मई की स्थिति देखें तो दिल्ली-मुंबई रूट पर सामान्य दिन में 4,000-6,000 रुपये के टिकट अब पीक डेट्स (मई मध्य से जून) पर 8,000-12,000 रुपये तक पहुंच गए हैं। अंतिम समय में बुकिंग (24-48 घंटे पहले) पर किराया 15,000 रुपये से ऊपर जा रहा है जो आमतौर पर 6,500-9,000 रुपये के बीच था। यही हाल दिल्ली से बेंगलुरु और हैदराबाद रूट पर है जहां विमान किराया 20-40 प्रतिशत ज्यादा है। गर्मी की छुट्टियों वाले प्रसिद्ध स्थलों जैसे गोवा और कोच्चि की टिकटें दिल्ली से 50 प्रतिशत तक महंगी हो गई हैं। विमानन कंपनियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उड़ानों को रद करने का सिलसिला जारी है, वहीं घरेलू उड़ानों के लिए महंगे ईंधन खरीदने से कोई राहत नहीं मिली है। इस कारण किराए में वृद्धि का ट्रेंड जारी रहेगा।

जुलाई तक उड़ानों की संख्या में और कटौती करेगी एअर इंडिया

जेट ईंधन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के चलते एअर इंडिया ने जुलाई तक अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 10 प्रतिशत की कटौती करने का फैसला किया है। एयरलाइन के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने कर्मचारियों को आंतरिक संदेश में बताया कि जुलाई तक रोजाना करीब 100 उड़ानें कम की जाएंगी। उन्होंने बताया कि अप्रैल में भी कुछ उड़ानें कम की हैं। उड़ान कटौती का सबसे ज्यादा असर यूरोप, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और सिंगापुर रूटों पर पड़ेगा, जबकि घरेलू उड़ानों में भी कुछ कटौती होगी। एयरलाइन अभी रोजाना लगभग 1,100 उड़ानें संचालित करती है। बता दें कि सरकार ने घरेलू एटीएफ पर आंशिक कैप लगाया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय आपरेशंस का पूरा बोझ एयरलाइंस पर ही है।

रविवार विशेष

आपरेशन सिंदूर@1 • पेज-7

संपादकीय

वैश्विक संकट बना अमेरिका-ईरान का टकराव : यदि अमेरिका और ईरान के बीच की तनातनी के चलते होर्मुज समुद्री मार्ग नहीं खुलता तो पश्चिम एशिया का संकट पूरी दुनिया के लिए कहीं बड़े संकट में तब्दील हो जाएगा। **संजय गुप्त** का आलेख।

बाजार में भी बिकने लगी हंसी : टीवी, मोबाइल, रील्स, मीम्स ने ऐसा माहौल बना दिया है कि अब हम हंसते कम, रिएक्ट ज्यादा करते हैं। **सूर्यकुमार पांडेय** का व्यंग्य। • पेज-8

विमर्श

स्तरीय शोध-प्रकाशन को कैसे लगें पंख : कोलंबिया में आयोजित पुस्तक मेले में देखा कि वहां के सभी विश्वविद्यालयों की अपनी पत्रिकाएं एवं पुस्तकें थीं। परंतु भारत में अभी इसका अभाव ही दिखता है। **अनंत विजय** का आलेख। • पेज-9

सप्ताह का साक्षात्कार

'हीट एक्शन प्लान की वजह से आई मृत्युदर में कमी'

जलवायु परिवर्तन के कारण भले ही पूरी दुनिया में तापमान में बढ़ोतरी दिखाई दे रही हो, लेकिन भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह विशेष रूप से चिंता बढ़ाने वाला है। आज दुनिया के 20 सबसे गर्म शहरों में 19 भारत में हैं। ऐसे में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के विभागाध्यक्ष व सदस्य कृष्ण एस वत्स का दावा है कि देश के 23 राज्यों, 65 शहरों और 213 जिलों का हीट एक्शन प्लान तैयार है। इसकी वजह से हीटवेव से होने वाली मृत्युदर में कमी आई है। दैनिक जागरण के दिल्ली राज्य ब्यूरो के प्रमुख संवाददाता संजीव गुप्ता ने विकट स्थिति का सामना करने के तात्कालिक और दीर्घकालिक उपायों पर उनसे विस्तार से चर्चा की। • पेज-13

मतगणना कर्मियों की नियुक्ति चुनाव आयोग का अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत ने केंद्रीय कर्मियों की तैनाती के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की अपील खारिज की

- बंगाल में मतगणना में केंद्रीय कर्मियों की तैनाती के खिलाफ शीर्ष अदालत पहुंची थी तृणमूल कांग्रेस
- आयोग ने कहा, केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती संबंधी 13 अप्रैल के सर्कुलर का पालन किया जाएगा

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में मतगणना के दौरान केंद्र सरकार के कर्मचारियों की तैनाती को चुनौती देने वाली तृणमूल कांग्रेस की याचिका पर कोई निर्देश देने से इन्कार कर दिया। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जोयमाल्या बागची की विशेष पीठ ने कहा कि चार मई को मतों की गिनती के दौरान केंद्र सरकार और राज्य सरकार के कर्मचारियों की तैनाती का चुनाव आयोग का सर्कुलर कानून के खिलाफ नहीं है। चुनाव आयोग को इसका अधिकार है कि वह किस समूह से मतगणना कर्मियों की नियुक्ति करता है। बंगाल में मतगणना के दौरान केंद्रीय कर्मियों की तैनाती के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-इस मामले में किसी आदेश की जरूरत नहीं है। चुनाव आयोग की ओर से पेश हुए डीएस नायडू का बयान दर्ज किया जाए, जिसमें उन्होंने कहा है कि आयोग 13 अप्रैल के सर्कुलर को पूरी तरह से लागू करेगा। इन स्पष्टीकरणों के साथ विशेष अनुमति याचिका खारिज की जाती है। बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को हुआ था। मतों की गिनती सोमवार को होगी।

इससे पहले 30 अप्रैल के अपने फैसले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के इस तर्क को खारिज कर दिया था कि चुनाव आयोग का निर्देश अधिकार क्षेत्र से बाहर या अस्पष्ट आशंकाओं पर आधारित था। हाई कोर्ट ने मतगणना प्रक्रिया में कई स्तरों की निगरानी का हवाला देते हुए केंद्रीय कर्मियों पर केंद्र सरकार के प्रभाव के आरोपों को भी खारिज कर दिया था। तृणमूल ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की, जिस पर शनिवार को विशेष सुनवाई हुई। आयोग की ओर से वरिष्ठ वकील डीएस नायडू पेश हुए, जबकि वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने तृणमूल का पक्ष रखा।

फलता विधानसभा क्षेत्र में मतदान रद, 21 मई को होगा पुनर्मतदान पेज>>4

चुनाव आयोग का जवाब

रिटर्निंग आफिसर राज्य के कर्मचारी होते हैं और उनके पास सरकारी कर्मचारी के समूह से कर्मियों को तैनात करने का अधिकार होता है। परिपत्र में स्पष्ट है कि मतगणना के दौरान केंद्र और राज्य के कर्मी रहेंगे। प्रत्याशियों के अपने मतगणना प्रतिनिधि भी होंगे। तृणमूल द्वारा जताई जा रही गड़बड़ी की आशंका पूरी तरह निराधार है।

तृणमूल की आपत्तियां

- केंद्रीय कर्मचारियों की नियुक्ति का परिपत्र 13 अप्रैल को जारी किया गया था, लेकिन हमें इसकी जानकारी 29 अप्रैल को मिली।
- मतगणना प्रक्रिया में केंद्र द्वारा नामित अधिकारी होने के बावजूद चुनाव आयोग अनियमितता की आशंका जता रहा है।
- चुनाव आयोग ने पहले से ही प्रत्येक मतगणना केंद्र पर माइक्रो आब्जर्वर के रूप में एक केंद्रीय अधिकारी को तैनात कर रखा है।
- परिपत्र में राज्य सरकार द्वारा नामित अधिकारियों के लिए प्रविधान होने के बावजूद आयोग ने उन्हें नियुक्त नहीं किया है।

ईरान युद्ध की पहली भेंट चढ़ी अमेरिकी एयरलाइंस स्पिरिट

वाशिंगटन, एएनआइ : अमेरिका की स्पिरिट एयरलाइंस ईरान युद्ध के भेंट चढ़ गई। किफायती किरायों के लिए मशहूर स्पिरिट एयरलाइंस ने शनिवार को घोषणा की कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच वित्तीय कठिनाइयों और ईंधन की आसमान छूती कीमतों के कारण वह तत्काल प्रभाव से अपना परिचालन बंद कर रही है। यह पहली एयर लाइंस है जो ईरान युद्ध से उपजे आर्थिक संकट के कारण कारोबार बंद करने पर मजबूर हुई है। एयरलाइन ने पुष्टि की है कि सभी उड़ानें रद कर दी गई हैं और ग्राहक सेवा अब उपलब्ध नहीं है।

अब मोदी तत्व और आरएसएस का इतिहास पढ़ेंगे छात्र

वडोदरा : गुजरात के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व पर आधारित 'मोदी तत्व' नामक एक माड्यूल और आरएसएस के इतिहास को समाजशास्त्र पाठ्यक्रम में शामिल किया है, ताकि समाज पर उनके प्रभाव का अध्ययन किया जा सके। (पेज-3)

छत्तीसगढ़ में बारूद नष्ट करने के दौरान विस्फोट, चार जवान बलिदान

कांकेर : छत्तीसगढ़ में कांकेर-नारायणपुर सीमा पर शनिवार को माओवादियों द्वारा छिपाए गए विस्फोटक डंप को निष्क्रिय करने के दौरान हुए धमाके में सुरक्षा बल के चार जवान बलिदान हो गए। गत 31 मार्च को प्रदेश को माओवाद मुक्त घोषित किए जाने के बाद माओवादी गतिविधि से जुड़ी यह पहली घटना है, जिसमें सुरक्षा बल के जवान बलिदान हुए हैं। (पेज-5)

होर्मुज में ट्रंप की सख्ती पर ईरान बोला- फिर भड़क सकता है युद्ध

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- अमेरिकी नाकेबंदी से ईरान को अरबों डालर का नुकसान होने का ट्रंप ने किया दावा
- सेंटकाम ने 48 जहाजों को होर्मुज की ओर लौटाया, यूएसएस जेराल्ड फोर्ड अमेरिका लौटा

तेहरान में शनिवार को होर्मुज स्ट्रेट को प्रदर्शित करता अमेरिका-विरोधी बिलबोर्ड के पास ईरानी झंडा थामे खड़ा व्यक्ति। रायटर

पश्चिम एशिया में गहराए तनाव के बीच ईरान के एक और शांति प्रस्ताव को खारिज करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान पर सख्ती बढ़ाने के संकेत दिए हैं। ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट से होने वाली तेल आपूर्ति में और अधिक व्यवधान की चेतावनी दी है।

उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी के चलते ईरान को तेल निर्यात से होने वाली लगभग पांच अरब डालर की कमाई ठप हो गई है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिकी नौसेना इस क्षेत्र में 'समुद्री डकैतों की तरह' काम कर रही है, हालांकि उन्होंने इसे रणनीतिक कार्रवाई बताया। उल्लेखनीय है कि ईरान पहले से ही अमेरिकी नाकेबंदी को 'समुद्री डकैती' करार देता रहा है।

इसी बीच, ईरान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका किसी भी संधि या समझौते का पालन नहीं करता और खाड़ी क्षेत्र में नए सिरे से युद्ध भड़क सकता है।

अमेरिका के विदेशी संपत्ति नियंत्रण विभाग ने चेतावनी दी है कि होर्मुज क्षेत्र से गुजरने के लिए ईरान को टोल देने वाले जहाजों पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने दावा किया है कि नौसैनिक नाकेबंदी के बाद से अब तक 48 व्यापारिक जहाजों को होर्मुज की ओर लौटाया गया है।

आइएएनएस के अनुसार, सैन्य तैनाती में भी बदलाव देखने को मिला है। लाल सागर में तैनात अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड फोर्ड को पश्चिम एशिया से वापस अमेरिका भेज दिया गया है, हालांकि होर्मुज के बाहर अब भी दो विमानवाहक पोत तैनात हैं। बताया गया कि जेराल्ड फोर्ड पिछले 10 महीनों से समुद्र में तैनात था और 12 मार्च को इसमें आग लगने की घटना भी हुई थी, जिसके बाद यह कुछ समय के लिए सेवा से बाहर रहा।

ट्रंप ने दिए वैश्विक तेल आपूर्ति के मार्ग बदलने के संकेत पेज>>11

बरगी बांध : बवंडर में 30 सेकेंड में ही पानी में समा गया क्रूज

भोपाल : अचानक आए बवंडर से मात्र 30 सेकेंड में ही क्रूज जबलपुर के बरगी बांध के जलाशय में समा गया। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में हादसे का यह कारण सामने आया है। हादसे में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। शनिवार को दो और शव बरामद किए गए, जबकि दो लोग अब भी लापता हैं। (पेज-6)

आइपीएल 19 धूम धड़ाका

आज का मैच

सनराइजर्स हैदराबाद vs कोलकाता नाइट राइडर्स

दोपहर 3:30 बजे स्थान : हैदराबाद

गुजरात टाइटंस vs पंजाब किंग्स

शाम 7:30 बजे स्थान : अहमदाबाद

प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स/जियो हाटस्टार

तैयारी पूरी

मोदी सरकार की तीसरी पारी की दूसरी वर्षगांठ पर यह सुविधा लांच करने की श्रम मंत्रालय की तैयारी पूरी, नियोक्ता की मंजूरी के बिना तात्कालिक आपात जरूरतों के लिए ईपीएफ में जमा रकम निकाली जा सकेगी

अगले माह से एटीएम के जरिये ईपीएफ खाते से निकाल सकेंगे रकम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- ईपीएफ को एटीएम से लिंक करने के साथ यूपीआइ से भी जोड़ा जा रहा, जल्द ट्रांसफर हो सकेगा पैसा

ईपीएफओ सदस्यों को मिलेगी नई सुविधा। प्रतीकात्मक

एटीएम कार्ड के माध्यम से ईपीएफ खाते से रकम निकालना जल्द ही हकीकत बन जाएगा। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने सदस्यों को यह सुविधा देने की तकनीकी और ढांचागत तैयारी पूरी कर ली है। संकेत मिल रहे हैं कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की दूसरी वर्षगांठ से जुड़े आयोजनों के दौरान अगले महीने यह सेवा लांच की जा सकती है। ईपीएफ के करीब सात करोड़ सदस्यों को जरूरत के हिसाब से उन्हें अपने भविष्य निधि फंड की रकम सहज तरीके से उपलब्ध हो सके, इसके मद्देनजर यह सेवा शुरू करने की तैयारी है। एटीएम के माध्यम से निकाली जाने वाली रकम की सीमा क्या होगी, इसकी घोषणा संभवतः उसी वक्त होगी।

श्रम मंत्रालय से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि एटीएम सेवा की टेस्टिंग और तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। आगामी 26 मई को मोदी सरकार के कार्यकाल के 12 साल पूरे हो रहे हैं और मंत्रालय इस महत्वपूर्ण सुविधा का लांच प्रधानमंत्री के हाथों कराने का प्रयास कर रहा है।

ईपीएफओ के डिजिटल सुधार 3.0 के तहत ईपीएफ खाते को एटीएम से जोड़ना एक अहम कदम है। इस सुविधा के शुरू होने के बाद ईपीएफ से जुड़े सदस्यों को अपने लिंक बैंक खाते से जुड़े एटीएम कार्ड के माध्यम से रकम निकालने का विकल्प मिलेगा।

इसका उद्देश्य नियोक्ता की मंजूरी के बिना तात्कालिक आपात जरूरतों के लिए ईपीएफ में जमा रकम तक सदस्यों की पहुंच को सरल बनाना है ताकि वे बिना किसी झंझट के सीधे रकम निकाल सकें।

इस सेवा से जुड़े विशेष फीचर के संदर्भ में अधिकारियों ने बताया कि ईपीएफ को एटीएम से लिंक करने के साथ ही इसे यूपीआइ से भी जोड़ा जा रहा है ताकि बैंक खाते से रकम तत्काल ट्रांसफर की जा सके।

ईपीएफ पर घोषित 8.25 प्रतिशत ब्याज का बढ़ा इंतजार

ईपीएफ की ओर से वर्ष 2025-26 के लिए घोषित 8.25 प्रतिशत ब्याज को सात करोड़ सदस्यों के खाते में जमा कराने के लिए श्रम मंत्रालय को अभी वित्त मंत्रालय की मंजूरी का इंतजार है। मंत्रालय के आधिकारिक सूत्रों ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि वित्त मंत्रालय की ब्याज दर के अनुमोदन की चिट्ठी अभी नहीं मिली है लेकिन उम्मीद है कि जल्द ही यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। ईपीएफओ ने ब्याज दर शीघ्र खाते में ट्रांसफर करने के लिए अपनी पूरी तैयारी कर रखी है और वित्त मंत्रालय का पत्र आते ही राशि जमा कराने का सिलसिला तेजी से पूरा किया जाएगा। मालूम हो कि ईपीएफओ न्यासी बोर्ड ने पिछले वित्त वर्ष के लिए 8.25 प्रतिशत का ब्याज घोषित किया था, जिस पर श्रम मंत्रालय ने भी अपनी मुहर लगा दी थी। तय नियम-प्रक्रिया के अनुसार वित्त मंत्रालय की अंतिम मंजूरी के बाद ही सदस्यों को ब्याज की रकम उनके खाते में दी जाती है।

'मौसेरी बहन से शादी अवैध, पत्नी को है स्थायी गुजारा भत्ता पाने का अधिकार'

नईदुनिया प्रतिनिधि, बिलासपुर

- विवाद के बाद पति ने विवाह शून्य घोषित करने के लिए दायर की थी याचिका
- परिवार न्यायालय ने सामाजिक प्रथा के आधार पर विवाह को माना था वैध

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट का अहम निर्णय।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि मौसेरे भाई-बहनों के बीच शादी हिंदू विवाह अधिनियम के तहत निषिद्ध नातेदारी में आता है। इस तरह के विवाह को कानूनी रूप से शून्य माना जाएगा। इसके बाद भी पत्नी को भरण-पोषण पाने का अधिकार है।

जस्टिस संजय के. अग्रवाल और जस्टिस संजय कुमार जायसवाल की पीठ ने इस मामले में फैमिली कोर्ट के आदेश को पलट दिया। पति ने विवाह को शून्य घोषित करने की मांग करते हुए बताया कि उसकी मां और पत्नी की मां सगी बहनें हैं। फैमिली कोर्ट ने इसे सामाजिक प्रथा के आधार पर वैध माना था। हाई कोर्ट ने कहा कि किसी भी प्रथा को मान्यता पाने के लिए उसका प्राचीन, निरंतर और सार्वजनिक नीति के अनुरूप होना आवश्यक है। हाई कोर्ट ने पाया कि निषिद्ध नातेदारी के भीतर विवाह को अनुमति देने वाली कोई पुख्ता रूढ़ि नहीं है। हाई कोर्ट ने विवाह को शून्य घोषित करते हुए पत्नी को स्थायी गुजारा भत्ता पाने का अधिकार दिया।

2 मई को राजधानी के सनलाइट कालोनी में दिनदहाड़े गोली मारकर पांच लाख रुपये लूटने वाले दो बदमाशों को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान बागपत के बिजेंद्र और मेरठ के पवन गिरी के रूप में हुई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार, 3 मई, 2026

आज का मौसम

रविवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
3 मई	37.0	27.0
4 मई	36.0	26.0
नोएडा		
3 मई	37.0	24.0
4 मई	35.0	22.0
गुरुग्राम		
3 मई	39.0	27.0
4 मई	36.0	28.0

डिग्री सेल्सियस में

एक हजार महंगी गाड़ियां बेच चुका वाहन चोर गिरोह पकड़ा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड समेत 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह गाड़ियां चुराने, उनके चेसी नंबरों से छेड़छाड़ कर जाली दस्तावेज का इस्तेमाल करके उन्हें धोखाधड़ी से दोबारा रजिस्टर करवाकर बिक्री कराने में शामिल था। आरोपित की निशानदेही पर चेसी नंबरों से छेड़छाड़ की गई फार्च्यूनर, इनोवा, थार, स्कार्पियो और क्रेटा जैसी कुल 31 गाड़ियां बरामद की गई हैं। जांच में पता चला है कि यह गिरोह अब तक एक हजार से अधिक चोरी की गाड़ियों को बेच चुका है। हैरानी की बात यह है कि इस गिरोह की पहुंच सरकारी सिस्टम तक थी। हिमाचल प्रदेश के परिवहन विभाग का एक क्लर्क और हेल्पर इस गिरोह का अहम हिस्सा था। उन्होंने वाहन पोर्टल का गलत इस्तेमाल कर गाड़ियों का पंजीकरण असली की तरह किया। गिरोह का सरगना दमनदीप पंजाब से पूरे नेटवर्क को फाइनेंस और कंट्रोल करता था। गिरोह के चार से पांच आरोपित अभी भी फरार हैं।

उपायुक्त आदित्य गौतम के मुताबिक, बीते वर्ष पांच अगस्त को मौर्या एन्क्लेव थाने में क्रेटा कार चोरी होने की शिकायत दर्ज हुई थी। पांच सितंबर को जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई। जांच में पता चला कि यह गिरोह महंगी गाड़ियां चुराने और चोरी की हुई या लोन डिफाल्ट (लोन न चुकाई गई) गाड़ियां हासिल करने में शामिल था। वे चेसी नंबरों से छेड़छाड़ करते थे, पूरी तरह से खराब हो चुकी या क्षतिग्रस्त गाड़ियों के चेसी नंबर उन पर लगा देते थे और फर्जी बिक्री पत्रों (फार्म-21), फर्जी दस्तावेज और बैंक एनओसी का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी से रजिस्ट्रेशन हासिल कर लेते थे। यह सब परिवहन विभाग के पंजीकरण व लाइसेंसिंग प्राधिकरण के

- दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में सक्रिय था गिरोह, 10 गिरफ्तार

आरोपितों की निशानदेही पर बरामद की गई महंगी गाड़ियां। दिल्ली पुलिस

कुछ कर्मचारियों और एजेंटों की मिलीभगत से करते थे। बाद में, इन गाड़ियों को ऐसे खरीदारों को बेच दिया जाता था, जिन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं होती थी। इस गिरोह को पकड़ने के लिए एसीपी रमेश चंद्र की देखरेख में और इंस्पेक्टर मनमीत मलिक के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

टीम ने दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हिमाचल प्रदेश सहित कई राज्यों में जांच की। अलग-अलग राज्यों से 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, जिनकी पहचान दमनदीप सिंह, अरविंद शर्मा, अमनदीप, सुभाष चंद, मनबीर सिंह उर्फ मिंटा, कंवरजीत उर्फ जाली, बृज मोहन कपूर उर्फ बाबी, प्रदीप सिंह उर्फ हीरा, तिफ्ले नौखेज और हेमराज सिंह उर्फ हेमा के रूप में हुई है। इनकी निशानदेही पर 31 महंगी चोरी की गाड़ियां, साथ ही चोरी की गाड़ियों के चेसी नंबरों से छेड़छाड़ करने में इस्तेमाल होने वाले औजार बरामद किए गए।

गिरोह में सभी का बंटा हुआ था काम

गिरोह के सदस्यों के बीच काम को अलग-अलग बांटा गया था। गिरोह किसी कंपनी की तरह काम करता था। मनबीर चोरी व लोन डिफाल्ट गाड़ियां जुटाकर सरगना दमनदीप तक पहुंचाता था। इसके बाद मैकेनिक प्रदीप चेसी नंबर बदलकर गाड़ियों की पहचान बदल देता था। अरविंद शर्मा फर्जी फार्म-21, जाली रजिस्ट्रेशन पेपर व बैंक एनओसी तैयार करता था। हिमाचल के बिलासपुर स्थित पंजीकरण एवं लाइसेंसिंग प्राधिकरण का क्लर्क गौरव भारद्वाज व हेल्पर सुभाष चंद वाहन पोर्टल का दुरुपयोग कर फर्जी रजिस्ट्रेशन कराता था। हेमराज सिंह ने अन्य राज्यों में भी पंजीकरण में मदद की। अमनदीप सिंह जैसे बिचौलिए गाड़ियों को आगे बेचते थे, जबकि कंवलजीत और बृज मोहन अनजान खरीदारों को गाड़ियां बेचते थे। यह गिरोह कई राज्यों में फैला था और कुछ सदस्य गाड़ियों का इस्तेमाल नशा तस्करी में भी करते थे।

तेज हवा के साथ आज होगी हल्की वर्षा, यलो अलर्ट जारी

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम के साथ ही अधिकतम तापमान में वृद्धि देखी गई। दो दिन पहले हल्की वर्षा के कारण तापमान में गिरावट आई थी। रविवार और सोमवार को फिर से मौसम में बदलाव का पूर्वानुमान है। दोनों दिन तेज हवा के साथ हल्की वर्षा हो सकती है। इसे लेकर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने अगले दो दिनों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है।

शनिवार को न्यूनतम तापमान 25.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो पिछले दिन की तुलना में 3.1 डिग्री और सामान्य से 1.2 डिग्री अधिक है। वहीं, अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यह सामान्य से तो 0.7 डिग्री कम है लेकिन पिछले दिन की तुलना में 2.2 डिग्री अधिक है। दिल्ली के सभी मौसम स्टेशनों ने भी अधिकतम व न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई।

न्यूज गैलरी

विधानसभा में नई पीढ़ी को राम के आदर्शों से जोड़ने की पहल

नई दिल्ली: दिल्ली विधानसभा में आगामी छह मई को विशेष आध्यात्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम 'संगीतमय राम कथा' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें डा. कुमार विश्वास श्रीराम के जीवन, उनके आदर्शों व मानवीय मूल्यों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को सत्यनिष्ठा व कर्तव्यनिष्ठा के मूल्यों से प्रेरित करना है। दिल्ली विस अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भगवान राम का जीवन सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी सत्य-धर्म के मार्ग से विचलित न हों। (राब्यू)

कार का शीशा तोड़ शूटिंग खिलाड़ी की दो पिस्टल चोरी

नई दिल्ली: रोहिणी सेक्टर-9 में कार का शीशा तोड़कर चोर अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खिलाड़ी अर्जुन छिल्लर की दो स्पोर्ट्स पिस्टल, मैग्जीन, .22 के सौ राउंड समेत कागजात चुरा ले गए। दो स्पोर्ट्स पिस्टल की कीमत पांच लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश आरंभ कर दी है। (जासं)

डीएमसी चुनाव में आठ पदों के लिए 60 डाक्टर मैदान में

नई दिल्ली : दिल्ली मेडिकल काउंसिल चुनाव (डीएमसी) के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई है। डीएमसी गवर्निंग काउंसिल के आठ सदस्यों के लिए डीएमसी में पंजीकृत 60 डाक्टर मैदान में हैं। इसके साथ करीब छह वर्ष बाद हो रहे इस चुनाव की प्रक्रिया अब निर्णायक चरण में पहुंच गई है। डीएमसी चुनाव हर पांच वर्ष में होते हैं पर इस बार विभिन्न कारणों से यह अवधि करीब छह वर्ष की हो गई। अब सभी की नजरें आगे की चुनावी प्रक्रिया और अंतिम सूची पर टिकी हैं। (जासं)

सीएम की जनसुनवाई में गलत इलाज और पेंशन की शिकायतों पर कार्रवाई के निर्देश

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, जन सुनवाई में मिली फीडबैक व सुझाव सरकार के लिए महत्वपूर्ण

शालीमार बाग को आदर्श विधानसभा बनाए जाने का किया वादा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

शनिवार को शालीमार बाग के त्रिलोक भवन में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान एक बुजुर्ग ने कमला नगर के एक निजी डाक्टर पर दांतों के गलत इलाज का आरोप लगाते हुए कहा, "सीएम साहिबा, गलत इलाज के कारण मेरा खाना-पीना छूट गया है, कृपया मदद कीजिए।" पीतमपुरा के एयू-ब्लाक निवासी कृष्णकांत (68) ने बताया कि गलत तरीके से दांत लगाए जाने के कारण उन्हें काफी परेशानी हो रही है। इस पर मुख्यमंत्री ने मामले की जांच के साथ-साथ बुजुर्ग की हरसंभव सहायता करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कुछ लोगों ने राशन कार्ड बनवाने में आ रही दिक्कतों और वृद्धावस्था पेंशन में देरी का मुद्दा भी उठाया, जिस पर मुख्यमंत्री ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई से मिलने वाले सुझाव और फीडबैक सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं, इन्हीं के आधार पर नीतियों को जनोन्मुखी बनाया जाता है।

शालीमार बाग के त्रिलोक भवन में जन सुनवाई के दौरान सीएम रेखा गुप्ता व अन्य। सौ दिल्ली सरकार

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि हर मामले को संवेदनशीलता से लिया जाए और तय समय-सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित हो।

उन्होंने साफ कहा कि जनसुनवाई केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह जनता की अपेक्षाओं को समझने और उन्हें जल्द पूरा करने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य शालीमार बाग को एक आदर्श विधानसभा के रूप में विकसित करना है। क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के व्यापक विकास के लिए कई काम तेजी से किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री के समक्ष रखे प्रमुख जन परिवाद

- चित्रकूट अपार्टमेंट के पास बस स्टापेज बनाया जाए
- शालीमार बाग की पार्कों में पेड़ों की टहनियां की छंटाई व सुंदरीकरण की जरूरत
- पीतमपुरा स्थित टावर हाइट अपार्टमेंट के लोगों ने फ्लैट के हैंडओवर करने की मांग की
- नियमित नालियों की सफाई करने की मांग

राजधानी के सकारात्मक ब्रांडिंग पर सरकार का विशेष जोर : रेखा गुप्ता

जासं, नई दिल्ली : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी के सकारात्मक ब्रांडिंग पर सरकार का विशेष जोर है। पर्यटन के साथ चिकित्सा व शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने पर ध्यान है। लक्ष्य है कि देश, दुनिया भर से लोग दिल्ली आएं, यहां ठहरें और यहां के अनुभव को साथ लेकर जाएं। एक पर्यटन हितधारक सम्मेलन में उन्होंने कहा कि सरकार बड़े कन्सर्ट, फिल्म फेस्टिवल व सांस्कृतिक आयोजनों को बढ़ावा दे रही है, जिससे दिल्ली की वैश्विक पहचान मजबूती मिल रही है।

फिल्म नीति और सिंगल विंडो सिस्टम से उद्योग को सरल, पारदर्शी और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कार्यक्रम में डीटीटीडीसी ने कुछ टूरिज्म सेवा कंपनियों से समझौते पर हस्ताक्षर किए। दिल्ली के कला, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली पर्यटन बोर्ड का गठन, सिंगल विंडो क्लियरेंस प्रमुख प्रवेश द्वारों के सौंदर्यीकरण, यूनिटी माल के निर्माण और संस्कृति व खानपान को एकीकृत कर नए पर्यटन अनुभव विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

'यमुना बाढ़ क्षेत्र में अतिक्रमण गंभीर समस्या, एजेंसियों में समन्वय की कमी'

विनीत त्रिपाठी • जागरण

नई दिल्ली : दिल्ली में नालों की सफाई और यमुना को अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर सरकार की तरफ से भले ही तमाम दावे किए जा रहे हों, लेकिन जमीनी स्तर पर हकीकत कुछ और ही है। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग (आइएफसीडी) द्वारा संयुक्त बाढ़ प्रबंधन समिति (जेएफएमसी) की सिफारिशों के संबंध में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में ताजा रिपोर्ट दाखिल की गई है।

जेएफएमसी ने रिपोर्ट में यमुना में अतिक्रमण को एक गंभीर समस्या बताने के साथ ही विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी पर चिंता व्यक्त की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यमुना बाढ़ क्षेत्र में अतिक्रमण एक गंभीर समस्या बनी हुई है और इस पर प्रभावी कार्रवाई करने के लिए एक नोडल एजेंसी द्वारा एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि इसमें दिल्ली मेट्रो, डीडीए, लोक निर्माण विभाग, आइएफसीडी, दिल्ली जल बोर्ड और यमुना नदी में निर्माण कार्य करने वाली अन्य सरकारी एजेंसियों को शामिल किया जाना चाहिए। रिपोर्ट में यह भी कहा कि वर्ष 2023 की बाढ़ असामान्य वर्षा (1978 की तुलना में 23.8 प्रतिशत अधिक) के कारण गंभीर हुई। उक्त तथ्यों को देखते हुए एनजीटी चेयरमैन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव व विशेषज्ञ सदस्य डा. अफरोज अहमद की पीठ ने आइएफसीडी को अगली सुनवाई से कम से कम एक सप्ताह पूर्व इसकी समीक्षा कर प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभागों व अपर यमुना नदी बोर्ड को भी मामले में पक्षकार बनाया गया है।

- एनजीटी में दाखिल की गई ताजा रिपोर्ट में नालों की सफाई व यमुना में अतिक्रमण पर व्यक्त की गई चिंता

प्रतीकात्मक

यमुना पर चल रहा अध्ययन : रिपोर्ट में बताया गया कि यमुना पर एक वैज्ञानिक अध्ययन पुणे स्थित केंद्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान केंद्र (सीडब्ल्यूपीआरएस) द्वारा किया जा रहा है और यह 31 अगस्त 2026 तक पूरा होगा। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में दीवार के निर्माण सहित अल्पकालिक उपाय लागू किए गए हैं।

नालों के संचालन के लिए तैयार की जा सकती है एसओपी : एनसीआर में जल निकासी नेटवर्क का रखरखाव अलग-अलग एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है और इन नालों के संचालन के लिए विभिन्न एजेंसियों के बीच कोई तालमेल नहीं है। समिति ने कहा गया है कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में इन नालों के संचालन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जा सकती है।

कांतारा स्टार ऋषभ शेट्टी ने अमित शाह से की मुलाकात

'कांतारा' फ्रेंचाइजी की सफलता के बाद कन्नड़ अभिनेता और फिल्म निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। एएनआइ

नई दिल्ली, प्रेट्र : अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी जो अपनी फिल्म कांतारा के लिए चर्चित हैं ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। एक्स पर शाह ने इस मुलाकात को रोचक और प्रेरक बताया। उन्होंने कहा कि शेट्टी अपनी फिल्मों के जरिये भारतीय सभ्यता और संस्कृति को जिस संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करते हैं, वह सराहनीय है। वहीं, शेट्टी ने इस मुलाकात को जीवन के यादगार पलों में से एक बताया।

राजधानी में फंदे से लटका मिला न्यायिक अधिकारी का शव

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

सफदरजंग एन्क्लेव थाना क्षेत्र स्थित ग्रीन पार्क इलाके में शनिवार को एक न्यायिक अधिकारी ने अपने घर के बाथरूम में दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह मूलरूप से अलवर के रहने वाले थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने 30 वर्षीय अमन कुमार शर्मा के शव को फंदे से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वह उत्तर पूर्वी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) कड़कड़डूमा कोर्ट में सचिव के पद पर कार्यरत थे। पुलिस मामले में स्वजन और रिश्तेदारों से पूछताछ कर रही है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि न्यायिक अधिकारी अमन कुमार परिवार के साथ ग्रीन पार्क मेन में रहते थे। शनिवार दोपहर को डिफेंस कालोनी में रहने वाले उनके जीजा शिवम ने पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। इस पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं, न्यायिक अधिकारी से जुड़ा होने के चलते पुलिस अधिकारी इस घटना पर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

- पुलिस लगा रही आत्महत्या के कारणों का पता

जज अमन कुमार।

2021 में न्यायिक सेवा से जुड़े : कानूनी पेशे में अमन के जानकारों का कहना है कि वह होनहार न्यायिक अधिकारी माने जाते थे। उन्होंने 2021 में दिल्ली ज्यूडिशियल सर्विस ज्वाइन की थी। 18 अक्टूबर 2025 से उत्तर पूर्वी डीएलएसए में सचिव के रूप में कार्यरत थे।

शांति वन-राजघाट क्षेत्र का होगा सुंदरीकरण

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली : शहर के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शामिल शांति वन और राजघाट चौराहे के बीच रिंग रोड का सुंदरीकरण किया जाएगा। सरकार ने इस कार्य के लिए मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत पीडब्ल्यूडी राजघाट क्षेत्र की सड़कों का कायाकल्प करेगा, जिसमें बेहतर रोशनी, सजावटी स्ट्रीट लाइटें लगाना और बागवानी कार्य शामिल हैं। इस संबंध में निविदाएं जारी कर दी गई हैं। परियोजना दो महीने में 96 लाख रुपये की अनुमानित लागत से पूरी की जानी है।

पीडब्ल्यूडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि परियोजना का उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व रखने वाले इस क्षेत्र की सुंदरता को बढ़ाना है। महात्मा गांधी का राजघाट स्मारक, भारत की आधिकारिक यात्राओं के दौरान विदेशी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा अक्सर देखा जाता है। यह प्रतिदिन बड़ी संख्या में पर्यटकों और आगंतुकों को भी आकर्षित करता है। योजना के तहत स्ट्रीट लाइट के खंभे सजावटी माइल्ड स्टील से बनाए जाएंगे, जिनमें एलईडी सफेद बत्तियां लगाई जाएंगी।

एनसीआर में पीएनजी की भारी मांग, दो माह में लगे 74 हजार कनेक्शन

नेमिष हेमंत • जागरण

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ऊर्जा संकट के बीच राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता के परिदृश्य में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। एलपीजी सिलेंडरों की अनिश्चितता और बढ़ती कीमतों के बीच लोग अब पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प मान रहे हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार, मार्च व अप्रैल के दो महीनों में दिल्ली और आसपास के शहरों में पीएनजी की मांग व कनेक्शन में रिकार्ड वृद्धि दर्ज की गई है।

दिल्ली में ही इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आइजीएल) को पिछले दो माह में लगभग 70 हजार नए घरेलू कनेक्शन के आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसमें से आइजीएल ने 43 हजार से अधिक घरों में गैस पाइपलाइन पहुंचा भी दी है। इसी तरह, 100 से ज्यादा रेस्तरां और 20 से अधिक बड़े उद्योगों ने भी पीएनजी का रुख किया है। आइजीएल अधिकारी बताते हैं कि इसकी वजह पीएनजी की निर्बाध आपूर्ति है। इसमें सिलेंडर खत्म होने का डर नहीं और न ही बुकिंग का झंझट है। यह एलपीजी की तुलना में किफायती है, पर्यावरण के अनुकूल भी है। वहीं, ऊर्जा संकट को देखते हुए केंद्र और दिल्ली सरकार पीएनजी नेटवर्क के विस्तार पर जोर दे रही है।

- पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ऊर्जा संकट के बीच अब पीएनजी को सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प मान रहे लोग

पीएनजी। फाइल

आइजीएल का प्रतिदिन 3000 कनेक्शन देने का लक्ष्य : आइजीएल के एक अधिकारी ने बताया कि ऊर्जा संकट से पहले दिल्ली में प्रतिदिन औसतन 600-700 कनेक्शन लगते थे, जिसे अब बढ़ाकर 1500 तक पहुंचा दिया गया है।

सेंट्रल विस्टा को मेट्रो से जोड़ने के लिए शीघ्र शुरू होगा काम

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: सेंट्रल विस्टा क्षेत्र को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने की तैयारी शुरू हो गई है। शीघ्र ही इसका निर्माण कार्य शुरू होगा। केंद्र सरकार ने दिसंबर के अंतिम सप्ताह में मेट्रो फेज-पांच(ए) परियोजना को स्वीकृति दी थी। इस चरण में 16 किमी की लंबाई वाले तीन नए कारिडोर विकसित किए जाएंगे। इस कारिडोर का काम पूरा होने पर मध्य दिल्ली में मेट्रो कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इससे लगभग 60 हजार कर्मियों व अन्य लोगों को लाभ होगा।

स्वीकृत किए गए तीन कारिडोर में आरके आश्रम से इंद्रप्रस्थ (सेंट्रल विस्टा के रास्ते), एरोसिटी से इंदिरा गांधी एयरपोर्ट डोमेस्टिक टर्मिनल-1 और तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज शामिल हैं। आरके आश्रम मार्ग-इंद्रप्रस्थ कारिडोर की कुल लंबाई 9.913 किमी है। आरके आश्रम मार्ग, शिवाजी स्टेडियम, केंद्रीय सचिवालय, कर्तव्य भवन, इंडिया गेट, वार मेमोरियल-हाई कोर्ट, भारत मंडपम, और इंद्रप्रस्थ स्टेशन होंगे।

दिल्ली एम्स

इस तकनीक से अब आइसीयू समेत इमरजेंसी और ट्रामा वार्ड में भर्ती गंभीर मरीजों का ब्रेन स्कैन सीधे उनके बेड पर ही किया जा सकेगा

देश का पहला पोर्टेबल बेडसाइड एमआरआइ शुरू

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली ने देश में पहली बार पोर्टेबल बेडसाइड एमआरआइ प्रणाली को नियमित क्लिनिकल उपयोग के लिए आरंभ कर दिया है। इस तकनीक से अब आइसीयू, इमरजेंसी और ट्रामा वार्ड में भर्ती गंभीर मरीजों का ब्रेन स्कैन सीधे उनके बेड पर ही किया जा सकेगा।

यह पोर्टेबल एमआरआइ प्रणाली स्वूप पोर्टेबल एमआरआइ सिस्टम (हाइपरफाइन) पर आधारित है, जिसे पहियों की मदद से आसानी से एक से दूसरे वार्ड तक ले जाया जा सकता है। इसकी विशेषता यह है कि इसके लिए अलग एमआरआइ कक्ष, शील्डिंग या उच्च विद्युत क्षमता की आवश्यकता नहीं होती, जिससे अस्पतालों में जांच प्रक्रिया तेज, सुरक्षित और सुलभ बनती है। एम्स के न्यूरोइमेजिंग एवं इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलाजी विभाग के प्रमुख प्रो. डा. शैलेश गायकवाड़ ने बताया कि 'यह तकनीक इमरजेंसी में तुरंत व सटीक ब्रेन इमेजिंग संभव बनाती है। इससे उपचार में देरी नहीं होगी। यह स्ट्रोक, सिर की चोट, आइसीयू मानिटरिंग व न्यूरोसर्जरी में त्वरित निदान में मददगार साबित होगी।'

पोर्टेबल बेडसाइड एमआरआइ : सौजन्य- एम्स

ग्रेटर नोएडा में घर खरीदने से लेकर उद्योग लगाना हुआ महंगा

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : ग्रेटर नोएडा में घर बनाने से लेकर उद्योग लगाना सभी महंगा हो गया है। प्राधिकरण ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए संपत्ति की आवंटन दरों में सभी श्रेणी के लिए 3.58 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। सीईओ एनजी रवि कुमार का कहना है कि ग्रेटर नोएडा में निवेश को बढ़ावा देने के लिए आवंटन दरों में मामूली वृद्धि हुई है।

प्राधिकरण की 143वीं बोर्ड बैठक में 2026-27 के लिए 6048 करोड़ के बजट को मंजूरी देने के साथ गंगा एक्सप्रेसवे व नोएडा एयरपोर्ट को जोड़ने के लिए दो मार्गों के निर्माण को स्वीकृति दी गई। ईवी बसों का संचालन व बहुमंजिला इमारतों में आगजनी से निपटने के लिए 100 करोड़ रुपये के हाइड्रोलिक प्लेटफार्म की खरीद को बोर्ड ने हरी झंडी दी है।

एसी में शार्ट सर्किट से लगी आग, बच्चे की मौत, दूसरा गंभीर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

कुछ ही पलों में सब शांत हो गया। कमरे के अंदर सिर्फ रह गया धुआं और बेसुध पड़े दो मासूम। जौहरीपुर में शनिवार शाम ऐसा ही मंजर देखने को मिला, जब एसी के इनडोर यूनिट में शार्ट सर्किट से आग लग गई। धुएं के कारण दोनों बच्चे दम घुटने से बेहोश हो गए। अस्पताल ले जाने पर चार वर्षीय यक्षित को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि उसके बड़े भाई साढ़े पांच वर्षीय प्रियांश की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, मनीष रोहिणी सेक्टर-सात में डाकघर में कार्यरत हैं। वह जौहरीपुर में कर्दम धर्मशाला के पास परिवार के साथ मकान की दूसरी मंजिल पर रहते हैं। परिवार में पत्नी और दो बेटे, साढ़े पांच वर्षीय प्रियांश व यक्षित थे। पहली मंजिल पर बच्चों की नानी रहती हैं। पति-पत्नी दोनों नौकरीपेशा हैं, इसलिए दिन में नानी ही बच्चों की देखभाल करती हैं। शनिवार शाम को नानी बच्चों के लिए फ्रूटी लेने नीचे गई थीं। करीब दस मिनट बाद जब वह ऊपर लौटीं तो कमरे से धुआं निकलता दिखा। अंदर पहुंचने पर दोनों बच्चे अचेत मिले और एसी के इनडोर यूनिट में आग लगी हुई थी। स्वजन तुरंत दोनों को जीटीबी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने यक्षित को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में प्रियांश की हालत गंभीर है। सूचना मिलने पर गोकलपुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची व फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए।

- घर में अकेले थे बच्चे, नानी फ्रूटी लेने गई थीं, इतनी देर में हो गया हादसा

41,249 करोड़ रुपये केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में शिक्षा मंत्रालय को समग्र शिक्षा के तहत आवंटित किया था। यह राज्यों को स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए दिया जाता है।

शिक्षकों के पद नहीं भरने वाले राज्यों की रोकी जा सकती है वित्तीय मदद

संसदीय समिति की सिफारिश पर शिक्षा मंत्रालय गंभीर, स्कूलों में शिक्षकों के करीब 10 लाख पद रिक्त

शिक्षा मंत्रालय और संसदीय समिति के कई निर्देशों के बाद भी नहीं भरे जा रहे खाली पद

अरविंद पांडेय • जागरण

शिक्षकों की भर्ती न करना राज्यों को पड़ सकता है महंगा। प्रतीकात्मक

शिक्षकों के रिक्त पदों का ब्योरा

वर्ष	स्कूल	स्वीकृत पद	भरे पद	रिक्त पद
2024-25	प्राथमिक	45,46,395	39,73,713	5,72,682
2024-25	माध्यमिक	24,29,365	20,29,385	3,99,980

किस राज्य में शिक्षकों के लगभग कितने पद रिक्त

उत्तर प्रदेश	2.17 लाख (इनमें 1.43 लाख प्राथमिक)		
बिहार	1.92 लाख	मध्य प्रदेश	55 हजार
बंगाल	55 हजार	हरियाणा	15 हजार
झारखंड	72 हजार	जम्मू-कश्मीर	13 हजार

नई दिल्ली : स्कूलों में शिक्षकों के पदों को लंबे समय तक नहीं भरना अब राज्यों को महंगा पड़ सकता है। संसदीय समिति की सिफारिश पर गंभीर शिक्षा मंत्रालय अब ऐसे सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को समग्र शिक्षा के तहत दी जाने वाली वित्तीय मदद में कटौती कर सकता है या फिर रोक सकता है। फिलहाल देश में शिक्षकों के करीब 10 लाख पद खाली हैं। इनमें करीब साढ़े सात लाख पद अकेले प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की अगुआई वाली शिक्षा मंत्रालय की संसदीय समिति ने अपनी 349वीं और 363वीं रिपोर्ट में शिक्षकों के इन खाली पदों को समयबद्ध तरीके से भरने की बार-बार सिफारिश की है। साथ ही शिक्षा मंत्रालय भी कई बार राज्यों से इन खाली पदों को भरने के लिए कह चुका है। बावजूद इसके राज्यों का रवैया जस का तस बना हुआ है। वह केंद्र से हर साल समग्र शिक्षा अभियान के तहत स्कूलों को सशक्त बनाने के लिए वित्तीय मदद ले रहे हैं, लेकिन शिक्षकों के पद खाली पड़े हुए हैं।

समिति का मानना है कि स्कूलों में शिक्षकों के पदों का खाली होना और भरना वैसे तो एक सतत प्रक्रिया है, लेकिन अधिकांश राज्यों में पिछले कई वर्षों से बड़ी संख्या में शिक्षकों के पद खाली पड़े हुए हैं। समिति ने राज्यों के इस रवैये को गंभीर बताया और मंत्रालय से सिफारिश की है कि जब तक राज्य शिक्षकों के खाली पदों को नहीं भरते हैं, तब तक उन्हें समग्र शिक्षा का पैसा नहीं दिया जाए। वित्त वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार ने शिक्षा मंत्रालय को समग्र शिक्षा के तहत 41,249 करोड़ रुपये आवंटित किया था। यह राज्यों को स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए दिया जाता है। मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक, संसदीय समिति की सिफारिश पर समग्र शिक्षा के तहत दी जाने वाली वित्तीय मदद की समीक्षा की जा रही है। इस दौरान तय मानकों के अनुरूप काम न करने वाले और शिक्षकों के खाली पदों को न भरने वाली राज्यों की वित्तीय मदद रोकने जैसे कदम उठाए जा सकते हैं।

अमेरिकी सीनेट जैसी होनी चाहिए राज्यसभा की परिकल्पना : कविता

हैदराबाद, प्रेट्र : तेलंगाना रक्षा सेना की संस्थापक के. कविता ने कहा है कि राज्यसभा को अमेरिका की सीनेट की तर्ज पर फिर से परिकल्पित किया जाना चाहिए, जिससे राज्यों को प्रभावित करने वाले कानूनों के भाग्य का निर्धारण करने में उसे अधिक अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि परिसीमन के तहत सीटों की संख्या तय करने के लिए केंद्र को एक निश्चित जनसंख्या को मानक के रूप में अपनाना चाहिए, भले ही इस प्रक्रिया में कुछ राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जाए। परिसीमन में कुछ राज्यों को ज्यादा सीटें मिल सकती हैं और कुछ को कम, यह अलग बात है। लेकिन राज्यसभा को अमेरिकी सीनेट जैसी शक्तियां दी जानी चाहिए। हर राज्य के लिए राज्यसभा में प्रतिनिधियों की एक निश्चित संख्या होनी चाहिए। राज्यसभा को सीनेट के समान अधिकार दिए जाने चाहिए, जहां वित्त विधेयकों सहित सभी विधेयकों को उसके समक्ष प्रस्तुत किया जाए। यदि राज्य सहमत न हों तो विधेयक को रोक दिया जाना चाहिए। इस तरह राज्यों की शक्ति और महत्व के साथ ही उनकी राजनीतिक और वित्तीय सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। उनके अनुसार, सभी राज्यों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक राज्य के पास राज्यसभा में सीटों की निश्चित संख्या और मतदान अधिकार होने चाहिए।

प्रख्यात गीतकार प्रसून जोशी प्रसार भारती के अध्यक्ष नियुक्त

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में की नियुक्ति की घोषणा
- सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, जोशी के नेतृत्व में प्रसार भारती को नई रचनात्मक आवाज मिलेगी

प्रसून जोशी। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रख्यात गीतकार और लेखक प्रसून जोशी को प्रसार भारती का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में जोशी की नियुक्ति की घोषणा की। बयान में कहा गया है कि जोशी, साहित्य, विज्ञापन, सिनेमा और सार्वजनिक संचार के क्षेत्र में व्यापक योगदान देने वाले एक प्रतिष्ठित रचनात्मक पेशेवर हैं, जो अपने प्रभावशाली लेखन और गहरी सांस्कृतिक संवेदनशीलता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने समकालीन भारतीय मीडिया की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जोशी के कार्यों में प्रशंसित फिल्म गीत, विज्ञापन अभियान और सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियां शामिल हैं, जो देशभर के विभिन्न दर्शकों से जुड़ती हैं।

उनकी नियुक्ति पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में प्रसून जोशी जी की नियुक्ति पर मेरी हार्दिक बधाई। प्रसून जी एक विलक्षण रचनात्मक व्यक्तित्व हैं, जिन्हें विज्ञापन, साहित्य, कला और सिनेमा जगत में विश्व स्तर पर ख्याति प्राप्त है, फिर भी उनका हृदय भारत के लिए धड़कता है।

वैष्णव ने कहा कि जोशी के शब्दों में देश की मिट्टी की सुगंध समाई हुई है और उनकी दूरदृष्टि भारतीय संस्कृति के शाश्वत सार को प्रतिबिंबित करती है। मंत्री ने कहा, उनके नेतृत्व में प्रसार भारती को नई ऊर्जा, गहरा उद्देश्य और एक नई रचनात्मक आवाज मिलेगी। मैं उन्हें आगामी कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं, जो यादगार और सार्थक होगा।

इस नियुक्ति से पहले, जोशी अगस्त 2017 से मुंबई स्थित केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे।

सिक्किम बना पेपरलेस न्यायिक व्यवस्था वाला देश का पहला राज्य

जासं, गंगटोक

- देश के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने की घोषणा, तकनीक का अधिक से अधिक होगा उपयोग

सिक्किम पेपरलेस न्यायिक व्यवस्था वाला देश का पहला राज्य बन गया है। यहां न्यायपालिका में तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग होगा। सिक्किम के इस ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा स्वयं देश के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने की। वह राजधानी गंगटोक में आयोजित राष्ट्रीय तकनीक और न्यायिक शिक्षा सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

सिक्किम उच्च न्यायालय द्वारा सुप्रीम कोर्ट की ई-कमेटी के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के न्यायिक विशेषज्ञ, न्यायाधीश और विधि क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हुए। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य न्याय प्रणाली में प्रौद्योगिकी की भूमिका को मजबूत करना और कानूनी शिक्षा को आधुनिक बनाना है।

प्रधान न्यायाधीश ने अपने संबोधन में कहा कि सिक्किम का यह कदम केवल एक राज्य की सफलता नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक मिसाल है। अब लोगों को न्याय पाने के लिए लंबी यात्राएं नहीं करनी पड़ेंगी। ई-कोर्ट्स परियोजना के तहत केस दाखिल करना, सुनवाई और आदेश प्राप्त करना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से संभव हो गया है। इससे न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता, गति और पहुंच में उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड को इस डिजिटल क्रांति का केंद्र बताया।

प्रधान न्यायाधीश ने स्वीकार किया कि अभी चुनौतियां बाकी हैं। सभी अदालतों में एक समान डिजिटल ढांचा लागू करना, ई-सेवा केंद्रों का विस्तार करना और डिजिटल साक्षरता बढ़ाना आवश्यक है ताकि ग्रामीण और कम पढ़े-लिखे लोग भी इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने न्यायिक शिक्षा में भी आधुनिक तकनीक और उसके नैतिक आयामों को शामिल करने पर जोर दिया। सम्मेलन में सेशेल्स के मुख्य न्यायाधीश और श्रीलंका के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश समेत अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

रणनीतिक समझौते पर भारत-यूएई में होगा विमर्श

जयप्रकाश रंजन • जागरण

- इस महीने यूरोपीय यात्रा के दौरान यूएई में हो सकता है प्रधानमंत्री मोदी का कुछ देर का ठहराव
- यूएई ने ओपेक से बाहर निकल वैश्विक तेल आर्थिकी में सऊदी अरब के वर्चस्व को दी है चुनौती

नरेन्द्र मोदी। फाइल

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया संघर्ष के दौरान सऊदी अरब और यूएई के मध्य बढ़ रहे तनाव के बीच पीएम नरेन्द्र मोदी की इस महीने होने वाले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) यात्रा की अहमियत काफी बढ़ गई है। यह यात्रा संक्षिप्त होगी क्योंकि मोदी की इस महीने (15-20 मई) यूरोपीय देशों नार्वे, स्वीडन, नीदरलैंड्स और इटली की यात्रा के दौरान यूएई में एक संक्षिप्त ठहराव की संभावना है। दोनों देशों के अधिकारियों के बीच इस बारे में विमर्श चल रहा है कि भले ही यह यात्रा कुछ घंटे की हो, लेकिन इस दौरान द्विपक्षीय सहयोग से जुड़ी कुछ अहम घोषणाएं हों। मोदी वहां यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ मिलकर दीर्घकालिक रणनीतिक समझौतों की घोषणा कर सकते हैं।

राष्ट्रपति नाहयान जनवरी 2026 में एक दिन की यात्रा पर नई दिल्ली आए थे और दोनों नेताओं ने रणनीतिक रक्षा साझेदारी के फ्रेमवर्क समझौते के लिए एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। सूत्रों के अनुसार, यह भारत का किसी भी पश्चिम एशियाई देश के साथ किया गया सबसे बड़ा रणनीतिक समझौता होगा। यूएई ने तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक से बाहर निकलकर वैश्विक तेल अर्थव्यवस्था में सऊदी अरब के वर्चस्व को चुनौती दी है। यूएई अब अमेरिका-इजरायल के साथ निकटता बढ़ा रहा है और भारत के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत कर रहा है, जबकि सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा संबंधों को मजबूत कर रहा है। इस बदलते माहौल में पीएम मोदी की संभावित यूएई यात्रा पर कई देशों की नजर होगी। मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत और यूएई के बीच ऊर्जा सहयोग को लेकर भी कुछ महत्वपूर्ण घोषणाओं की उम्मीद जताई जा रही है।

भारत पहले से ही यूएई का एक बड़ा तेल खरीदार : ओपेक और ओपेक प्लस (रूस जैसे कुछ अन्य देश सदस्य) समूह से बाहर निकलने के बाद संकेत हैं कि यूएई अपने कच्चे तेल के उत्पादन में भारी वृद्धि करने की तैयारी कर रहा है। दूसरी ओर, भारत भी एक बड़े विश्वसनीय तेल आपूर्तिकर्ता देश की तलाश में है। वर्तमान में, भारत रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीद रहा है लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रतिबंध का खतरा हमेशा बना रहता है। एक दशक पहले, भारत ईरान से सबसे ज्यादा तेल खरीदता था जिसे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण छोड़ना पड़ा था। यूएई पर अमेरिकी प्रतिबंध का डर नहीं है और वहां से तेल लाने की लागत भी कम है। इस समय भारत रूस, अमेरिका, नाइजीरिया, ब्राजील, मैक्सिको व गुयाना जैसे देशों से तेल खरीद रहा है, जिसे घरेलू रिफाइनरियों तक पहुंचाने में लगभग पांच हफ्ता लगता है।

ऐसे काम करता है 'सचेत' सिस्टम

प्रथम पृष्ठ से आगे

'सचेत' सिस्टम कामन अलर्टिंग प्रोटोकाल पर आधारित है, जिसे संयुक्त राष्ट्र की संस्था अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आइटीयू) ने मान्यता दी है। यह सिस्टम जियो-टार्गेटेड अलर्ट भेजता है, यानी जिस इलाके में खतरा है, सिर्फ वहीं के लोगों को मैसेज मिलेगा। यह देश के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय है। सरकार के मुताबिक, अब तक इस प्लेटफार्म के जरिये 19 से अधिक भारतीय भाषाओं में 134 अरब से ज्यादा एसएमएस अलर्ट भेजे जा चुके हैं।

एसएमएस से अलग 'सेल ब्राडकास्ट': एसएमएस अलर्ट एक-एक नंबर पर भेजे जाते हैं और नेटवर्क जाम होने पर देरी हो सकती है। वहीं, सेल ब्राडकास्ट अलर्ट एक साथ पूरे इलाके के सभी फोन पर पहुंचते हैं और लगभग रियल-टाइम में डिलीवरी होती है। नेटवर्क जाम या इंटरनेट ठप होने पर भी इस प्रणाली पर असर कम होता है। यानी अगर भूकंप, सुनामी, गैस लीक या युद्ध जैसी स्थिति बने, तो यह सिस्टम सेकंडों में आपको सचेत कर सकता है।

1990 में सेल ब्राडकास्ट तकनीक को पहली बार यूरोपियन टेलिकम्यूनिकेशंस स्टैंडर्ड्स इंस्टीट्यूट ने विकसित किया। 1997 में पेरिस में पहली बार इसका प्रदर्शन किया गया था, जिसके बाद करीब 30 देश इसे अपना चुके हैं।

सेल ब्राडकास्ट अलर्ट तकनीक एक नजर में

- 1990 में जीएसएम मानक के साथ इस तकनीक की नींव पड़ी
- 1997 पहली बार पेरिस में इस तकनीक का प्रदर्शन किया गया
- 2000 के बाद आपदा प्रबंधन के लिए ये तकनीक इस्तेमाल हुई
- 2007 में जापान ने भूकंप चेतावनी प्रणाली के रूप में इसे लागू किया
- 2012 में अमेरिका ने वायरलेस इमरजेंसी अलर्ट्स शुरू किया
- 2023 से भारत में इस प्रणाली का परीक्षण शुरू हुआ

जयशंकर जमैका, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो की यात्रा पर

नई दिल्ली, प्रेट्र : विदेश मंत्री एस. जयशंकर जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद और टोबैगो की नौ दिवसीय यात्रा पर शनिवार को रवाना हो गए। इस यात्रा का उद्देश्य कैरेबियन देशों के साथ भारत के रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करना है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर तीनों देशों के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। वह द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर इन देशों के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे।

'गिरमिटिया' समुदायों के कारण इन देशों का भारत के साथ विशेष संबंध है। 'गिरमिटिया' लोग ब्रिटिश शासन के दौरान भारत से दक्षिण अफ्रीका, फिजी, मारीशस और कैरेबियाई द्वीपों में बागानों में काम करने के लिए भेजे गए मजदूर थे। जयशंकर के इन देशों में प्रमुख व्यापारिक हस्तियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने के साथ ही भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी संवाद कर सकते हैं।

अब मोदी तत्व और आरएसएस का इतिहास पढ़ेंगे छात्र

- महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रम में मोदी तत्व नाम का माड्यूल किया शामिल
- पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास और सामाजिक योगदान को भी दी गई जगह

वडोदरा, प्रेट्र : गुजरात के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व पर आधारित 'मोदी तत्व' नामक एक माड्यूल और आरएसएस के इतिहास को समाजशास्त्र पाठ्यक्रम में शामिल किया है, ताकि समाज पर उनके प्रभाव का अध्ययन किया जा सके।

विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख डा. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि एमए के दो वर्षीय पाठ्यक्रम में 'देशभक्ति का समाजशास्त्र' नाम से नया कोर्स शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य 'मोदी तत्व' और सामाजिक सुधारों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज तथा सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय के कार्यों का वैज्ञानिक विश्लेषण करना है। उन्होंने कहा कि चाहे आपको पसंद हो या न हो, राजनीतिक क्षेत्र और नेतृत्व की भूमिका में प्रधानमंत्री मोदी पर चर्चा करनी ही होगी। वह एक ऐसा तत्व हैं, जो लंबे समय तक मौजूद रहेंगे। हम समाजशास्त्री मैक्स वेबर के करिश्माई नेतृत्व का अध्ययन करना चाहते थे। ऐसा व्यक्तित्व महात्मा गांधी और मार्टिन लूथर किंग में भी देखा गया था। पीएम मोदी में भी उसी तरह का करिश्माई नेतृत्व दिखाई देता है। यह एक वैज्ञानिक विषय है, जिसकी पड़ताल जरूरी है।

उन्होंने कहा कि 'मोदी तत्व' की अवधारणा का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाएगा और इस बात पर चर्चा की जाएगी कि वह इतने प्रसिद्ध क्यों हो रहे हैं, उनकी स्वीकार्यता इतनी व्यापक कैसे है और भारत में सबसे लंबे समय तक सत्ता में बने रहने के पीछे उनमें ऐसी क्या खास बात है। उन्होंने बताया कि हमने पाया कि कुछ समूह गांवों में परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए काम कर रहे थे और वे आरएसएस से जुड़े हुए थे। इस समूह का समाजशास्त्रीय अध्ययन आवश्यक था।

पीएम 10 मई को वारंगल में करेंगे टेक्सटाइल पार्क का उद्घाटन

नई दिल्ली, आइएएनएस : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 मई को तेलंगाना के वारंगल में पीएम मित्र काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि इस पार्क का उद्घाटन हैदराबाद से वर्चुअली किया जाएगा। यह विश्व स्तरीय एकीकृत टेक्सटाइल पार्क रोजगार और निर्यात को बढ़ावा देगा।

रेड्डी ने बताया कि इस परियोजना की अनुमानित लागत 1,695.54 करोड़ रुपये है। 1,327 एकड़ में फैला यह टेक्सटाइल पार्क देश के सबसे बड़े टेक्सटाइल पार्कों में से एक होगा। पार्क क्षेत्र का लगभग 62 प्रतिशत हिस्सा प्रमुख निवेशकों को आवंटित किया जा चुका है। सड़कें, जल आपूर्ति और स्ट्रीट लाइट जैसे इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण पूरा हो चुका है।

परियोजना के पूरी तरह से चालू होने पर 24,400 से अधिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।मार्च में, सरकार ने वारंगल, धार, लखनऊ समेत देशभर में सात पीएम मित्र पार्क स्थापित करने को मंजूरी दी थी।

मल्टी-लेन फ्री फ्लो के लिए ई-नोटिस पर भुगतान नहीं तो ब्लैकलिस्ट होगा फास्टैग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- ई-नोटिस जारी होने के 72 घंटों के भीतर अदा करना होगा सामान्य टोल वरना दोगुना टोल देना पड़ेगा
- भुगतान नहीं करने पर अन्य वाहन संबंधी सेवाओं पर भी लगाया जा सकता है प्रतिबंध

शुक्रवार को सूरत के चोर्यासी टोल प्लाजा पर बैरियर मुक्त टोलिंग प्रणाली शुरू हुई। फाइल

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण देश का पहला मल्टीलेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) टोलिंग सिस्टम गुजरात में दिल्ली-मुंबई नेशनल हाईवे पर सूरत के पास स्थित चोर्यासी टोल प्लाजा पर शुरू कर चुका है। एनएचएआइ ने बताया कि इस प्रणाली के लागू होने के पहले दिन ही 41,500 वाहनों ने एमएलएफएफ टोल प्लाजा को पार किया। चूंकि, इस सिस्टम को अगले तीन वर्ष के भीतर देशभर के सभी नेशनल हाईवे पर लागू करने का लक्ष्य है, इसलिए प्राधिकरण ने सुगम यात्रा के लिए उपयोगकर्ताओं से अपने फास्टैग खातों में पर्याप्त राशि बनाए रखने का आग्रह किया है। साथ ही बताया है कि फास्टैग में अपर्याप् शेष राशि, अमान्य या खराब फास्टैग जैसी स्थितियों में उपयोगकर्ताओं को टोल शुल्क का भुगतान न करने के लिए इलेक्ट्रानिक नोटिस (ई-नोटिस) जारी किया जाएगा। ई-नोटिस जारी होने के 72 घंटों के भीतर सामान्य निर्धारित शुल्क का भुगतान करना होगा। उसके सामान्य दर से दोगुना शुल्क लिया जाएगा। शुल्क का भुगतान पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है। उपयोगकर्ता ई-नोटिस जारी होने के 72 घंटों के भीतर शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। भुगतान न करने पर फास्टैग को ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है और अन्य वाहन संबंधी सेवाओं पर प्रतिबंध भी लगाया जा सकता है।

नाथूला दर्रे से फिर गूंजेगा 'हर-हर महादेव'

जासं, गंगटोक : भारत-चीन सीमा पर स्थित सिक्किम के नाथूला दर्रे से एक बार फिर 'हर-हर महादेव' की गूंज सुनाई पड़ेगी। केंद्र सरकार ने लगातार दूसरी बार कैलाश मानसरोवर यात्रा को मंजूरी दे दी है। वर्ष 2026 में जून से अगस्त के बीच यह पवित्र यात्रा आयोजित की जाएगी। इस बार यात्रा सिक्किम के नाथूला दर्रे और उत्तराखंड के लिपुलेख पास से संचालित होगी। यात्रा के लिए आनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस वर्ष पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाया गया है। यात्री को केवल आधिकारिक पोर्टल पर आवेदन करना होगा। किसी भी प्रकार के कागजी दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। सभी सूचनाएं, सूची और अपडेट आनलाइन उपलब्ध कराए जाएंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 19 मई 2026 निर्धारित की गई है।

इस बार कुल 20 दल बनाए जाएंगे। इनमें से 10 दलों में 50-50 यात्री शामिल होंगे। यात्रा चीन सरकार के समन्वय से आयोजित होगी। नाथूला मार्ग से यात्रा करने में कुल 21 दिन लगेंगे, जिसमें लगभग 11 दिन तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र में बिताए जाएंगे।

सुधार की जरूरत

युवाओं को कुशल और रोजगार योग्य बनाने के लिए 2016 में केंद्र सरकार ने शुरू की थी योजना, देश में 7.50 करोड़ एमएसएमई इकाइयां मगर रजिस्ट्रेशन मात्र 1.90 लाख ने कराया, अप्रेंटिसशिप 51,000 ही करा रहीं

अप्रेंटिसशिप योजना की सुस्त चाल से चिंता में सरकार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- योजना की समीक्षा में जुटा है कौशल विकास मंत्रालय तो एमएसएमई की नजर में तंत्र है निष्क्रिय

कौशल विकास के क्षेत्र में अभी भी पूरा नहीं हो पा रहा है लक्ष्य। प्रतीकात्मक

दुनियाभर में जिस तरह से कुशल कामगारों की मांग तेजी से बढ़ी है, ऐसे में सर्वाधिक युवा आबादी वाले भारत के लिए अधिक संभावनाएं देखी जाती हैं। इसी आधार पर अन्य कौशल विकास योजनाओं के साथ केंद्र सरकार का जोर शिक्षुता यानी अप्रेंटिसशिप पर भी है ताकि युवा पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान भी प्राप्त कर रोजगार के योग्य बनें। इसके लिए वर्ष 2016 में बहुत उम्मीदों और दावों के साथ कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम शुरू की थी। वर्तमान में उसका दूसरा चरण चल रहा है, लेकिन परिणाम निराशाजनक हैं। लगभग 7.50 करोड़ एमएसएमई इकाइयों वाले देश में अप्रेंटिसशिप के लिए पंजीयन मात्र 1.90 लाख प्रतिष्ठानों ने कराया है और उसमें से भी अप्रेंटिसशिप मात्र 51,000 ही करा रहे हैं। योजना की इस सुस्त चाल से चिंतित मंत्रालय योजना की समीक्षा कर कुछ बदलावों पर मंथन कर रहा है, जबकि एमएसएमई की ओर से उद्यमी मानते हैं कि खामी योजना में नहीं, बल्कि अमल के लिए जिम्मेदार सरकारी तंत्र में है।

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने हाल ही में इस योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसमें यह चिंता व्यक्त की गई कि वर्तमान में युवाओं को अप्रेंटिसशिप दिलाने की दर केवल 15 प्रतिशत की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट से चल रही है। यदि यह गति बनी रही तो 2032 तक केवल 13 लाख युवाओं को ही इस योजना से जोड़ा जा सकेगा जबकि युवाओं की कुल आबादी लगभग 30 करोड़ है। यह भी तथ्य रखा गया कि वर्तमान में यह व्यवस्था अपनी क्षमता से बहुत पीछे है। इसके पीछे कई कारण सामने आए जैसे कि एमएसएमई में जागरूकता की कमी, प्रक्रिया की पारदर्शिता में खामी और अप्रेंटिसशिप के बाद उसे पूरा करने की दर केवल 48 प्रतिशत है। कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया कि वित्तीय सहयोग को लेकर पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

वहीं, फेडरेशन आफ इंडियन माइक्रो एंड स्माल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज के अध्यक्ष राकेश छाबड़ा का मानना है कि सरकार की योजना में कोई कमी नहीं है, जरूरत सिर्फ व्यावहारिकता के साथ उसे लागू करने की है। आवश्यकता एमएसएमई संचालकों को योजना के लाभ बताते हुए उनके साथ समन्वय से योजना लागू कराने की है।

छाबड़ा ने हरियाणा के सोनीपत को अप्रेंटिसशिप का रोल माडल बताया, जहां औद्योगिक संगठनों और आइटीआइ के बीच समन्वय के कारण सफलता मिली है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सोनीपत माडल सभी जिलों के लिए उपयुक्त नहीं है, क्योंकि देश में लगभग 800 जिले हैं, जिनमें से केवल 100 औद्योगिक जिले हैं। यदि आइटीआइ में सर्विस सेक्टर से संबंधित कोर्स शुरू किए जाएं और उन क्षेत्रों में अप्रेंटिसशिप कराई जाए तो निश्चित रूप से योजना सफल हो सकती है।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

बंगाल में मतगणना में आयोग का रहेगा कड़ा पहरा, तैनात किए 242 अतिरिक्त पर्यवेक्षक

165 अतिरिक्त मतगणना और 77 पुलिस पर्यवेक्षक होंगे, पुलिस पर्यवेक्षक मतगणना कक्ष में नहीं करेंगे प्रवेश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

बंगाल में शांतिपूर्ण चुनाव कराने के बाद चुनाव आयोग अब मतगणना को भी शांतिपूर्ण, सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से कराने की तैयारियों में जुट गया है। आयोग ने इसी कड़ी में शनिवार को बंगाल में मतगणना के लिए 242 अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की तैनाती की है। इनमें 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षक और 77 पुलिस पर्यवेक्षक होंगे। इनकी तैनाती उन 165 विधानसभा क्षेत्रों के लिए की गई है, जिनमें एक से अधिक मतगणना कक्ष हैं। ये अतिरिक्त पर्यवेक्षक इन विधानसभा क्षेत्रों में पहले से तैनात पर्यवेक्षकों की मदद करेंगे।

आयोग ने अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की तैनाती का यह फैसला तब लिया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में मतगणना में लगाए गए केंद्रीय कर्मचारियों से जुड़ी तृणमूल की एक याचिका को यह करते हुए खारिज कर दिया था कि वह इसमें दखल नहीं दे सकता। आयोग ने पुलिस पर्यवेक्षकों के गणना कक्ष में प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगाई है। आयोग ने कहा कि वह मतगणना कक्ष के बाहर रहकर ही सुरक्षा से जुड़ी पूरी व्यवस्था देखेंगे। साथ ही मतगणना पर्यवेक्षकों और मतगणना प्रक्रिया में लगे अन्य निर्वाचन कर्मचारियों के साथ ही निकट समन्वय बनाकर काम करेंगे। आयोग ने अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की यह तैनाती संविधान के अनुच्छेद 324 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 20बी के तहत दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए की है। इन अधिकारियों को इस अवधि के दौरान आयोग में प्रतिनियुक्त पर माना जाएगा और वे सीधे आयोग के अधीक्षण एवं नियंत्रण में कार्य करेंगे।

शनिवार को कोलकाता स्थित स्ट्रांग रूम के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मी। एएनआइ

आयोग ने कहा है कि पर्यवेक्षक व रिटर्निंग अधिकारी के अतिरिक्त किसी भी व्यक्ति को मतगणना कक्ष के भीतर मोबाइल फोन लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी। आयोग ने प्रत्येक मतगणना टेबल पर एक माइक्रो पर्यवेक्षक की भी तैनाती दी है, जो कंट्रोल यूनिट के डिस्प्ले को स्वतंत्र रूप से नोट करेगा और क्रास वेरीफिकेशन के लिए प्रत्येक राउंड के अंत में इसे मतगणना पर्यवेक्षक को सौंप देगा। आयोग पहले ही बंगाल में 478 पर्यवेक्षकों को तैनात कर रखा है। इनमें से 94 सामान्य पर्यवेक्षक, 84 पुलिस व सौ आय-व्यय पर्यवेक्षक शामिल हैं।

मतगणना से पहले ममता ने पूर्व डीजीपी को बनाया गणना पर्यवेक्षक

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता: बंगाल में मतगणना से पहले तृणमूल कांग्रेस ने अपनी रणनीति को धार देते हुए राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक व वर्तमान में तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य राजीव कुमार को अहम जिम्मेदारी सौंपी है। राजीव कुमार को दमदम-बैरकपुर संगठनात्मक जिले का गणना पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। यह निर्णय शनिवार को पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया, जिसमें काउंटिंग एजेंटों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए।

मालूम हो कि 31 जनवरी को डीजीपी पद से सेवानिवृत्त होने के बाद राजीव कुमार को 27 फरवरी को तृणमूल ने राज्यसभा भेजने की घोषणा की थी। सात मार्च को उन्होंने राज्य सभा सदस्य के रूप में शपथ ली थी।

तृणमूल कांग्रेस की सत्ता हथियाने की कोशिश हुई नाकाम : भाजपा

नई दिल्ली, प्रेट्र : बंगाल में मतगणना के लिए केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भाजपा ने दावा किया कि सत्ता हथियाने की तृणमूल कांग्रेस की कोशिश पूरी तरह से नाकाम हो गई है।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने मतगणना के लिए केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती पर कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने से शनिवार को इन्कार कर दिया। बंगाल में मतगणना के लिए केंद्रीय कर्मियों की तैनाती संबंधी चुनाव आयोग के सर्कुलर के खिलाफ तृणमूल की याचिका हाई कोर्ट ने खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट के इस फैसले को तृणमूल ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि तृणमूल ने राज्य में विधानसभा चुनावों में अपनी आसन्न हार को भांपते हुए हताशा और निराशा के कारण सुप्रीम कोर्ट में कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी। सुधांशु ने कहा, सुप्रीम कोर्ट का निर्णय संवैधानिक रूप से उचित है, लेकिन तृणमूल द्वारा निराधार आरोपों को आधार बनाकर शीर्ष न्यायालय में याचिका दायर करने से पार्टी के इरादों पर गंभीर सवाल उठते हैं। यह तृणमूल की "बेचैनी और हताशा" का साक्ष्य है, क्योंकि तृणमूल बंगाल में लोगों का विश्वास पूरी तरह से खो चुकी है। जब किसी को शांतिपूर्ण मतदान से समस्या होती है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हिंसा, बल, धमकी और आतंक के माध्यम से सत्ता हथियाने के प्रयास ध्वस्त हो रहे हैं। सुधांशु ने दावा किया कि तृणमूल ने पिछले 10-12 वर्षों में "संवैधानिक साधनों का दुरुपयोग" करते हुए 80 से अधिक बार विभिन्न अदालतों का दरवाजा खटखटाया और हर बार उसे "अपमानजनक हार" का सामना करना पड़ा।

- बंगाल चुनावों के लिए मतगणना कर्मचारियों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बोला हमला
- मतगणना में केंद्रीय कर्मियों की तैनाती के खिलाफ तृणमूल की अपील शीर्ष अदालत ने किया है खारिज

सुधांशु त्रिवेदी। फाइल

मतगणना से पहले अपनी ही हताशा दर्शा रही तृणमूल : अजय आलोक

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा, तृणमूल कांग्रेस हर कदम पर खुद को बेनकाब कर रही है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला ममता बनर्जी के लिए एक और कानूनी झटका है।

तृणमूल ने बर्बाद किया जनता का पैसा : शमिक भट्टाचार्य

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता: मतगणना कर्मियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने तृणमूल पर करदाताओं का पैसा बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने वरिष्ठ वकील को फीस देकर अनावश्यक मुकदमा लड़ा। केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि तृणमूल चाहती थी कि मतगणना राज्य सरकार के कर्मचारियों से कराई जाए, जिससे प्रक्रिया प्रभावित हो सके। वहीं तृणमूल सांसद सौगत राय ने इसे बड़ा झटका मानने से इन्कार किया।

ममता ने कहा–वर्दी के पीछे छिपकर जुल्म करने वालों को कोर्ट तक घसीटूंगी

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- 'बाहरी' पुलिस पर्यवेक्षकों को दी चेतावनी, कहा– चार मई के बाद दूसरे राज्यों में भी नहीं मिलेगी पनाह

बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने चुनाव परिणामों से पहले कड़ा रुख अख्तियार करते हुए पुलिस प्रशासन और चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों को सीधी धमकी दी है। चार मई को होने वाली मतगणना से पहले शनिवार शाम पार्टी के राज्यभर के काउंटिंग एजेंटों व उम्मीदवारों के साथ आयोजित एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक में ममता ने कालीघाट थाने के निलंबित थानेदार का जिक्र करते हुए बेहद तल्ख टिप्पणी की। तृणमूल सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि निलंबित थानेदार ने महिलाओं और बच्चों के साथ मारपीट की थी। स्पष्ट किया कि वर्दी का दुरुपयोग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। वर्दी के पीछे छिपकर जुल्म करने वालों को कोर्ट तक घसीटूंगी।

एक थानेदार को हाल ही में एक विवादित तस्वीर इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट करने के बाद निलंबित किया गया है। तस्वीर में वे अपनी कुर्सी पर बैठकर एक अत्याधुनिक बंदूक के साथ पोज देते नजर आ रहे थे, जिसे तृणमूल ने आयोग को आपत्तिजनक बताया था। मुख्यमंत्री का गुस्सा केवल स्थानीय पुलिस तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा अन्य राज्यों से भेजे गए पुलिस पर्यवेक्षकों को भी कड़ी चेतावनी दी। कहा कि कुछ पर्यवेक्षक सोच रहे हैं कि चार मई के बाद वह उत्तर प्रदेश या अपने गृह राज्यों में वापस भाग जाएंगे और बच निकलेंगे, लेकिन ऐसा नहीं होगा। असंवैधानिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हम उनमें से हर एक को अदालत के कटघरे में खड़ा कराएंगे। उनका इशारा विशेष रूप से पुलिस पर्यवेक्षक अजय पाल शर्मा की ओर था, जिनके साथ हाल ही में टीएमसी का टकराव देखा गया था। बैठक की शुरुआत में ममता ने समझौता न करने वाली लड़ाई के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। केंद्रीय बलों पर चुनाव में भाजपा के लिए काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिन कार्यकर्ताओं ने अत्याचार सहा है, उन्हें पार्टी सम्मानित करेगी।

गणना के दिन ट्रांसफार्मर की निगरानी करेंगे तृणमूल कार्यकर्ता

ममता ने यह भी आशंका जताई कि 2021 में नंदीग्राम की तरह कथित रूप से लोडशेडिंग (विद्युत आपूर्ति बाधित) कर ईवीएम में हेरफेर की जा सकती है। कहा कि 10 सेकेंड का भी लोडशेडिंग कर भाजपा ईवीएम में हेराफेरी कर सकती है। इसके लिए उन्होंने ट्रांसफार्मर तक के पास तृणमूल कार्यकर्ताओं को तैनात रहने व निगरानी का निर्देश दिया।

बंगाल में 1,607 लोगों को आखिरी वक्त में मिला मतदान का मौका

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की प्रक्रिया के बाद विधानसभा चुनाव में कुल 6,82,92,431 लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने का मौका मिला। इनमें 1,607 ऐसे थे, जिन्हें पहले और दूसरे व अंतिम चरण का मतदान होने के दो दिन पहले तक पता भी नहीं था कि वे अपना वोट डाल पाएंगे या नहीं। ये वे लोग हैं, जिनके नाम अपील के मामलों के निपटारे के बाद अंतिम मतदाता सूची में शामिल हुए हैं। चुनाव आयोग की ओर से पहले व अंतिम चरण के मतदान से ठीक एक दिन पहले सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार अपीलीय न्यायाधिकरणों के माध्यम से निपटाए गए मामलों को लेकर पूरक सूची जारी की थी। पहली पूरक सूची से 139 लोगों के नाम अंतिम मतदाता सूची में चढ़े थे जबकि आठ नाम कट गए। दूसरी पूरक सूची से 1,468 लोगों के नाम अंतिम मतदाता सूची में जुड़े हैं जबकि छह लोगों के नाम कटे। मुताबिक 60 लाख विचाराधीन मामलों में से 27,16,393 को 'अपात्र' पाया गया है। इन मामलों में न्यायाधिकरण के समक्ष अपील को कहा गया है। जो आवेदन जमा पड़े हैं, उन मामलों पर सुनवाई चल रही है।

अत्याधुनिक हथियार का 'स्वैग' दिखाना पड़ा भारी, थाना प्रभारी निलंबित

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- इंटरनेट मीडिया पर हथियार के साथ तस्वीर पोस्ट करने पर हुई कार्रवाई
- तृणमूल की शिकायत के बाद चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया

कोलकाता पुलिस मुख्यालय ने एक बड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए कालीघाट थान प्रभारी गौतम दास को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वर्दी में कुर्सी पर बैठकर अत्याधुनिक स्वचालित हथियार के साथ अपनी तस्वीर इंटरनेट मीडिया पर साझा करना दास को महंगा पड़ गया। उनकी जगह अब चमेली मुखर्जी को कालीघाट थाने की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हाल ही में गौतम दास ने फेसबुक और वाट्सएप स्टेटस पर एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें वह पुलिस की वर्दी पहने अपनी आधिकारिक कुर्सी पर बैठे थे। उनके हाथ में एक अत्याधुनिक बंदूक थी। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा था-'नई जिम्मेदारी के लिए तैयार।' शुक्रवार रात तृणमूल ने इस तस्वीर को 'अत्यंत आपत्तिजनक' और 'धमकाने वाला' बताते हुए चुनाव आयोग और कोलकाता पुलिस कमिश्नर से इसकी शिकायत की थी। तृणमूल प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश मजूमदार ने कहा कि वर्दी में किसी पुलिस अधिकारी द्वारा इंटरनेट मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करना पुलिस के दिशानिर्देशों और भारत सरकार की इंटरनेट मीडिया पालिसी का खुला उल्लंघन है। सवाल उठाया कि क्या कालीघाट जैसे महत्वपूर्ण थाने के ओसी को ऐसा घातक हथियार आवंटित किया गया था या यह केवल 'शक्ति प्रदर्शन' के लिए था? तृणमूल के अनुसार, ऐसी तस्वीरें कानून-व्यवस्था के रक्षक की गरिमा के खिलाफ हैं।

इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित फोटो।

टीएमसी कार्यकर्ताओं की धमकियों के खिलाफ सड़क पर उतरे ग्रामीण

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- आरोप, भाजपा को वोट देने के कारण जान से मारने की धमकी दे रहे
- टीएमसी नेता समेत दो पर केस दर्ज, तीन पार्टी कार्यकर्ता गिरफ्तार

बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फलता के हाशिमनगर गांव में मतगणना के बाद सुरक्षा मुहैया कराने की मांग को लेकर शनिवार को सैकड़ों ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-17 को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा को वोट देने के कारण उन्हें तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की ओर से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। हाशिमनगर में बड़ी संख्या में महिलाएं हाथों में भाजपा के झंडे लेकर सड़क पर उतर आईं और आरोप लगाया कि स्थानीय पंचायत प्रधान तथा तृणमूल उम्मीदवार जहांगीर खान के करीबी इसराफिल चोकदार व उसके सहयोगियों ने परिणाम घोषित होने के बाद हमले व उनके घर जलाने की धमकी दी है। पुलिस ने इसराफिल व टीएमसी कार्यकर्ता सलाउद्दीन शेख के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है। इसके अलावा तीन टीएमसी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है।

स्थिति को देखते हुए सीआरपीएफ के उप-कमांडेंट बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों के साथ प्रदर्शनकारियों के पास पहुंचे और सुरक्षा का भरोसा दिया। भाजपा महिला मोर्चा से जुड़ी प्रदर्शनकारी फातिमा बीबी ने कहा कि 30 अप्रैल से इसराफिल और उसके लोग इलाके में आकर धमकी दे रहे हैं कि चार मई के बाद खून-खराबा होगा। हम सीआरपीएफ कर्मियों को यहां तैनात रखने की मांग करते हैं।

हाशिमनगर में टीएमसी कार्यकर्ताओं द्वारा उत्पीड़न के विरोध में शनिवार को सैकड़ों ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान टीएमसी के उम्मीदवार जहांगीर खान के खिलाफ नारे भी लगाए। एएनआइ

बंगाल में दो विधानसभा क्षेत्रों के 15 बूथों पर कड़ी सुरक्षा में हुआ पुनर्मतदान

- गड़बड़ी की शिकायतें मिलने के बाद आयोग ने नए सिरे से मतदान कराने का लिया था निर्णय

मगराहट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच वोट डालने के लिए कतार में खड़े मतदाता। प्रेट्र

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : बंगाल के डायमंड हार्बर व मगराहट पश्चिम विधानसभा क्षेत्रों के 15 बूथों पर शनिवार को कड़ी सुरक्षा में पुनर्मतदान हुआ। डायमंड हार्बर के चार और मगराहाट पश्चिम के 11 बूथों पर फिर से वोट पड़े। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार इन 15 बूथों पर कुल 90 प्रतिशत मतदान हुआ। इन बूथों पर गड़बड़ी की शिकायतें मिलने के बाद चुनाव आयोग ने वहां नए सिरे से मतदान कराने का निर्णय लिया था। सुबह मतदान शुरू होने के साथ ही इन बूथों के सामने लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। सुबह सात बजे से शाम छह तक मतदान का समय था, हालांकि उसके बाद भी कुछ बूथों पर लोगों की कतारें लगी हुई थीं। सभी बूथों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे।

सीईओ के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार शाम पांच बजे तक इन 15 बूथों पर कुल 86.90 प्रतिशत मतदान हुआ। मगराहाट पश्चिम में 86.11% व डायमंड हार्बर में 87.60% वोट पड़े। चूंकि मतदान जारी था, इसलिए वोट प्रतिशत बढ़ना स्वाभाविक है। इन बूथों पर गड़बड़ी की शिकायतें मिलने के बाद चुनाव आयोग ने वहां नए सिरे से मतदान कराने का निर्णय लिया था।

स्ट्रांग रूम में रखे पोस्टल बैलेट को लेकर हंगामा

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- तृणमूल ने खुदीराम अनुशीलन केंद्र में रखीं आठ मतपेटियों के सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में नहीं होने का लगाया आरोप

बंगाल में स्ट्रांग रूम में रखे पोस्टल बैलेट को लेकर जगह-जगह हंगामा जारी है। कोलकाता के खुदीराम अनुशीलन केंद्र में बनाए गए स्ट्रांग रूम में रखे पोस्टल बैलेट को लेकर तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि उनमें से आठ मतपेटियों को ऐसे कमरे में रखा गया है, जहां सीसीटीवी कैमरों की निगरानी नहीं हैं। उन्होंने इसे लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। केंद्रीय बल के जवानों ने स्थिति को नियंत्रित किया। इससे पहले तृणमूल ने आरोप लगाया था कि वहां के रिटर्निंग आफिसर ने नियमों का उल्लंघन करते हुए पोस्टल बैलेट की छंटाई की, हालांकि चुनाव आयोग ने इस आरोप को सिरे से खारिज करते हुए कहा था कि सभी प्रत्याशियों को पहले ही ईमेल के माध्यम से प्रक्रिया की जानकारी दे दी गई थी। शुक्रवार देर रात श्यामपुकुर से भाजपा प्रत्याशी पूर्णिमा चक्रवर्ती खुदीराम अनुशीलन केंद्र के बाहर पहुंची थीं। उन्हें देखकर तृणमूल कार्यकर्ताओं ने 'जय बांग्ला' का नारा लगाना शुरू कर दिया, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी।

शनिवार को उत्तर 24 परगना जिले के बारासात में स्ट्रांग रूम में सीसीटीवी कैमरे कुछ देर के लिए बंद होने का आरोप लगाकर तृणमूल के कार्यकर्ताओं ने विरोध-प्रदर्शन किया। दूसरी तरफ भाजपा ने बर्द्धमान में एक शख्स के स्ट्रांग रूम की छत पर चढ़ने का कथित वीडियो जारी किया है। दैनिक जागरण ने उक्त वीडियो की सत्यता की जांच नहीं की है। इससे पहले शुक्रवार रात मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी भवानीपुर के शेखावत मेमोरियल स्कूल में बनाए गए मतगणना केंद्र पर पहुंची थीं और वहां चार घंटे बैठी रही थीं। वहीं तृणमूल ने दो प्रत्याशियों कुणाल घोष व शशि पांजा ने खुदीराम अनुशीलन केंद्र के स्ट्रांग रूम में 'संदिग्ध गतिविधियों' का आरोप लगाकर वहां धरना दिया था।

'स्ट्रांग रूम को लेकर सख्त हैं चुनाव आयोग के नियम : चुनावों में 'स्ट्रांग रूम' को लेकर चुनाव आयोग के नियम बेहद सख्त हैं। स्ट्रांग रूम वह जगह है, जहां मतदान के बाद इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनें (ईवीएम) व वोटर वेरिएबल पेपर आडिट ट्रेल (वीवीपैट) यानी मतदाता सत्यापित कागज लेखा परीक्षा पर्ची लाकर रखी जाती हैं। स्ट्रांग रूम के चयन के निर्धारित मानदंड हैं। सिर्फ सरकारी भवन में ही स्ट्रांग रूम बनाया जा सकता है। इसके लिए स्कूल, कालेज, स्टेडियम व सरकारी कार्यालय जैसी जगह चुनी जाती हैं। बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए इस बार कुल 77 स्ट्रांग रूम बनाए गए हैं। जानकारों के अनुसार स्ट्रांग रूम में एक ही दरवाजा होता है। खिड़की-दरवाजे सील कर दिए जाते हैं। स्ट्रांग रूम के अंदर की सुरक्षा केंद्रीय बल करती है। बाहर का जिम्मा राज्य सशस्त्र पुलिस संभालती है।

मतगणना के दिन

मतदान के बाद अब मतगणना में भी एक इंच जमीन छोड़ने को तैयार नहीं है भाजपा, पार्टी ने गणना एजेंटों को अंतिम वोट की गिनती तक मतगणना केंद्र नहीं छोड़ने का दिया निर्देश

कंट्रोल रूम में रहेंगे भाजपा पर्यवेक्षक, शाह हर मिनट की लेंगे रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद अब मतगणना में भी भाजपा एक इंच जमीन छोड़ने को तैयार नहीं है। 2021 की गलतियों से सीख लेते हुए भाजपा ने मतगणना को लेकर व्यापक तैयारियां की है। चार मई को होने वाली मतगणना के दिन राज्य की जिम्मेदारी संभाल रहे पार्टी के सभी केंद्रीय नेता व पर्यवेक्षक कोलकाता में ही मौजूद रहेंगे और पहली बार साल्टलेक स्थित पार्टी कार्यालय के कंट्रोल रूम से हर पल की जानकारी सीधे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तक पहुंचाई जाएगी।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, राज्य की सभी 294 सीटों पर मतगणना की प्रगति, किस सीट पर पार्टी के उम्मीदवार आगे हैं और कुल कितनी सीटों पर बढ़त मिल रही है- इन सभी अपडेट्स को मिनट-टू-मिनट दिल्ली भेजा जाएगा।

इस दौरान बंगाल भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक सुनील बंसल व मंगल पांडेय और केंद्रीय मंत्री एवं बंगाल के चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव साल्टलेक स्थित कंट्रोल रूम में मौजूद रहेंगे और पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। मतगणना से पहले पार्टी स्तर पर कई चरणों में बैठकें की गई हैं।

प्रवासी नेताओं और सभी गणना एजेंटों के साथ भाजपा ने बैठक की: पार्टी के बंगाल चुनाव प्रभारियों ने शनिवार को कोलकाता में एक उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें वे प्रवासी नेता शामिल हुए जो अन्य राज्यों से आकर पिछले कई माह से बंगाल के अलग-अलग क्षेत्रों में चुनाव को लेकर रणनीति और कार्यों को गति दे रहे थे।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में पार्टी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि मतगणना केंद्रों के भीतर एजेंटों को सतर्क रहना होगा और काउंटिंग प्रक्रिया पूरी होने तक निगरानी जारी रखनी होगी। पिछले अनुभवों से सबक लेते हुए पार्टी ने गणना एजेंटों को अंतिम वोट की गिनती तक मतगणना केंद्र नहीं छोड़ने का साफ निर्देश दिया है। यह पहली बार है जब भाजपा ने मतगणना को लेकर इस स्तर पर तैयारी की है। दरअसल, 2021 में रुझान विपरीत दिखने पर भाजपा के कई एजेंट मतगणना केंद्र छोड़कर बीच में ही चले गए थे, जिससे पार्टी को जमीनी स्तर पर नुकसान उठाना पड़ा था। इस बार अंत तक मोर्चे पर डटे रहने पर भाजपा का मुख्य जोर है।

अमित शाह। फाइल

ममता भी सतर्क, पार्टी के सभी गणना एजेंटों के साथ की वर्चुअल बैठक

मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी और उनके सांसद भतीजे व पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी शनिवार शाम में पार्टी के राज्यभर के सभी गणना एजेंटों के साथ वर्चुअल बैठक की। सूत्रों के अनुसार, ममता ने गणना एजेंटों को उनके कर्तव्यों के बारे में बताया ताकि चार मई को मतगणना प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की न हो। ममता ने भी अपने गणना एजेंटों को अंतिम समय तक मतगणना केंद्र नहीं छोड़ने का स्पष्ट निर्देश दिया।

फलता विधानसभा क्षेत्र में मतदान रद, 21 मई को होगा पुनर्मतदान

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के दौरान दक्षिण 24 परगना जिले के फलता विधानसभा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चुनावी अनियमितताओं और धांधली की पुष्टि होने के बाद भारत निर्वाचन आयोग ने कड़ा कदम उठाया है। आयोग ने 29 अप्रैल को हुए मतदान को पूरी तरह से रद घोषित करते हुए पूरे विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर 21 मई को फिर से मतदान कराने का आदेश दिया है। यहां मतगणना 24 मई को होगी। चुनाव प्रक्रिया पूरी करने की अंतिम तिथि को भी बढ़ाकर अब 25 मई कर दिया गया है।

शनिवार को जारी निर्वाचन आयोग के आदेश के अनुसार, मतदान के दिन कई मीडिया रिपोर्ट्स और राजनीतिक दलों से शिकायतें मिली थीं कि ईवीएम की बैलेट यूनिट पर एक विशेष राजनीतिक दल के बटन के सामने काला टेप लगा दिया गया था। यह भी पाया गया कि बटन पर इत्र और स्याही का उपयोग किया गया था ताकि यह पहचाना जा सके कि मतदाता ने किसे वोट दिया है।

विशेष पर्यवेक्षक और जिला निर्वाचन अधिकारी की विस्तृत रिपोर्ट में पता चला कि निर्वाचन क्षेत्र के 60 मतदान केंद्रों में गंभीर प्रक्रियात्मक उल्लंघन हुए। जांच के दौरान कई मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग फुटेज या तो गायब मिली या जानबूझकर हटाई गई थी। कुछ स्थानों पर फुटेज में बाहरी व्यक्तियों और मतदान अधिकारियों को बार-बार वोटिंग कंपार्टमेंट में प्रवेश करते और मतदाताओं को प्रभावित करते देखा गया। रिटर्निंग आफिसर और जनरल आब्जर्वर पर भी जांच को सतही तरीके से करने का आरोप लगा है।

4 किलो हेरोइन के साथ एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, जालंधर रेंज ने एक तस्कर को पकड़ा है। प्राथमिक पूछताछ में पता चला है कि आरोपित 12वीं कक्षा का छात्र है। आरोपित ने बताया कि पैसे के लालच में वह नशा तस्करी करने लगा।

आप छोड़ने वाले संदीप पाठक पर दो केस दर्ज, भाजपा ने बताया प्रतिशोध की राजनीति

आम आदमी पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल हुए सात राज्यसभा सदस्यों में से एक हैं पाठक

पंजाब पुलिस की ओर से केस दर्ज करने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई

रोहित कुमार • जागरण

चंडीगढ़ : आप छोड़ भाजपा में शामिल हुए सात राज्यसभा सदस्यों में से एक डा. संदीप पाठक के खिलाफ पंजाब में दो गैर जमानती केस दर्ज किए गए हैं। सूत्र बताते हैं कि एक मामला कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा है, जबकि दूसरा महिला शोषण से संबंधित। हालांकि, पंजाब पुलिस की ओर से केस दर्ज करने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस मामले में भाजपा ने आरोप लगाया है कि पंजाब सरकार पुलिस का दुरुपयोग कर रही। भाजपा और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) का कहना है कि पाठक के खिलाफ प्रतिशोध की राजनीति के तहत केस दर्ज किया गया है। इसी बीच पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा है कि अगर यह कार्रवाई नियमों के अनुसार है तो ठीक है। अगर नहीं, तो हम एक टीम बनाकर इसकी जांच कराएंगे।

संदीप पाठक। फाइल

दिल्ली पुलिस का दावा- आई थी पंजाब पुलिस

दिल्ली पुलिस ने दावा किया है कि शनिवार सुबह पंजाब पुलिस की एक टीम पंडारा रोड स्थित संदीप पाठक के आवास पर पहुंची थी। हालांकि, दिल्ली पुलिस के पहुंचने पर कुछ देर रुकने के बाद पंजाब पुलिस लौट गई।

शनिवार को इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ है, जिसमें पाठक अपने घर के पीछे के दरवाजे से कार में बैठ कर जाते दिखाई दे रहे हैं। उनसे कुछ पत्रकार सवाल करना भी चाहते हैं, लेकिन वह कार में ही हाथ जोड़कर चले जाते हैं। जालंधर नंबर की यह कार लवली इंटरनेशनल ट्रस्ट के नाम पर रजिस्टर्ड है। यह ट्रस्ट लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) का संचालन करता है, जिसके चांसलर राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल हैं। जिन सात राज्यसभा सदस्यों ने आप छोड़ी उसमें राघव चड्डा के साथ मित्तल भी शामिल थे। केस दर्ज किए जाने के मामले में संदीप पाठक ने बाद में साफ किया कि उन्हें किसी भी एफआइआर की जानकारी नहीं है।

भाजपा ने कहा-पंजाब पुलिस का दुरुपयोग किया जा रहा

इस मामले में भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पंजाब की कानून-व्यवस्था सुधारने की जगह, वहां की पुलिस का दुरुपयोग किया जा रहा है। कानून-व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब है कि वहां की पुलिस ड्रग्स तस्करों को नहीं पकड़ पाती है। पवित्र हरमंदिर साहिब जी के गेट के ऊपर भी गोली चल जाती है। पुलिस अधिकारियों के कार्यालय पर हमला हो जाता है। अपराधियों पर नियंत्रण करने की जगह वहां की पुलिस ने संदीप पाठक के दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर धावा बोला है। शुक्रवार को ही पंजाब विधानसभा में विपक्ष द्वारा वहां के मुख्यमंत्री भगवंत मान के ऊपर नशे में होने का गंभीर आरोप लगा है। तथाकथित नई राजनीति के अलंबरदार केजरीवाल को इस बारे में जनता को बताना चाहिए। उनसे कहना चाहूंगा कि 'कागज का है लिबास चिरागों का शहर है, चलना संभल के क्योंकि तुम नशे में-।' भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ ने पत्रकारवार्ता कर कहा कि वे जल्द ही इस मुद्दे को राज्यपाल के समक्ष उठाएंगे। शिअद नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने एक्स पर लिखा- एफआइआर दर्ज होना 'प्रतिशोध की राजनीति' की ओर इशारा करता है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि अरविंद केजरीवाल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों से बदला लेने के लिए भाजपा की तरह सत्ता का दुरुपयोग कर रहे हैं। यही कारण है कि सांसद संदीप पाठक को गिरफ्तार करने के लिए पंजाब पुलिस को दिल्ली भेजा गया।

तुर्किये में एक छोटी गलती के कारण हुई सलीम डोला की गिरफ्तारी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के करीबी और कुख्यात ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम डोला तुर्किये में छद्म नाम से अंडरग्राउंड होकर रह रहा था, लेकिन कूरियर मंगवाने की उसकी एक छोटी सी गलती के कारण उसकी गिरफ्तारी हुई। डोला को भारत के अनुरोध पर 2024 में जारी इंटरपोल रेड नोटिस के आधार पर तुर्किये में गिरफ्तार किया गया था। उसे हाल ही में तुर्किये से भारत प्रत्यर्पित किया गया है।

डोला भारत में कई नशीले पदार्थों की तस्करी के मामलों में वांछित और फरार था। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के डर से सलीम डोला भारत से भागकर इस्तांबुल चला गया था और भूमिगत हो गया। डेढ़ साल तक वह अपने कमरे से बाहर नहीं निकला और उसने किसी से भी सीधे तौर पर संवाद नहीं किया। कई वर्षों से भारतीय सुरक्षा एजेंसियां डोला का पता लगाने में लगी थीं। उसे ढूंढना भूसे के ढेर में सुई ढूंढने जैसा था, लेकिन जब डोला ने एक छोटी सी गलती की तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया। दरअसल कुछ दिन पहले, उसने अपने छिपने के स्थान पर कूरियर से सामान मंगवाया। इसी लेन-देन के जरिये भारतीय एजेंसियों ने इंटरपोल की मदद से, डोला के ठिकाने का पता लगाया। इसके बाद भारतीय अधिकारियों ने इस्तांबुल पुलिस को सूचित किया, जिन्होंने उस स्थान पर छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

छत्तीसगढ़ में बारूद नष्ट करने के दौरान विस्फोट, चार जवान बलिदान

नईदुनिया न्यूज, कांकेर

छत्तीसगढ़ में कांकेर-नारायणपुर सीमा पर शनिवार को माओवादियों द्वारा छिपाए गए विस्फोटक डंप को निष्क्रिय करने के दौरान हुए धमाके में सुरक्षा बल के चार जवान बलिदान हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बारूद को नष्ट करने के दौरान गनपाउडर में केमिकल रिएक्शन के कारण विस्फोट हो गया। गत 31 मार्च को प्रदेश को माओवादमुक्त घोषित किए जाने के बाद माओवादी गतिविधि से जुड़ी यह पहली घटना है, जिसमें सुरक्षा बल के जवान बलिदान हुए हैं।

अधिकारियों और अभियान में शामिल जवानों के अनुसार, सर्च आपरेशन के दौरान पहले एक डंप से कंप्यूटर, मानिटर और प्रिंटर जैसी सामग्री बरामद हुई। इसके बाद एक अन्य डंप में माओवादियों द्वारा छिपाए गए विस्फोटक मिले। इस दूसरे डंप से 15-15 किलो के पांच बोरे पटाखा पाउडर (गनपाउडर-पोटेशियम नाइट्रेट और बेरियम नाइट्रेट मिश्रण) बरामद किए गए। बम निरोधक दस्ते की मदद से टीम इन्हें सुरक्षित तरीके से बाहर निकालकर नष्ट करने की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान अधिक तापमान और रासायनिक क्रिया के कारण विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि मौके पर ही तीन जवान बलिदान हो गए। इनमें बीजापुर जिले के ग्राम चिहका निवासी निरीक्षक सुखराम वट्टी (40), कांकेर जिले के लोहत्तर निवासी आरक्षक कृष्णा कुमार कोमरा (35) और कांकेर जिले के ग्राम हाराडुला निवासी आरक्षक संजय गड़पाले (29) शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल ग्राम बरेठिनबाहरा निवासी आरक्षक परमानंद कोर्राम (29) को हेलीकाप्टर से रायपुर भेजा गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई।

सुरक्षाकर्मियों ने सैकड़ों आइईडी नष्ट किए हैं। आत्मसमर्पित माओवादी कैडर छिपाए गए आइईडी की जानकारी दे रहे हैं। सुरक्षा बल लगातार उन्हें निष्क्रिय करने में लगे हुए हैं। इस वर्ष अब तक 300 से अधिक आइईडी, 50-60 डंप, जिनमें भारी मात्रा में विस्फोटक, हथियार और 15 करोड़ रुपये से अधिक नकदी, करोड़ों रुपये के सोने के बिस्किट बरामद किए गए हैं। प्रतिदिन किसी न किसी जिले से यह डंप बरामद हो रहे हैं।

कांकेर-नारायणपुर सीमा पर माओवादियों ने डंप कर रखा था 75 किलो बारूद

संजय गढ़पाले

कृष्ण कोमरा

सुखराम वट्टी

ईडी की नई रणनीति : गिरफ्तारियों में गिरावट, पर अपराधियों की टूटी कमर

नई दिल्ली, प्रेट्र : ईडी की वित्त वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट एक बड़े बदलाव की कहानी बयां करती है। इस साल के आंकड़े स्पष्ट कर रहे हैं कि जांच एजेंसी ने अपनी कार्यप्रणाली में एक ऐसा बदलाव किया है, जहां संख्या से अधिक 'असर' पर जोर है। जहां एक ओर मनी लांड्रिंग के मामलों में गिरफ्तारियों का सिलसिला लगभग 27 फीसदी कम हुआ है, वहीं दूसरी ओर एजेंसी ने अपने छापों और संपत्ति कुर्क करने के मामलों में अब तक का सबसे बड़ा रिकार्ड बनाया है। इस अवधि के दौरान कुर्क की गई संपत्तियों का मूल्य 81 हजार करोड़ रुपये से अधिक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह इस बात का संकेत है कि अब जांच 'लक्षित' और पक्के 'साक्ष्यों' पर केंद्रित है।

गिरफ्तारियों में कटौती, जांच में सटीकता: एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 156 लोगों की गिरफ्तारी हुई, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 214 थी। इसके विपरीत, छापेमारी का आंकड़ा पिछले वर्ष के 1,491 से दोगुना होकर 2,892 पहुंच गया है। ईडी का तर्क है कि अब उनकी जांच अधिक 'लक्षित' और 'साक्ष्य-आधारित' है। वे केवल भौतिक छापों पर निर्भर नहीं हैं; बल्कि क्रिप्टोकरेंसी, ब्लाक-चेन एनालिटिक्स और रियल-टाइम डाटा ट्राइएंगुलेशन के जरिये अपराधियों के डिजिटल फुटप्रिंट्स को खंगाल रहे हैं।

इस रिपोर्ट का सबसे मानवीय पहलू वह है जो ठगे गए पीड़ितों के चेहरों पर राहत की मुस्कान लाता है। ईडी ने इस साल 81,422 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है, जो अब तक का ऐतिहासिक स्तर है। लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है 'रेस्टीट्यूशन' (संपत्ति की बहाली), यानी पीड़ितों को उनका डूबा हुआ धन वापस लौटाना।

एजेंसी ने अपने 15 हजार करोड़ रुपये के लक्ष्य को कहीं पीछे छोड़ते हुए, 32,678 करोड़ रुपये की संपत्ति पीड़ितों (निवेशकों, घर खरीदारों और बैंकों) को वापस दिलाई है।

वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार - वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अब तक की सबसे अधिक छापेमारी और कुर्की

पीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट में निवेश के नाम पर देशभर में 2600 करोड़ रुपये की ठगी

बलवान शर्मा • जागरण

नारनौल: अहमदाबाद से 80 किलोमीटर दूर भावनगर के धोलेरा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी में निवेश का सब्जबाग दिखाकर देशभर में 2600 करोड़ रुपये की ठगी हुई है। यह पर्दाफाश पुलिस जांच में हुआ है। निवेश के नाम पर हुई ठगी में अकेले हरियाणा का हिस्सा 800 करोड़ रुपये है। प्रोजेक्ट में 50 हजार रुपये निवेश करने पर प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को 1353 रुपये और 60 सप्ताह में 81,180 रुपये कमाने का प्रलोभन दिया गया था। इस प्रोजेक्ट में देश के प्रमुख उद्योगपति मुकेश अंबानी का बड़ा निवेश होने और प्रधानमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट होने के चलते लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया और जमकर निवेश किया। इस मामले में तीन वर्ष पूर्व हरियाणा में नारनौल जिले के कनीना सदर पुलिस थाने में एफआइआर दर्ज हुई थी।

बीकानेर की नैक्सा एवरग्रीन प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी के कथित संचालकों ने इस प्रोजेक्ट को सरकारी बताकर निवेशकों का भरोसा जीत लिया और बड़ी धनराशि की चपत लगाने में कामयाब हो गए। पुलिस ने 10 मार्च, 2023 में एफआइआर दर्जकर जांच शुरू की तो पता चला कि इस तरह का कोई सरकारी प्रोजेक्ट था ही नहीं। पुलिस ने जांच पूरी कर ली है और इस संबंध में एक चालान जिला न्यायालय में प्रस्तुत किया है। इस मामले में दो आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जिनमें से एक को जमानत भी मिल चुकी है।

मामले में अजीत सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी। नैक्सा एवरग्रीन प्राइवेट लिमिटेड के एमडी रणबीर बिजनोरिया, सीएमडी सुभाष बिजनोरिया, आइटी एक्सपर्ट सुधीश मील सहित कुल नौ आरोपित प्रधानमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट बताते हुए रुपये निवेश करवाने के लिए प्रेरित करते थे।

50 हजार रुपये निवेश करने पर प्रत्येक सप्ताह 1353 रुपये दिए जाने का दिया जाता था प्रलोभन

60 सप्ताह में 81,180 का दिया जाता था लालच, हरियाणा से 800 करोड़ की ठगी की आशंका

प्रतीकात्मक

मैंने कुछ समय पहले ही कार्यभार संभाला है। यह मामला पहले का है और चालान पूर्व में यहां डीएसपी रहे दिनेश के समय पेश किया गया है। इसलिए इस मामले का पूरा ब्योरा जानकारी में नहीं है।
-डा. कविता, डीएसपी, कनीना, नारनौल

रुपये लेने की शिकायत के बाद एसडीओ ने मीटर रीडर को बनाया मुर्गा

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद

उपभोक्ता का बिल जमा करने के नाम पर 25 हजार रुपये ले लिए। दस दिन बाद भी बिल जमा न हुआ तो उपभोक्ता ने आरोपित मीटर रीडर को पकड़ लिया और एसडीओ के पास ले गया। शिकायत सुनने के बाद एसडीओ ने मीटर रीडर को मुर्गा बनने की 'सजा' सुना दी। वह करीब दस मिनट तक मुर्गा बना रहा। शनिवार को मामले का वीडियो प्रसारित हुआ तो बिजली विभाग के अधिकारियों ने मीटर रीडर की सेवा समाप्त कर दी। वीडियो प्रसारित होने के बाद से एसडीओ ने मोबाइल फोन बंद कर लिया है।

मीटर रीडर मतलूब उर्फ रानू पर दलपतपुर उपकेंद्र से जुड़े गांवों में मीटर से बिजली बिल निकालने की जिम्मेदारी थी। दस दिन पहले मीटर रीडर गांव रसूल नगला गांव पहुंचा। यहां के एक उपभोक्ता पर 25 हजार रुपये बिल बकाया था। उपभोक्ता ने मीटर रीडर को बकाया बिजली बिल के रुपये दे दिए, लेकिन उसने जमा नहीं किया। बिल जमा नहीं हुआ तो उपभोक्ता ने मीटर रीडर की तलाश शुरू कर दी। शुक्रवार को मीटर रीडर मिल गया। वह उसे पकड़कर दलपतपुर एसडीओ आरएल राठौर के पास लेकर पहुंचे। संविदाकर्मी की मुर्गा बने हुए वीडियो प्रसारित होने के बाद बिजली विभाग के अधिकारियों ने उसकी सेवा समाप्त कर दी, लेकिन उसे मुर्गा बनाने वाले एसडीओ के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

10 दिन पहले बिल जमा करने के नाम पर ली थी रकम

मुरादाबाद : मूंढापांडे के दलपतपुर में एसडीओ ने मीटर रीडर को मुर्गा बनाया। वीडियो ग्रैब

निशांत की आज से सद्भाव यात्रा, पश्चिमी चंपारण से होगी शुरुआत

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार की सद्भाव यात्रा रविवार से पश्चिम चंपारण से आरंभ होगी। यह पहला मौका है, जब जदयू की सक्रिय सदस्यता हासिल करने के बाद निशांत यात्रा पर निकल रहे। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार सहित पार्टी के स्थानीय सांसद, विधायक व विधान परिषद सहित जिला व पंचायत स्तर के पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बताया कि यह यात्रा बिहार की राजनीति में एक नए युग का आरंभ करेगी। यात्रा के दौरान पंचायत स्तर तक के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद होना है। इससे संगठन को भी मजबूती मिलेगी। नीतीश ने विगत दो दशकों में बिहार में जिन योजनाओं पर काम किया, निशांत उसकी चर्चा भी लोगों के बीच करेंगे। जदयू नेता नीरज कुमार ने कहा कि इस यात्रा से बिहार का भविष्य विकास, सद्भाव और सामाजिक न्याय के रास्ते पर आगे बढ़ेगा।

नशे के विवाद को लेकर मान पर प्रमोद तिवारी का तीखा प्रहार

नई दिल्ली, एएनआइ : पंजाब विधानसभा की कार्यवाही के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान पर कथित तौर पर नशे की हालत में होने के आरोपों ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने शनिवार को इस मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं न केवल लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं, बल्कि सभी नेताओं की छवि भी धूमिल करती हैं।

प्रमोद तिवारी ने मान के पुराने आचरण पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन पर इस तरह के आरोप पहले भी लगते रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री की विदेश यात्रा के दौरान विमान से उतारे जाने की घटना का जिक्र करते हुए इसे शर्मनाक बताया। तिवारी ने यह भी आरोप लगाया कि मान ने संसद की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया था, जिससे उनकी अपनी पार्टी और पूरे सदन को शर्मिंदा होना पड़ा था। उन्होंने मुख्यमंत्री से सदन की मर्यादा बनाए रखने की अपील की। विधानसभा में इस मुद्दे को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने मुख्यमंत्री पर 'नशे में धुत्त' होने का आरोप लगाते हुए उनके तत्काल डोप टेस्ट की मांग की। बाजवा ने सवाल उठाया कि जब राज्य का मुखिया ही ऐसी स्थिति में हो, तो सत्र आयोजित करने का क्या अर्थ है। वहीं, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि विपक्ष के पास उठाने के लिए कोई वास्तविक मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वे इस तरह की मनगढ़ंत बातें कर रहे हैं।

- कहा - 'ऐसी घटनाओं से लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुंचती है, नेताओं की छवि धूमिल होती है'
- पुराने विवादों का दिया हवाला; विधानसभा में हुआ भारी हंगामा, मुख्यमंत्री के डोप टेस्ट की मांग

प्रमोद तिवारी। फाइल

गौदर हत्याकांड में दोषी पाए गए विधायक विनय कुलकर्णी अयोग्य घोषित

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक विधानसभा ने शनिवार को भाजपा नेता योगेशगौड़ा गौदर की हत्या के मामले में दोषी पाए जाने के बाद कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को अयोग्य घोषित कर दिया है। वह इस मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। इसके साथ ही कर्नाटक विधानसभा में एक सीट रिक्त हो गई है।

15 अप्रैल को न्यायाधीश संतोष गजानन भट ने कुलकर्णी और अन्य को आपराधिक साजिश और हत्या सहित आइपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया था।

इसके बाद, 17 अप्रैल को अदालत ने कुलकर्णी और इस मामले में दोषी ठहराए गए 15 अन्य लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। यह मामला 15 जून 2016 को धारवाड़ में भाजपा जिला पंचायत सदस्य गौदार की हत्या से संबंधित है। उस समय कुलकर्णी मंत्री थे। भाड़े के हमलावरों ने धारवाड़ के सप्तपुर स्थित जिम में गौदार पर हमला किया और उनकी बेरहमी से हत्या कर दी थी।

'सिर्फ मुस्लिमों के लिए आवसीय योजना अन्य धर्म के लोगों के साथ भेदभाव'

बेंगलुरु, एएनआइ : कर्नाटक सरकार की 600 करोड़ रुपये की उस योजना पर सियासत तेज हो गई है, जिसमें मुस्लिम बहुल कालोनियों के विकास का प्रस्ताव है। भाजपा के बेंगलुरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या ने इस फैसले को सीधे-सीधे धार्मिक बंटवारे को संस्थागत रूप देने वाला कदम बताया है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किस संवैधानिक प्रविधान के तहत सार्वजनिक धन को धर्म के आधार पर तय इलाकों में खर्च किया जा सकता है। सूर्या ने कहा कि व्यक्ति का धर्म हो सकता है, लेकिन सड़क, नाली, मोहल्ले या कालोनियों का कोई धर्म नहीं होता। ऐसे में सरकार किस आधार पर भौगोलिक क्षेत्रों को अल्पसंख्यक कालोनियों का नाम देकर वहां अलग से बजट आवंटित कर रही है?

समानता की भावना पर चोट का आरोप : सूर्या ने इस योजना की संवैधानिक वैधता पर भी सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि यह फैसला संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 की भावना के खिलाफ जा सकता है, जो कानून के समक्ष समानता और धर्म के आधार पर भेदभाव को रोकते हैं।

उन्होंने तर्क दिया कि अगर सरकार का असली उद्देश्य पिछड़े इलाकों का विकास है, तो फिर उसी ढांचे में गरीब हिंदू, दलित, एससी-एसटी और ओबीसी बहुल क्षेत्रों को क्यों शामिल नहीं किया गया? क्या विकास का पैमाना अब सामाजिक-आर्थिक स्थिति नहीं, बल्कि धर्म बन गया है? दरअसल, कर्नाटक कैबिनेट ने 2026 से 2028 तक के लिए 600 करोड़ रुपये का एक एक्शन प्लान मंजूर किया है, जिसके तहत 11 शहर निगमों के अंतर्गत आने वाले कई क्षेत्रों खासतौर पर अल्पसंख्यक बहुल कालोनियों का विकास किया जाएगा। यह योजना मुख्यमंत्री के विशेष विकास पैकेज के तहत लाई गई है।

तेजस्वी सूर्या

सिर्फ अल्पसंख्यक कालोनियों के लिए बजट पर सवाल

कर्नाटक की श्रृंगेरी सीट पर मतगणना समाप्त, कांग्रेस विधायक फिर विजेता घोषित

चिक्कमगलुरु, आइएएनएस : एक चर्चित घटनाक्रम में कांग्रेस विधायक टी.डी. राजेगौड़ा शनिवार को कर्नाटक के श्रृंगेरी विधानसभा क्षेत्र में डाक मतपत्रों की पुनर्गणना में विजयी हुए। हाई कोर्ट ने डाक मतपत्रों की पुनर्गणना का आदेश दिया था। प्रक्रिया पूरी होने के बाद राजेगौड़ा ने एक बार फिर जीत हासिल की है।

राजेगौड़ा ने कहा कि हाई कोर्ट ने डाक मतपत्रों की पुनर्गणना का आदेश दिया था। उन्होंने कहा, "मैं सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकता था, लेकिन ऐसा नहीं किया, क्योंकि सच्चाई सामने लाना चाहता था। आज मैंने फिर से जीत हासिल की है और मेरे समर्थकों के पास जश्न मनाने का कारण है। मुझ पर लगातार आरोप लगाए गए, लेकिन सच्चाई की जीत हुई।"

उन्होंने कहा, मैं 2023 में जीत की घोषणा होने के बाद ही घटनास्थल पर पहुंचा। मतगणना के दौरान मैं वहां मौजूद नहीं था। उन्होंने झूठे आरोप लगाए और मेरी अयोग्यता और दोबारा गिनती की मांग की।

प्रयास तेज

नशा-आतंक गठजोड़ पर चिंता, जागरूकता बढ़ाने के लिए तीन-स्तरीय रणनीति अपनाई जा रही, जम्मू-कश्मीर में नशे के खिलाफ जनआंदोलन का आह्वान, युवाओं में बढ़ती लत चिंताजनक; सप्लाई चेन तोड़ी जाएगी

नशा तस्करों पर आतंकियों के सहयोगियों जैसी होगी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, जागरण • श्रीनगर

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में मादक पदार्थों की तस्करी का आतंकवाद से "सीधा संबंध" है। प्रशासन नशे के नेटवर्क को तोड़ने और युवाओं में बढ़ती लत पर काबू पाने के लिए प्रयास तेज कर रहा है। नशा तस्करों और इसमें लिप्त तत्वों के साथ भी वही सुलूक होगा जो आतंकियों के सहयोगियों से होता है।

लोक भवन में शनिवार को पत्रकारों से उपराज्पाल ने कहा कि 2021 से 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत लगातार प्रयास के बावजूद युवा लड़कों व लड़कियों में नशे की समस्या गंभीर चिंता बनी हुई है। हमें कुछ सफलता मिली है, लेकिन उतनी नहीं जितनी उम्मीद थी। इसलिए अब जम्मू कश्मीर में 100 दिवसीय अभियान चलाया जा रहा है।

प्रशासन ने तीन-स्तरीय रणनीति अपनाई है, जिसमें सप्लाई चेन पर प्रहार, जमीनी स्तर पर जागरूकता का विस्तार और नशे के शिकार लोगों के इलाज व पुनर्वास को सुनिश्चित करना शामिल है। सिन्हा ने कहा कि मादक पदार्थों से होने वाली कमाई अक्सर आतंकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल होती है। 100 दिवसीय अभियान में बड़े पैमाने पर जनभागीदारी देखी गई है, जिसमें युवा, महिलाएं, धार्मिक नेता, नागरिक समाज के सदस्य और राजनीतिक समूह शामिल हुए हैं।

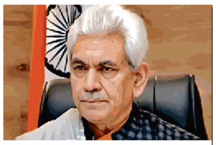
मनोज सिन्हा। फाइल

आपरेशन सिंदूर का बदला लेने को पाकिस्तान कर रहा आतंकी हमले की साजिश

राज्य ब्यूरो, जागरण • श्रीनगर

पाकिस्तान सेना और उसकी खुफिया एजेंसी जम्मू-कश्मीर में आपरेशन सिंदूर का बदला लेने के लिए बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने का षड्यंत्र रच रही है। सात मई को आपरेशन सिंदूर का एक वर्ष पूरा होने पर भारत में ब्रह्मोस डे मनाया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान के गुजरांवाला में स्थित लश्कर-ए-तैयबा के मरकज ए अक्सा में बैठक हुई है। इसमें लश्कर के अलावा कुछ अन्य आतंकी संगठनों के कमांडरों के साथ पाकिस्तानी सेना और आइएसआइ के अधिकारी भी मौजूद रहे।

बैठक जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकी कैडर पर बड़ी वारदात के लिए दबाव बनाने के साथ नए आतंकियों की भर्ती और कश्मीर में आतंकी एजेंडे के खिलाफ मुखर आवाजों को निशाना बनाने और घुसपैठ में तेजी लाने पर केंद्रित रही है। सूत्रों के अनुसार, बैठक में हिजबुल मुजाहिदीन, अल-बदर और मुस्लिम जांबाज फोर्स और हिजबुला के कश्मीरी मूल के आतंकी कमांडर भी थे। इस बीच, जम्मू-कश्मीर में आतंकरोधी अभियानों में शामिल वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आतंकी संगठन हों या पाकिस्तानी सेना व उसकी खुफिया एजेंसी, वह किसी दिन विशेष का इंतजार नहीं करते, वह जम्मू-कश्मीर में हालात बिगाड़ने के लिए अपनी विध्वंसकारी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए लगातार षड्यंत्र रचते रहते हैं।

तंबाकू मुक्त भारत का आह्वान, '2009 के बाद जन्मे युवाओं पर लगे सिगरेट प्रतिबंध'

चेन्नई, प्रेट्र : पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और पीएमके (पाट्टाली मक्कल काची) नेता डा. अंबुमणि रामदास ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक भावुक पत्र लिखकर देश के भविष्य को तंबाकू के चंगुल से बचाने के लिए एक साहसी कदम उठाने की अपील की है। मांग की है कि एक जनवरी, 2009 या उसके बाद पैदा हुए व्यक्तियों के लिए सिगरेट की बिक्री और सेवन पर पूर्ण कानूनी प्रतिबंध लगाया जाए, ताकि भारत में एक 'धूम्रपान मुक्त पीढ़ी' का निर्माण हो सके।

पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. रामदास ने पत्र में गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत वर्तमान में एक भीषण सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है।

उन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य अनुमानों का हवाला देते हुए बताया कि लगभग 26.7 करोड़ भारतीय तंबाकू का सेवन करते हैं। तंबाकू के कारण हर साल प्रत्यक्ष रूप से 13.5 लाख लोगों की जान जाती है, जबकि 'सेकंड-हैंड स्मोक' के कारण होने वाली मौतों का आंकड़ा 23 लाख तक पहुंच जाता है।

डा. रामदास ने चेतावनी दी है कि भारत में 40 से 50 प्रतिशत कैंसर के मामलों के लिए तंबाकू जिम्मेदार है। उन्होंने कहा, "इस संदर्भ में, मैं केंद्र सरकार से आग्रह करता हूं कि वह ब्रिटेन के समान एक परिवर्तनकारी कानून बनाने पर विचार करे, जो किसी निर्दिष्ट वर्ष (जैसे 2009) को या उसके बाद जन्मे व्यक्तियों के लिए तंबाकू उत्पादों की बिक्री और सेवन पर स्थायी रूप से प्रतिबंध लगाता हो।

पीएमके नेता अंबुमणि रामदास ने विधायी उपाय करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

23 अवैध बंकरों को ध्वस्त कर दिया मणिपुर में हिंसा के बीच सुरक्षा बलों ने बड़ा अभियान चलाते हुए। एक अन्य जिले में 18 आइईडी बरामद कर नष्ट किए गए।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार, 3 मई, 2026

जबलपुर में बरगी क्रूज हादसा : बवंडर में 30 सेकेंड में ही पानी में समा गया क्रूज

हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में अचानक आए बवंडर को बताया दुर्घटना का कारण

क्रूज के मजबूत होने के दावों के बावजूद तेज हवा और लहरों की मार नहीं झेल पाया

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • भोपाल

जबलपुर के बरगी बांध में डूबे हुए क्रूज को इस तरह किनारे पर लाया गया। नईदुनिया

अचानक आए बवंडर से मात्र 30 सेकेंड में ही क्रूज जबलपुर के बरगी बांध के जलाशय में समा गया। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में हादसे का यह कारण सामने आया है। रिपोर्ट में क्रूज को संचालन के लिए फिट बताया गया है। हालांकि, इसके साथ ही यह सवाल बना हुआ है कि जब मौसम अनुकूल नहीं था तो क्रूज क्यों चलाया गया। क्रूज का डूबना हैरत का विषय बना हुआ है, क्योंकि दो साल पहले ही इसका रखरखाव कराने का दावा किया जा रहा है। हादसे में अब तक 11 लोगों की मौत हो गई है। शनिवार को दो और लोगों के शव बरामद किए गए, जबकि दो लोग अब भी लापता हैं। हादसे के वक्त क्रूज में 41 पर्यटक सवार थे।

क्रूज डूबने के तथ्यों का आकलन करने के बाद विशेषज्ञों ने इस दुर्घटना का कारण अचानक आए भीषण तूफान और बवंडर को माना है। उन्होंने माना है कि क्षेत्र की सामान्य प्रकृति के विपरीत दिशा से आने वाली तेज लहरों और 60-65 किमी/घंटा की गति वाली हवाओं ने क्रूज को चपेट में ले लिया। इससे उसका संतुलन बिगड़ गया। क्रूज का करीब दो वर्ष पहले (जुलाई, 2024 में) ही पूर्ण रखरखाव हुआ था। मजबूत फाइबर रीइन्फोर्स्ड प्लास्टिक से बने इस क्रूज को देश में संचालित क्रूजों में सबसे सुरक्षित माना जाता है। इसके बावजूद तेज हवा और पानी की लहरों की मार सहन नहीं कर सका। क्रूज में पानी निकालने के लिए मोटर पंप भी लगा था, लेकिन बताया जा रहा है कि पानी के थपेड़ों की वजह से इसका एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। पानी खाली करने जैसी स्थिति ही नहीं बची थी। क्रूज में मौसम की अपडेट जानकारी का कोई सिस्टम नहीं था। बीच में मौसम ने रुख बदला और तेज हवाएं चलने लगीं। प्रत्यक्षदर्शियों और घटना के समय नजदीक ही काम कर रहे श्रमिकों का कहना है कि उन्होंने इस तरह की लहरें पहले कभी नहीं देखीं। संभवतः मौसम का अप्रत्याशित रूप क्रूज झेल नहीं पाया।

यह है रखरखाव की व्यवस्था : क्रूज का प्रति वर्ष सामान्य मेंटेनेंस होता है। हर नौ से 10 वर्ष में पूर्ण रखरखाव किया जाता है। जुलाई, 2024 में क्रूज को पानी से बाहर लाकर उसका पूरा परीक्षण किया गया था। इस तरह के क्रूज की आयु 30 वर्ष होती है। यह क्रूज 19 वर्ष पहले खरीदा गया था।

> यह क्रूज हैदराबाद बोट बिल्डर्स द्वारा बनाया गया था। इस कंपनी के बनाए गए करीब 100 क्रूज देशभर में संचालित हो रहे हैं। यह क्रूज कैटामरान डिजाइन में बनाया गया है। इनमें दो लंबी बोट को जोड़कर बीच में प्लेटफार्म बनाकर क्रूज तैयार किया जाता है। इस डिजाइन के क्रूज के पलटने की संभावना बेहद कम होती है। बहुत ही दुर्लभ स्थिति में क्रूज पलटता है।
>
> **-कमांडर जितेंद्र निगम, सलाहकार, जल क्रीड़ा, मध्य प्रदेश पर्यटन**

जान जोखिम में डाल कई जिंदगियों को मौत के मुंह से खींच लाए

- **श्रमिक बोले- हम लोग चिल्ला-चिल्ला कर कह रहे थे- क्रूज किनारे लाओ, पायलट ने नहीं सुना**
- **सभी श्रमिकों के लिए 51-51 हजार की प्रोत्साहन राशि**

बरगी डेम में जान बचाने वाले मजदूरों का समूह चित्र। स्रोत एचएफ इन्फ्रा

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर

हादसे ने जहां कई परिवारों को गहरा दुख दिया, वहीं कुछ साधारण श्रमिकों की असाधारण बहादुरी ने इंसानियत की मिसाल भी कायम की। ये वही लोग हैं, जिन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर कई जिंदगियों को मौत के मुंह से खींच लाए। इन रेस्क्यू हीरोज की कहानी साहस, सूझबूझ और मानवीय संवेदनाओं से भरी हुई है। बिहार निवासी विवेक पटेल, जो जल जीवन मिशन के तहत निर्माण कार्य में लगे हुए थे, इस हादसे के प्रत्यक्षदर्शी हैं। वह अपने साथियों के साथ घटनास्थल के समीप काम कर रहे थे, उन्होंने देखा कि एक क्रूज तेज हवाओं के बीच असंतुलित होकर उनकी ओर बढ़ रहा है। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए विवेक और उनके साथियों ने चिल्लाकर पायलट को क्रूज किनारे लाने के लिए कहा। उनका मानना था कि यदि क्रूज किनारे तक आ जाता, तो हादसा होने की स्थिति में भी सभी यात्रियों को आसानी से बचाया जा सकता था, लेकिन पायलट क्रूज को बांध के भीतर की ओर ले गया।

> **ये हैं असली हीरो**
>
> विवेक पटेल (मैनेजर), नमन बाजपेई (साइट इंजीनियर), शशि रंजन मालाकार (इलेक्ट्रीशियन), बीरेंद्र यादव (सुपरवाइजर), सागर कुमार गुप्ता, राजेश यादव, छोटू राय, उपेन्द्र राय, फेंकू राय, राजेश साहनी, अरविन्द यादव, राजाराम, प्रद्युम्न यादव, संतोष, भुवन, संजय, साहिदुल, इब्राहिम, रमजान, मनोरुद्दीन, सम्राट, नूरेसलाम।

न्यूज गैलरी

सेंट फ्रांसिस जेवियर पर टिप्पणी में गौतम खट्टर को जमानत

पणजी: दक्षिणपंथी वक्ता गौतम खट्टर को गोवा की एक अदालत ने जमानत दे दी है। उन पर सेंट फ्रांसिस जेवियर के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास, वास्को ने खट्टर को नियमित जमानत दी। गौरतलब है कि खट्टर फिलहाल गोवा मेडिकल कालेज और अस्पताल में भर्ती हैं, जहां उनका सीने में दर्द का इलाज चल रहा है। इससे पहले उन्हें मापुसा के जिला अस्पताल से यहां शिफ्ट किया गया था। यह विवाद 18 अप्रैल को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिए गए उनके बयान का वीडियो वायरल होने के बाद सामने आया। (प्रेट्र)

अश्लील वीडियो से महिला को ब्लैकमेल करने वाला गिरफ्तार

बेंगलुरु: बेंगलुरु में महिला की आपत्तिजनक तस्वीरों और वीडियो का इस्तेमाल कर उसे ब्लैकमेल करने के आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि आरोपित हानियूर चंद्रगौड़ा रामनगर की बाल कल्याण समिति का सदस्य है। उसके मोबाइल फोन से कई अन्य महिलाओं की अश्लील तस्वीरें भी मिलीं। मामला तब सामने आया जब मेकअप आर्टिस्ट के रूप में काम करने वाली महिला ने 30 अप्रैल को थाने में शिकायत दर्ज कराई। प्राथमिकी के अनुसार, महिला की 2021 में चंद्रगौड़ा से मुलाकात हुई थी। उसने मेकअप का काम देने के बहाने उसका फोन नंबर ले लिया और अक्सर उसके घर आने लगा। उसने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। महिला करीब आठ वर्षों से पति से अलग रह रही है। (प्रेट्र)

मणिपुर में मारे गए दो बच्चों के शव लेने के लिए माना परिवार

इंफाल: मणिपुर में बम विस्फोट में मारे गए दो बच्चों के शव लेने के लिए उनका परिवार आखिरकार मान गया। बच्चों के शव शनिवार को उनके परिवार को सौंप दिए गए। शव तीन सप्ताह से अधिक समय से मुर्दाघर में थे, क्योंकि अपराधियों को जल्द से जल्द सजा देने की मांग करते हुए परिवार के सदस्यों ने शव स्वीकार करने से इन्कार कर दिया था। 25 अप्रैल को, मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने बच्चों के परिवार के सदस्यों से शव स्वीकार करने की अपील की थी। सात अप्रैल को बिष्णुपुर जिले में हुए विस्फोट में पांच वर्षीय बच्चे और उसकी छह महीने की बहन की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद से मणिपुर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। (प्रेट्र)

आतंकी संगठन की विचारधारा को बढ़ावा देने वाला गिरफ्तार

कच्छ : गुजरात के कच्छ जिले में एक 32 वर्षीय व्यक्ति को आतंकी संगठन आइएस की विचारधारा को इंटरनेट मीडिया पर बढ़ावा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपित फकीरममाद गगड़ा कच्छ के भुज का रहने वाला है। पश्चिम कच्छ-भुज एसओजी द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि उसने एक विशेष विचारधारा को बढ़ावा देने वाले वीडियो, लेख और तस्वीरें पोस्ट की थीं। उसके मोबाइल फोन की जांच करने पर पता चला कि आरोपित ने अलग-अलग नामों से कई इंस्टाग्राम और फेसबुक अकाउंट बनाए थे। कहा गया है कि यह सामने आया है कि वह आतंकी संगठन आइएस की विचारधारा को प्रचारित कर रहा था। (प्रेट्र)

नीट-यूजी से पहले छुट्टी संबंधी सलाह की आलोचना

नई दिल्ली: एनएमसी ने एक सलाह जारी कर मेडिकल कालेजों से नीट-यूजी 2026 से पहले दो और तीन मई को छात्रों को छुट्टी नहीं देने को कहा है। डाक्टरों ने इसे वापस लेने को कहा है। एक नोटिस में एनएमसी ने कहा कि किसी भी संभावित दुरुपयोग को रोकने और परीक्षा का निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए यह सलाह दी जाती है कि दो और तीन मई को छात्रों को छुट्टी न दी जाए। (प्रेट्र)

स्कूल में छात्र को धूप में खड़ा रखा, घर आकर खाया जहर, मौत

जागरण संवाददाता, गुरदासपुर

- **अंतिम संस्कार से पहले बहन ने नवजोत के सिर पर सजाया सेहरा**

नवजोत सिंह। फाइल

होशियारपुर में दसूहा के निजी स्कूल में पढ़ाई करने वाले 15 वर्षीय छात्र नवजोत सिंह ने स्कूल में दी गई सजा से आहत होकर जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या कर ली। गांव झंडा लुबाना का रहने वाला नवजोत 27 अप्रैल को स्कूल की पहली मंजिल पर चला गया था। वहां एक शिक्षिका ने उसे देख लिया और बात प्रिंसिपल तक पहुंची। इसके बाद प्रिंसिपल ने उसे सजा के रूप में धूप में खड़ा रहने को कहा। स्वजन के अनुसार, घटना के बाद नवजोत घर लौटा तो काफी परेशान था। कुछ समय बाद उसने जहरीली दवा निगल ली। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कई दिनों तक उसका इलाज चलता रहा। शुक्रवार को उसकी मौत हो गई।

सहपाठी हरमन सिंह ने भी बताया कि जब हम पहली मंजिल पर गए तो वहां मैडम खड़ी थीं। उन्होंने हमें देख लिया। मैडम ने दोनों को चेतावनी दी और प्रिंसिपल से शिकायत कर दी। इसके बाद प्रिंसिपल ने दो पीरियड हमें अपने केबिन के बाहर खड़ा रखा था। इससे नवजोत काफी परेशान था। स्कूल के कुछ अन्य छात्रों ने भी आरोप लगाया है कि स्कूल प्रबंधन द्वारा अनुशासन के नाम पर छात्रों को परेशान किया जाता है। शुक्रवार को अंतिम संस्कार से पहले बहन ने नवजोत के सिर पर सेहरा सजाया। पिता ने मुखाग्नि दी। स्कूल प्रबंधन के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया गया है।

मंगलुरु ब्लास्ट केस में दोषी को उम्रकैद की मांग करेगी एनआइए

बेंगलुरु, आइएएनएस : एनआइए मंगलुरु कुकर ब्लास्ट मामले में दोषी मोहम्मद शारिक को मिली 10 साल की सजा के खिलाफ अपील की तैयारी कर रही है। एजेंसी इस सजा को चुनौती देते हुए उसके लिए उम्रकैद की मांग करेगी। एनआइए अधिकारियों के अनुसार, शारिक करीब चार साल जेल में बिता चुका है और उसकी रिहाई के बाद समाज के लिए खतरा बनने की आशंका है। जांच में सामने आया है कि उसके आतंकी संगठनों से संपर्क थे और रिहाई के बाद वह फिर से ऐसे नेटवर्क से जुड़ सकता है।

एजेंसी का कहना है कि गिरफ्तारी से पहले शारिक ने शिवमोगा के तुंगा नदी क्षेत्र में ट्रायल ब्लास्ट किए थे और बाद में मंगलुरु विस्फोट की योजना बनाई। इस बीच, स्थानीय पुलिस की कथित लापरवाही भी सामने आई है। 2020 में गिरफ्तारी के बावजूद कमजोर जांच के कारण उसे जमानत मिल गई, जिसके बाद उसने कथित तौर पर फिर गतिविधियां शुरू कीं।

समंदर की गहराई में सबसे बड़े तिरंगे ने बिखेरी छटा, बना वर्ल्ड रिकार्ड

अंडमान और निकोबार प्रशासन ने शनिवार को राधानगर बीच पर समुद्र की गहराई में दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाया। प्रेट्र

श्री विजयपुरम, प्रेट्र : अंडमान और निकोबार द्वीप ने शनिवार को इतिहास रचते हुए समंदर की गहराई में दुनिया का सबसे बड़े राष्ट्रीय ध्वज की छटा बिखेर कर नया गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बना दिया। राधानगर बीच पर 60×40 मीटर के विशाल तिरंगे को समुद्र के भीतर विशेष तकनीक और सटीक समन्वय के साथ पहुंचाया गया। यह अनोखा कारनामा स्वराज द्वीप में प्रशिक्षित गोताखोरों और कई एजेंसियों की मदद से पूरा किया गया। नौसेना, तटरक्षक पुलिस और वन विभाग की टीमों ने मिलकर इसे संभव बनाया। सुबह 10:35 बजे गिनीज के जज ऋषि नाथ ने इस उपलब्धि की आधिकारिक पुष्टि की और प्रमाणपत्र सौंपा।

समुद्र के अंदर तिरंगे को खास वेटेड फ्रेम और रस्सियों की मदद से स्थिर रखा गया, ताकि वह पानी के बहाव में संतुलित रहकर पूरी तरह फैल सके और लहराता हुआ दिखाई दे। उप राज्यपाल डीके जोशी ने इसे टीमवर्क और समर्पण का प्रतीक बताया।

यूएई से भारत लाया गया बैंक घोटाले का आरोपित

नई दिल्ली, आइएएनएस : सीबीआइ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंक घोटाले के आरोपित कमलेश पारेख को संयुक्त अरब अमीरात से प्रत्यर्पित कर भारत ले आई है। पारेख एक मई को दिल्ली पहुंचा, जहां उसे सीबीआइ की बैंक सिक्योरिटीज एंड फ्राड ब्रांच ने हिरासत में ले लिया।

कमलेश पारेख। एएनआइ

सीबीआइ के अनुसार, यह मामला भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह से जुड़ा है, जिसमें सैकड़ों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई। आरोप है कि पारेख ने अन्य निदेशकों के साथ मिलकर विदेशों में कंपनियों के जरिए फंड डायवर्ट किए और बैंकिंग सिस्टम का दुरुपयोग किया। सके अलावा सीबीआइ ने फर्जी पासपोर्ट रैकेट के आरोपित आलोक कुमार उर्फ यशपाल सिंह को यूएई से भारत वापस लाया है। आरोपित एक मई को मुंबई पहुंचा, जहां उसे हरियाणा पुलिस के हवाले कर दिया गया।

प्रोफेसर की हथेली काटने के मामले में 15 मई को तय होंगे आरोप

कोच्चि, प्रेट्र : कोच्चि की एक विशेष अदालत 15 मई को प्रोफेसर टी जे जोसेफ पर मुवत्तुपुझा में पीएफआइ कार्यकर्ताओं द्वारा हमला करने के मामले में मुख्य आरोपित के खिलाफ आरोप तय करने की कार्यवाही पूरी करेगी। कोर्ट ने 30 अप्रैल को आरोपित सवाद और शफीर सी के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला लिया। जुलाई 2010 में एक समूह ने प्रोफेसर जोसेफ की दाहिनी हथेली काट दी थी, उन पर आरोप था कि उन्होंने तैयार किए गए प्रश्न पत्र में ईशनिंदा की थी। अदालत ने कहा, ''मामले से जुड़े दस्तावेजों और सबूतों की जांच करने और आरोपित के वकील और अभियोजक की दलीलें सुनने के बाद, मेरी राय है कि यह मानने के पर्याप्त आधार हैं कि उन्होंने दंडनीय अपराध किए हैं। अदालत ने निर्देश दिया कि सवाद को पेश किया जाए और शफीर, जो जमानत पर है, आरोप तय करने की प्रक्रिया के तहत अपना पक्ष रखने के लिए 15 मई को अदालत के समक्ष पेश हो।

जयपुर में फर्जी दस्तावेज से कर्ज दिलवाने वाले बैंक प्रबंधक गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, जयपुर

37 लोगों को फर्जी दस्तावेज से दिलवाया था कर्ज

- **करीब दो माह पहले बैंक प्रबंधन को इस फर्जीवाड़े की मिली थी सूचना**

जयपुर पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 37 लोगों को चार करोड़ 20 लाख रुपये का कर्ज दिलवाने वाले एसबीआइ बैंक के प्रबंधक और सहायक प्रबंधक को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त रंजीता शर्मा ने बताया कि धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे प्रबंधक बाबूलाल मीणा एवं सहायक प्रबंधक आकाश बिलोनिया को शनिवार को गिरफ्तार किया गया है। पिछले माह जयपुर स्थित मोती डूंगरपुरी पुलिस थाने में आदर्श नगर एसबीआइ बैंक के प्रबंधक ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

जानकारी के अनुसार मीणा एवं बिलोनिया ने साल 2023 में बैंक में तैनात रहने के दौरान कुछ लोगों से मिलीभगत कर के 37 लोगों को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर चार करोड़ 20 लाख रुपये का कर्ज दिया था। इन लोगों को फर्जी दस्तावेजों में बैंक कर्मचारी दिखाया गया, जबकि वे कर्मचारी नहीं थे। इन लोगों को बैंक कर्मचारियों को मिलने वाला कर्ज दिया गया। बैंक प्रबंधन को करीब दो माह पहले इस फर्जीवाड़े की सूचना मिली थी। इस पर बैंक ने पहले अपने स्तर पर जांच करवाई और फिर मामला संगठित गिरोह का होने की आशंका पर पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया था।

पुलिस में मामला दर्ज होने के बाद मीणा और बिलोनिया फरार हो गए थे। दोनों के फरार होने के बाद इन पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उल्लेखनीय है कि आम लोगों के बीच व्यक्तिगत कर्ज पर ब्याज दर 10 से करीब 15 प्रतिशत है।

वहीं बैंक कर्मचारियों के लिए ब्याज दर कम है। अब तक की जांच में सामने आया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपितों ने कुछ लोगों के साथ मिलकर यह फर्जीवाड़ा किया और इसके बदले में पैसे लिए थे।

पति से कहासुनी से नाराज महिला ने हथौड़े से सिर कूचकर चार बच्चों को मार डाला

जागरण संवाददाता, अंबेडकरनगर

- **विदेश में पति ने पाकिस्तानी महिला से कर लिया है निकाह**
- **बच्चों को जहर देने का भी आरोप, बालकनी से कूदकर हो गई फरार**

घटना स्थल पर स्वजन को समझाते कोतवाल श्रीनिवास पांडेय -जागरण

सऊदी अरब में रह रहे पति से मोबाइल फोन पर कहासुनी के बाद एक महिला ने खौफनाक कदम उठाया। उसने अपने चार बच्चों को नशीला पदार्थ खिलाकर हथौड़े से सिर कूचकर मार डाला। इसके बाद बालकनी से कूदकर फरार हो गई। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है।

अंबेडकरनगर जिले के कसड़ा गांव निवासी मोहम्मद नियाज कई वर्षों से सऊदी अरब में चाय-काफी की दुकान चलाते हैं। करीब दस वर्ष पूर्व उन्होंने पैतृक जमीन बेचकर मकान बनवाया था, जहां उनकी पत्नी गासिया खातून अपने चार बच्चों सफीक, सऊद, उमर और सादिया बानो के साथ रहती थी। करीब तीन वर्ष पहले नियाज ने सऊदी में एक पाकिस्तानी महिला से दूसरा निकाह कर लिया। इसकी जानकारी उसने पत्नी को बच्चों समेत वहां बुलाकर दी थी और खर्च उठाने का भरोसा देकर समझौता कराया था। बताया जा रहा कि इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच लंबे समय से तनाव चल रहा था। शुक्रवार रात फोन पर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। इसके बाद पति लगातार गासिया को फोन मिलाता रहा, लेकिन उसने काल रिसीव नहीं किया। इस पर उन्होंने अपने छोटे भाई सलीम को घर भेजा। शनिवार सुबह करीब 11 बजे दूध देने वाला घर पहुंचा, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद मिला। आवाज देने पर भी कोई बाहर नहीं आया। दोपहर दो बजे दोबारा पहुंचने पर भी स्थिति वही रही। इसके बाद आसपास के लोगों ने गासिया के रिश्तेदार तसलीम को सूचना दी। इस बीच सलीम भी पहुंच गए। जानकारी देने पर पुलिस पहुंची, लेकिन दरवाजा भीतर से बंद होने के कारण अंदर नहीं जा सकी। पड़ोसी के घर की छत के रास्ते मुहल्ले का एक युवक घर में पहुंचा और दरवाजा खोला। घर के अंदर चारों बच्चों के शव खून से लथपथ पड़े थे। उनके सिर पर हथौड़े से कई वार किए गए थे। सलीम ने आरोप लगाया कि गासिया ने नशीला पदार्थ खिलाने के बाद हथौड़े से कूचकर बच्चों की हत्या कर दी।

सात साल के ईशांक ने नौ घंटे 50 मिनट में तैरकर पार किया पाल्क जलडमरूमध्य

जागरण संवाददाता, रांची

- **झारखंड के रांची निवासी नन्हे तैराक को सफलता पर मिल रहीं हर ओर से बधाइयां**
- **भारत और श्रीलंका के बीच स्थित है 29 किलोमीटर लंबा जलडमरूमध्य**

पाल्क जलडमरूमध्य पर रिकार्ड बनाने के बाद तिरंगा लहराता ईशांक। स्रोत: स्वजन

रांची निवासी सात साल के ईशांक सिंह ने भारत और श्रीलंका के बीच स्थित चुनौतीपूर्ण पाल्क जलडमरूमध्य को तैरकर पार करने का विश्व रिकार्ड बनाया है। ईशांक ने 30 अप्रैल को 29 किमी लंबे इस जलडमरूमध्य को नौ घंटे 50 मिनट में तैरकर पार किया। ईशांक शुक्रवार शाम रांची पहुंचे। ईशांक के प्रशिक्षक अमन कुमार और बजरंग कुमार जायसवाल ने बताया कि इससे पहले ऐसी तैराकी का पिछला रिकार्ड तमिलनाडु के जय जसवंत के नाम था। ईशांक की इस उपलब्धि पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने भी बधाई दी है। ईशांक ने कहा, कि मेरा सपना पाल्क जलडमरूमध्य को दोनों तरफ से तैरकर पार करना है। यूनिवर्सल रिकार्ड्स फोरम की ओर से उसे सबसे कम उम्र के सबसे तेज तैराक का खिताब दिया गया है। इसके अलावा थेनी स्थित ओपन वाटर स्विमिंग अकादमी ने भी ईशांक को 2026 ओडब्ल्यूएटएसएटी विश्व रिकार्ड का खिताब दिया है। ईशांक ने यात्रा श्रीलंका के तलाईमन्नार से शुरू कर तमिलनाडु के धनुषकोडी पर समाप्त की। मां मनीषा ने कहा कि उनके बेटे को वर्षों के कठोर प्रशिक्षण ने इस परिणाम तक पहुंचाया।

वर्ग पहेली-3323

बाएं से दाएं:-
1. शापित, अभियोग लगा हुआ (4)। 3. लड़खड़ाना, हिलना-डुलना (5)। 6. प्रस्थान, जाना (4)। 8. कृषक, खेतिहर (3)। 9. सरकंडा (3)। 10. शरीर, देह (2)। 11. जाना हुआ (3)। 13. ढंग, शैली (3)। 15. निकट, नजदीक (2)। 18. कष्ट या पीड़ा होना (3)। 19. आश्रय, रक्षा, बचाव (3)। 20. चुनौती (4)। 23. इस मुहावरे का अर्थ है-अहसानमंद होना (3,2)। 24. मिट्टी के रंग का (4)।

ऊपर से नीचे:-
1. चारों ओर से सुरक्षित (5)। 2. शुभ-अशुभ सूचक लक्षण (3)। 3. श्रीनगर में है यह झील (2)। 4. विनोदी स्वभाव वाला (4)। 5. चेहरा-मोहरा (2,2)। 7. संगीत जानने वाला (3)। 9. रंग-बिरंगे पंखों वाला एक फतिंगा (3)। 12. पीस कर तैयार होना (3)। 14. सुस्त, आलसी (3)। 16. युद्ध का समय (5)। 17. तिरस्कार, बेइज्जती (4)। 18. निडरतापूर्वक (4)। 21. आग का ऊपरी सिरा (3)। 22. पहनावा, पोशाक (2)।

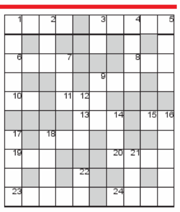

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

■	■	■	स	■	म	■	पै	■	■
■	ल	की	र	■	क	बा	र	ना	■
था	गा	■	प	ह	र	■	■	गि	■
■	ता	■	ट	■	■	नू	त	न	ता
क	र	नी	■	■	■	■	ल	■	■
■	■	र	■	■	■	■	नी	ने	क
स	री	व	र	■	■	ग	■	व	■
■	च	■	■	का	य	म	■	र	क्त
■	क	ति	प	य	■	नी	र	स	■
■	■	ल	■	दा	■	य	■	■	■

जागरण सुडोकू-3323

8		1	2		7	9		
		2		3				7
	7			9		2		6
		4	6		2			
2	9				4	3		
		6	3				7	
1				2	5		4	9
		9	1			5		
6				4				3

कल का हल

1	2	3	6	8	4	5	7	9
6	8	7	9	5	2	3	4	1
9	4	5	3	1	7	8	6	2
5	1	8	7	4	3	2	9	6
3	6	2	1	9	5	4	8	7
7	9	4	2	6	8	1	3	5
4	5	1	8	7	6	9	2	3
2	7	9	4	3	1	6	5	8
8	3	6	5	2	9	7	1	4

आज का भविष्यफल: रविवार 3 मई, 2026

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष द्वितीया। **राहुकाल:** सायं 04:30 से 06 बजे तक। **दिशाशूल:** पश्चिम। **विशेष:** देवर्षि नारद जयंती

कल 4 मई 2026 का पंचांग

दिशाशूल: पूर्व। **भद्रा:** सायं 04:13 से 05 मई प्रात: 05:25 तक।
विशेष: तृतीया तिथि की वृद्धि
विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की तृतीया 29 घंटे 23 मिनट तक, तत्पश्चात तृतीया अनुराधा नक्षत्र 09 घंटे 58 मिनट तक, तत्पश्चात ज्येष्ठा नक्षत्र परिघ योग 23 घंटे 20 मिनट तक, तत्पश्चात शिव योग, वृश्चिक में चंद्रमा।

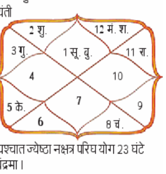

मेष: तनाव मिल सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
वृष: मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
मिथुन: शासन का सहयोग मिलेगा। मौसम के रोग के प्रति सचेत रहें।
कर्क: राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। परिवार सहयोग करेगा।
सिंह: आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। शासन का सहयोग रहेगा।
कन्या: उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
तुला: मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। आर्थिक सुधार होगा।
वृश्चिक: बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से आत्मसम्मान में वृद्धि होगी।
धनु: व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। जीविका में प्रगति होगी।
मकर: आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। धन, सम्मान में वृद्धि होगी।
कुंभ: जीवनसाथी और शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।
मीन: यात्रा सुखद होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा।

13 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई राजस्थान के बाड़मेर स्थित राजकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को पानी पीने के बाद। बच्चों ने पेट में दर्द और घबराहट की शिकायत की। आनन-फानन में बीमार पड़े सभी बच्चों को अस्पताल ले जाया गया।

आपरेशन सिंदूर@1

युद्ध कौशल संग रणनीतिक तैयारी को धार दे रहा देश

रविवार विशेष

छह मई को आपरेशन सिंदूर को एक वर्ष पूर्ण हो जाएगा। इस अवसर पर देश के अलग-अलग हिस्सों में सुरक्षा और तैयारी का व्यापक स्वरूप उभरकर सामने आया है। अमृतसर के सीमावर्ती इलाकों में जहां विलेज डिफेंस कमेटियों के जरिये ग्रामीण बीएसएफ के साथ समन्वय में सुरक्षा तंत्र को मजबूत कर रहे हैं, वहीं कानपुर में आपदा प्रबंधन और त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली को नई धार दी जा रही है। इंदौर में तकनीकी साधनों और प्रशिक्षण के जरिये आधुनिक सुरक्षा माडल विकसित किया जा है। इन तीनों परिदृश्यों का समेकित रूप यह संकेत देता है कि देश अब पारंपरिक सुरक्षा से आगे बढ़कर सामुदायिक भागीदारी, तकनीकी दक्षता और रणनीतिक तैयारी के संगम पर काम कर रहा है। शौर्य और अनुशासन के साथ आधुनिक युद्ध कौशल की यह तैयारी भविष्य की चुनौतियों के प्रति एक सशक्त संदेश बनकर उभर रही हैं।

सेना की जरूरत पर आइआइटी व आयुध निर्माणियां निखार रहीं 'तकनीकी शौर्य'

वेपंस माउंटेड ड्रोन का प्रोटोटाइप। ● ओईएफ

आइआइटी व टीसीएल के बीच ड्रोन प्रौद्योगिकी पर अनुसंधान व विकास के लिए एमओयू के तहत दोनों संस्थान स्वदेशी ड्रोन पर काम कर रहे हैं। इससे भविष्य में दूसरे देशों में ड्रोन निर्यात भी किए जा सकेंगे।

डा. अनिल रंगा, ओईएफ के मुख्य महाप्रबंधक

1800 मीटर दूरी तक मारक क्षमता का आधुनिक ड्रोन ओईएफ में बनेगा, सीमा पार जाकर दुश्मन को करेगा ढेर

155 करोड़ का कारोबार मिलेगा टीसीएल को ड्रोन उत्पादन से, उसने हथियारबंद ड्रोन का प्रोटोटाइप है बनाया

आपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना ने आधुनिक आत्मघाती ड्रोन व वैश्विक परिदृश्य में सामरिक क्षमता बढ़ाने के लिए अपनी जरूरतें बताईं तो आइआइटी कानपुर व रक्षा मंत्रालय के डिफेंस पीएसयू ट्रूप कंफर्ट्स लिमिटेड (टीसीएल) ने इसपर काम शुरू किया है। देश की प्रतिष्ठित आयुध निर्माणियों में 'तकनीकी शौर्य' निखारा जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग से वार्ता के बाद टीसीएल सीएमडी सुनील दाते ने ड्रोन माउंटेड मीडियम मशीन गन (एमएमजी) निर्माण की कमान स्वयं संभाल रखी है। इसकी मारक क्षमता 1800 मीटर तक की होगी। इस पहल में सहयोगी के रूप में आइआइटी के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. अभिषेक नेतृत्व कर रहे हैं। यह कदम भारतीय सशस्त्र बलों के लिए उन्नत निगरानी, सामरिक व स्वायत्त ड्रोन की आवश्यकताओं को और सुदृढ़ करेगा।

दरअसल, आपरेशन सिंदूर के दौरान दुश्मन ने ड्रोन से हमले किए, जिससे सबक लेकर अब सेना को ड्रोन माउंटेड एमएमजी से लैस करने की दिशा में आयुध उपस्कर निर्माणी (ओईएफ) में अनुसंधान व विकास कार्य किया जा रहा है। इस गन से लैस ड्रोन सीमा पार दुश्मन के इलाके में 10 किमी के दायरे में 40 मिनट तक उड़कर मार करेंगे। अभी तक तुर्किए व आस्ट्रेलिया के पास ही 400 मीटर की रेंज में गोलियां बरसाने वाली ड्रोन माउंटेड गन हैं। भारत इससे चार गुना से अधिक रेंज की ड्रोन माउंटेड एमएमजी बना रहा है। ये ड्रोन दुश्मन की गतिविधियों की निगरानी, सेना के लिए माल परिवहन, आपदा प्रबंधन में भी मददगार बनेंगे। आइआइटी व टीसीएल के बीच दिसंबर,2025 में इसके लिए एमओयू हुआ था। इसके बाद ड्रोन निर्माण का जिम्मा ओईएफ कानपुर व फिरोजाबाद के हजरतपुर को सौंपा गया है। ड्रोन उत्पादन से टीसीएल को करीब 155 करोड़ रुपये का कारोबार मिलेगा। टीसीएल ने हथियारबंद ड्रोन का प्रोटोटाइप बनाया था, जिसे सेना समेत विशेषज्ञों से हरी झंडी मिली थी। इसके साथ ही आइआइटी के विशेषज्ञ भविष्य में टीसीएल को सर्विलांस ड्रोन, मिसाइल माउंटेड ड्रोन व ड्रोन माउंटेड वेपंस की और डिजाइन भी देंगे।

(कानपुर से विवेक मिश्र)

नौ बार ब्लाक करने पर भी मिशन पूरा करेगा यह ड्रोन

रक्षा क्षेत्र में ड्रोन तकनीक का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। निगरानी, आपूर्ति और हमले जैसे कार्यों में इनका उपयोग लगातार विस्तार पा रहा है। इसी दिशा में इंदौर स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलाजी संस्थान (आइईटी) के विद्यार्थियों ने एक ऐसा मल्टी-फ्रीक्वेंसी कामिकाजे ड्रोन विकसित किया है, जो दुश्मन द्वारा फ्रीक्वेंसी ब्लाक किए जाने के बावजूद सक्रिय रहकर अपना मिशन पूरा कर सकता है।

छात्र अमोघ द्विवेदी और पार्थ तिवारी द्वारा विकसित इस ड्रोन को 'फ्रीक्वेंसी हापिंग कामिकाजे ड्रोन' नाम दिया गया है। ये ड्रोन ऐसे मिशन के लिए डिजाइन होते हैं, जिनमें लक्ष्य तक पहुंचना ही प्राथमिक उद्देश्य होता है। ये मिशन पूरा करने के बाद नष्ट भी हो सकते हैं। तकनीकी रूप से इन्हें लाइटरिंग एम्यूनिशन भी कहा जाता है।आमतौर पर ड्रोन एक ही फ्रीक्वेंसी पर काम करते हैं, जिससे दुश्मन द्वारा उस फ्रीक्वेंसी को ब्लाक किए जाने पर वे निष्क्रिय हो जाते हैं। इस कमी को दूर करने के लिए विद्यार्थियों ने मल्टी-फ्रीक्वेंसी हापिंग सिस्टम विकसित किया है। यह ड्रोन एक साथ 10 अलग-अलग फ्रीक्वेंसी पर काम करने में सक्षम है। आपरेशन के दौरान यदि एक फ्रीक्वेंसी ब्लाक होती है, तो यह तुरंत दूसरी फ्रीक्वेंसी पर शिफ्ट हो जाता है और नौ बार तक ब्लाक किए जाने के बावजूद मिशन जारी रख सकता है। विद्यार्थियों के अनुसार वे पिछले दो वर्षों से ड्रोन तकनीक पर अनुसंधान कर रहे थे। इसी दौरान सेना की तकनीकी टीम की ओर से उन्हें मल्टी-फ्रीक्वेंसी ड्रोन विकसित करने का काम मिला। प्रोटोटाइप की शुरुआती टेस्टिंग प्रयोगशाला में हुई और बाद में सेना के अधिकारियों के सामने सफल परीक्षण किया गया। इस नवाचार के लिए पेटेंट आवेदन भी किया गया है।

अपने बनाए ड्रोन के साथ अमोघ द्विवेदी (बाएं) व पार्थ तिवारी ● नईदुनिया

यह ड्रोन दुश्मन क्षेत्र में करेगा ग्रेनेड लांच

यह ड्रोन दुश्मन क्षेत्र में ग्रेनेड लांच करने या आरडीएक्स ले जाने में सक्षम है। वर्तमान में इसकी रेंज लगभग छह किलोमीटर है और यह दो किलोग्राम तक वजन उठा सकता है। इन क्षमताओं के आधार पर इसे सुरक्षा अभियानों में आवश्यक सामग्री पहुंचाने जैसे प्रयोगात्मक उपयोगों के लिए भी उपयुक्त माना जा रहा है।

अमोघ व पार्थ के बनाए ड्रोन

डेढ़ साल की मेहनत के बाद तैयार हुआ प्रोटोटाइप

अमोघ द्विवेदी और पार्थ तिवारी बताते हैं कि डेढ़ साल की मेहनत के बाद ड्रोन का सफल प्रोटोटाइप तैयार हुआ है और परीक्षण के परिणाम सकारात्मक रहे हैं। ड्रोन को बेहतर बनाने के लिए रेंज बढ़ाने और एयर डिफेंस सिस्टम से बचाव की क्षमता पर काम जारी है। डीएवीवी इनक्यूबेशन सेंटर के प्रभारी सीईओ शांतनु वाइकर ने भी इस प्रोजेक्ट को सफल बताते हुए कहा कि अब इसके अपग्रेडेशन की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

(इंदौर से भरत मानधन्या)

विलेज डिफेंस कमेटियों की जागरूकता से सीमावर्ती क्षेत्र में मजबूत हो रहा सुरक्षा तंत्र

पंजाब में अमृतसर जिले के सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा अब सिर्फ वर्दी तक सीमित नहीं रही। पाकिस्तान सीमा से सटे गांवों में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने ग्रामीणों के साथ मिलकर 'विलेज डिफेंस कमेटियों' का जो नेटवर्क तैयार किया है, वह नागरिक भागीदारी पर आधारित सुरक्षा के नए माडल के रूप में उभर रहा है। जिले के 400 से अधिक गांवों में विलेज डिफेंस कमेटियां गठित की गई हैं। इनमें से अधिकतर का गठन पिछले वर्ष हुए आपरेशन सिंदूर के दौरान व उसके बाद किया गया है।

लड़कियों को हथियार के बारे में जानकारी देता बीएसएफ का जवान ● जागरण आर्काइव

गांव में आने- जाने वालों पर नजर रखती हैं कमेटियां

अटारी में गठित डिफेंस कमेटी के सदस्य वरपाल सिंह बताते हैं कि गांव में आने- जाने वालों पर कमेटियां नजर रखती हैं। इसके साथ ही कमेटियां नियमित रूप से बैठकें आयोजित करती हैं, जिनमें संदिग्ध व्यक्तियों, नशा तस्करों और असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनकी सूची तैयार की जाती है। इसके अलावा गांवों में आने-जाने वाले बाहरी लोगों पर भी विशेष नजर रखी जाती है। यदि किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि सामने आती है, तो तुरंत इसकी सूचना बीएसएफ और पुलिस को दी जाती है। अब तक कई तस्करों को इन कमेटी के सदस्यों ने पकड़वाया है। अजनाला क्षेत्र में इसी वर्ष कमेटी की सूचना पर दो तस्करों से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए।

वरपाल सिंह

400 से अधिक गांवों में विलेज डिफेंस कमेटियां बनाई गई हैं अमृतसर जिले में

5-10 किलोमीटर के दायरे में जीरो लाइन के आने वाले गांवों में किया गया है कमेटियों का गठन

दरअसल, आपरेशन सिंदूर के साथ ही सीमा पार से लगातार हथियारों की तस्करी के प्रयासों ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कीं। ड्रोन से होने वाली तस्करी की घटनाओं में बढ़ोतरी ने साफ किया कि केवल तकनीकी निगरानी पर्याप्त नहीं है। ऐसे में बीएसएफ ने स्थानीय लोगों को सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा बनाने की पहल शुरू की। इसी सोच के साथ जीरो लाइन से पांच से 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों में विलेज डिफेंस कमेटियों का गठन किया गया। इन कमेटियों में सरपंच, पंच, नंबरदार, पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव, पुलिस प्रतिनिधि और बीएसएफ के जवान शामिल हैं।

बीएसएफ इस पूरी प्रक्रिया में सिर्फ निगरानी एजेंसी नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रशिक्षक की भूमिका भी निभा रही है। समय-समय पर गांवों में हथियारों की प्रदर्शनी लगाई जाती है ताकि युवाओं को आधुनिक हथियारों और सुरक्षा तंत्र की जानकारी मिल सके। साथ ही विशेष शिविरों का आयोजन कर उन्हें यह सिखाया जाता है कि युद्ध या आपात स्थिति में किस प्रकार सतर्क रहना है और अपने स्वजन तथा क्षेत्र की सुरक्षा में कैसे सहयोग करना है। इस पहल से युवाओं को सुरक्षा व्यवस्था का अहम हिस्सा बनने का अवसर मिला है। खास बात यह है कि युवाओं को हथियारों की कार्यविधि समझाने के साथ साथ हैंड ग्रेनेड फेंकने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

(अमृतसर से नितिन धीमान)

मानहानि मामले में राहुल की आवाज का नमूना मिलान की अर्जी खारिज

जागरण संवाददाता, सुलतानपुर

- कांग्रेस नेता को एमपी-एमएलए कोर्ट ने जमानतनामा दाखिल करने का दिया निर्देश
- कोर्ट ने कहा, राहुल गांधी ने इससे इन्कार नहीं किया कि सीडी में आवाज उनकी नहीं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मानहानि मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की आवाज के नमूने का विधि विज्ञान प्रयोगशाला से मिलान कराने की मांग वाली अर्जी एमपी-एमएलए की विशेष अदालत ने खारिज कर दी है। मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने भाजपा नेता विजय मिश्र की ओर से दाखिल अर्जी निरस्त करते हुए अगली सुनवाई के लिए 11 मई की तिथि तय की है। अदालत ने राहुल गांधी को जमानतनामा दाखिल करने का भी निर्देश दिया है।

आरोप है कि राहुल गांधी ने वर्ष 2018 में बेंगलुरु में अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए उन्हें 'हत्यारा' कहा था। इसे लेकर चार अगस्त, 2018 को विजय मिश्र ने मानहानि का परिवाद दायर किया था। अदालत के आदेश पर राहुल गांधी 20 फरवरी, 2024 को अदालत में पेश हुए। उसी दिन उनका बयान दर्ज हुआ और जमानत मिल गई।

विजय मिश्र ने गत 12 मार्च को वायस सैंपल मिलान की अर्जी दाखिल की गई थी। शनिवार को अदालत ने कहा कि जब राहुल गांधी ने अदालत में प्रस्तुत की गई सीडी में दर्ज आवाज को अपनी आवाज होने से इन्कार नहीं किया है, तो उसके नमूने का परीक्षण कराने की आवश्यकता नहीं बनती। इसी आधार पर परिवादी की अर्जी को खारिज कर दिया गया।

परिवादी के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि अदालत के आदेश का अध्ययन करने के बाद इसे सत्र न्यायालय में चुनौती दी जाएगी। वहीं, राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने अदालत के फैसले को विधिसम्मत बताते हुए कहा कि आदेश में कोई त्रुटि नहीं है।

जाति जन्म से तय होती है, विवाह से नहीं बदलती

दयानंद शर्मा ● जागरण

- विवाह के बाद दूसरे राज्य में नहीं मिलेगा पति के राज्य का आरक्षण लाभ
- राजस्थान की ओबीसी महिला की हरियाणा में बीसी-बी प्रमाणपत्र नवीनीकरण याचिका खारिज

चंडीगढ़ : विवाह के बाद दूसरे राज्य में बस जाने भर से किसी महिला को पति के राज्य की पिछड़ा वर्ग श्रेणी का लाभ नहीं मिल सकता। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने इसी महत्वपूर्ण संवैधानिक सिद्धांत को दोहराते हुए राजस्थान मूल की एक महिला की हरियाणा में बीसी-बी प्रमाण-पत्र के नवीनीकरण की मांग खारिज कर दी। जस्टिस जगमोहन बंसल ने स्पष्ट किया कि आरक्षण से जुड़ी जातीय स्थिति जन्म आधारित होती है और केवल विवाह के आधार पर राज्य बदलने से संबंधित सामाजिक श्रेणी का कानूनी लाभ स्वत प्राप्त नहीं किया जा सकता।

यह फैसला एकता यादव की याचिका पर सुनाया गया। याचिकाकर्ता रेवाड़ी निवासी एकता यादव ने हाई कोर्ट में मांग की थी कि हरियाणा सरकार को उनका बीसी-बी प्रमाणपत्र नवीनीकृत करने और 10 अगस्त 2025 के कानूनी नोटिस पर निर्णय लेने का निर्देश दिया जाए। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि उनका दावा गलत तरीके से अस्वीकार किया गया।

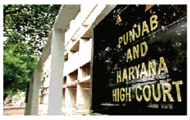

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट

हालांकि, हरियाणा सरकार ने कोर्ट को बताया कि 22 मार्च 2022 की राज्य सरकार की अधिसूचना के अनुसार यदि कोई व्यक्ति एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित होता है, तो वह केवल अपने मूल राज्य में मान्य जाति श्रेणी का लाभ ले सकता है, न कि विवाह या प्रवास के आधार पर नए राज्य में उसी श्रेणी का दावा कर सकता है।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि अधिसूचना के पैरा 3(4) के अनुसार किसी अन्य जाति या वर्ग के व्यक्ति से विवाह कर लेने मात्र से किसी महिला की जातीय श्रेणी परिवर्तित नहीं होती। अदालत ने माना कि याचिकाकर्ता जन्म से राजस्थान की ओबीसी श्रेणी से संबंधित हैं, लेकिन हरियाणा में प्रवास के बाद वह वहां की बीसी-बी श्रेणी का लाभ नहीं ले सकतीं।

बीसी और ओबीसी में अंतर

हरियाणा में बीसी यानी पिछड़ा वर्ग और ओबीसी यानी अन्य पिछड़ा वर्ग मूल रूप से एक ही सामाजिक श्रेणी को दर्शाते हैं, अंतर केवल प्रशासनिक उपयोग का है। ओबीसी शब्द केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश के सामाजिक व शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए प्रयुक्त होता है और इसका उपयोग केंद्रीय नौकरियों व शिक्षण संस्थानों में होता है। वहीं हरियाणा सरकार इसी वर्ग को बीसी के रूप में लागू करती है और इसे दो भागों बीसी-ए और बीसी-बी में विभाजित करती है। राज्य स्तर पर भर्ती और आरक्षण में यही वर्गीकरण प्रभावी रहता है, जबकि आय सीमा यानी क्रीमी लेयर का प्रावधान दोनों स्तरों पर समान रूप से लागू होता है।

दुलमा को 48 घंटे में मिला नया नल जल कनेक्शन, ट्राइसिकल भी दी

नईदुनिया प्रतिनिधि, जगदलपुर

- खबर नईदुनिया में प्रकाशित होने के बाद छत्तीसगढ़ में शासन-प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई

छत्तीसगढ़ में बस्तर ब्लाक के ग्राम पंचायत पिपलावंड के जामगुड़ा की दिव्यांग आदिवासी महिला दुलमा कश्यप को पानी की समस्या से राहत मिली है। उनकी प्यास की जंग की खबर दैनिक जागरण के सहयोगी प्रकाशन नईदुनिया में प्रकाशित होने के बाद शासन-प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की।

48 घंटे के भीतर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने दुलमा के घर तक पाइप लाइन बिछाकर नया नल जल कनेक्शन प्रदान किया। साथ ही उनके घर से लगभग 200 मीटर दूर नया बोर भी खोदा गया।

कोसारटेडा जलाशय में स्थापित पंप हाउस में उच्च क्षमता वाला नया मोटर लगाकर पानी की आपूर्ति को सुचारू किया गया। जामगुड़ा की ओवरहेड टंकी में भी पानी भरने लगा है। सरपंच केशवराम ने बताया कि जामगुड़ा में लगभग 200 घर हैं और दुलमा के आसपास पानी का संकट था, जिसका समाधान हो गया है। इसके अलावा, दुलमा की बैटरी चालित ट्राइसिकल भी महीनों से खराब थी, जिसे समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने नई ट्राइसिकल देकर उसकी राह आसान की है।

नई ट्राइसिकल के साथ दुलमा कश्यप। नईदुनिया

वैश्विक उथल-पुथल के बीच सुदृढ़ व सबल भारत ही बन सकता है विश्व का आधार : भागवत

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

- संघ प्रमुख ने कहा, इसके लिए भारत को सभी समाजों को साथ लेकर चलना होगा
- आदिवासी समाज हमें बहुत कुछ देता रहा है, उनकी यही प्रवृति भारत की सनातन संस्कृति की है पहचान

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख डा. मोहन भागवत ने कहा है कि जिस तरह से दुनिया में इस समय वैश्विक उथल-पुथल मची है, ऐसे में सुदृढ़ एवं सबल भारत ही विश्व का आधार बन सकता है। इसके लिए भारत को सभी समाजों को साथ लेकर चलना होगा। आदिवासी समाज को विकास की मुख्य धारा में लाना होगा। उन्होंने ये बातें शनिवार को मुंबई के गेट वे आफ इंडिया पर आयोजित 'कर्मयोगी एकल शिक्षक मेला' में वनवासी इलाकों में शिक्षा का प्रसार करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने के अवसर पर कहीं।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, राज्य के आदिवासी विकास मंत्री प्रो. अशोक उइके और महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर भी मौजूद थे। गडकरी के मार्गदर्शन में ही इन एकल विद्यालयों का संचालन किया जाता है। भागवत ने कहा कि वर्षों से आदिवासी समाज ने हमारी संस्कृति को संभाल कर रखा है। आदिवासी समाज हमें बहुत कुछ देता रहा है। उनकी यही प्रवृति भारत की सनातन संस्कृति की पहचान है। आदिवासियों ने सबका कल्याण करने की इसी प्रवृति को सहेज कर रखा है। उन्होंने कहा कि सेवा उपकार नहीं, हमारा कर्तव्य है। यह स्वयं को विकसित करने का काम है। इसी से हम इंसान बनते हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज में शिक्षा का यह प्रसार संवेदना से किया जाने वाला कार्य है। यह दया से नहीं, जी तोड़ मेहनत से संभव है। दूसरों की सेवा के लिए कष्ट करना हमारी भारत भूमि का स्वभाव है। हिंदू समाज का यह स्वभाव सनातन काल से है। सामान्य तौर पर देश के आम लोगों को जो सुविधाएं मिलती हैं वो आदिवासी समाज को नहीं मिल पातीं। उन्हें देश की मुख्य धारा में लाए बिना समाज का विकास नहीं हो सकता।

डा. मोहन भागवत।

समारोह में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि अब राजनीति की व्याख्या बदलने की जरूरत है। पावर पालिटिक्स या सत्ता पाना अब राजनीति नहीं है। राजनीति का अर्थ अब विकास और सामाजिक सेवा है। देश बदलने के लिए कर्मयोगियों यानि समाज के पिछड़े शोषित वर्ग के विकास के लिए काम करने वाले लोगों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है।

एलपीजी जहाज 'एमटी सर्व शक्ति' 13 मई को विशाखापत्तनम पहुंचेगा

नई दिल्ली, एएनआइ : मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाले एलपीजी टैंकर 'एमटी सर्व शक्ति' ने शनिवार को होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित रूप से पार कर लिया है। भारतीय कार्गो लेकर आ रहे इस जहाज के 13 मई को विशाखापत्तनम पहुंचने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस जहाज में 46,313 मीट्रिक टन एलपीजी लदी है। इस पर 20 सदस्यीय चालक दल सवार है और इसमें से 18 भारतीय नागरिक हैं। इस बीच, बंदरगाह, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में घटनाक्रम के मद्देनजर समुद्री सुरक्षा और शिपिंग संचालन पर एक अपडेट जारी किया। क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटों में भारतीय ध्वज वाले जहाजों से संबंधित कोई घटना रिपोर्ट नहीं हुई है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि शिपिंग महानिदेशालय का नियंत्रण कक्ष स्थिति की सक्रिय रूप से निगरानी कर रहा है। अब तक 2,922 से अधिक भारतीय नाविकों को खाड़ी क्षेत्र से सुरक्षित रूप से वापस लाया गया है।

बिहार में 25 वर्ष पुराना पुल धंसा, तीन दर्जन गांवों से संपर्क टूटा

- वर्ष 2001 में पूर्व सांसद शरद यादव की निधि से हुआ था निर्माण

बिहार के मधेपुर में क्षतिग्रस्त पुल। जागरण

जागरण संवाददाता, मधेपुरा

बिहार के मधेपुरा जिले में शनिवार की सुबह भारी वाहन के गुजरने से 25 वर्ष पुराना पुल धंस गया। पुल जर्जर था। इससे तीन दर्जन से अधिक गांवों का संपर्क मधेपुरा शहर से टूट गया है। जिला प्रशासन द्वारा इस पुल से भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी गई थी। पुल के दोनों ओर बोर्ड भी लगाया गया था।

इसके बावजूद, भारी वाहनों के गुजरने के कारण शनिवार सुबह यह पुल क्षतिग्रस्त हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ ट्रैक्टर चालकों ने बोर्ड हटाकर पुल से गुजरना शुरू कर दिया था। इसके पूर्व भी बीते वर्ष बिहार में कई पुलों के गिरने और क्षतिग्रस्त होने की घटनाएं हो चुकी हैं। कटिहार जिले में बाढ़ के समय में वर्ष 2017 में पुल ध्वस्त हुआ था। अररिया जिले में बकरा नदी के पड़रिया घाट पर बना पुल 18 जून 2024 को ध्वस्त हो गया था।

पुल निर्माण विभाग के सहायक अभियंता पुनेश्वर यादव ने बताया कि शुक्रवार रात एक भारी वाहन के गुजरने से पुल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रशासन द्वारा वैकल्पिक मार्ग (डायवर्जन) तैयार करने की कवायद शुरू कर दी गई है। सुरक्षा के मद्देनजर पुल के दोनों ओर बैरिकेडिंग कर दी गई है। यातायात को पूरी तरह रोक दिया गया है।

केदारनाथ धाम में बम डिस्पोजल स्क्वाड तैनात

जागरण संवाददाता, रुद्रप्रयाग: केदारनाथ धाम की सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। धाम में अर्धसैनिक बलों के साथ-साथ बम निरोधक दस्ते भी तैनात कर दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने बताया कि केदारनाथ मंदिर परिसर तक सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया गया है। सुरक्षा तैयारियों को पुख्ता करने के लिए धाम के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में बम डिस्पोजल स्क्वाड और स्थानीय पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से एंटी-सबोटाज विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक के अनुसार इस अभियान के तहत मंदिर के प्रवेश द्वारों, विश्राम स्थलों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अत्याधुनिक मेटल डिटेक्टर और अन्य उपकरणों की सहायता से गहन जांच की जा रही है। केदारनाथ धाम में ड्रोन के माध्यम से भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों पर नजर रखी जा रही है। इसका उद्देश्य यात्रा को निर्बाध, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाए रखना है। साथ ही किसी भी असामाजिक तत्व की गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

दैनिक जागरण

आत्म-साक्षात्कार जीवन को बेहतर बनाने वाला दर्पण है

शिक्षकों के बिना शिक्षा

यह निराशाजनक है कि राज्यों में शिक्षकों के रिक्त पदों को लेकर शिक्षा मंत्रालय की संसदीय समिति को फिर से चिंता जतानी पड़ी। इस समिति ने पिछले वर्ष भी स्कूली शिक्षकों के खाली पड़े पदों पर चिंता जताते हुए उन्हें इस वर्ष मार्च तक भरने की आवश्यकता पर बल दिया था, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया गया और इसीलिए अब इस समिति ने शिक्षकों के खाली पद भरने में देरी करने वाले राज्यों की वित्तीय मदद रोकने का सुझाव दिया है। समिति के अनुसार जब तक राज्य शिक्षकों के खाली पद नहीं भरते, तब तक उन्हें समग्र शिक्षा अभियान के तहत प्रदान की जाने वाली वित्तीय मदद न दी जाए। यदि ऐसा किया जाता है तो यह भी संभव है कि राज्य वित्तीय सहायता के अभाव में रिक्त शिक्षकों के पद भरने में और अधिक सुस्ती दिखाएं। यह ध्यान रहे कि संसदीय समिति की तरह से शिक्षा मंत्रालय भी राज्यों से शिक्षकों के रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरने का आग्रह कर चुका है, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। यह सामान्य बात नहीं कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शिक्षकों के करीब दस लाख पद खाली पड़े हैं। इनमें लगभग साढ़े सात लाख पद प्राथमिक शिक्षकों के है। इसका अर्थ है कि शिक्षा की बुनियाद ही कमजोर की जा रही है।

यह एक विडंबना ही है कि शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने में पिछले कई वर्षों से ढिलाई बरती जा रही है। यह ढिलाई यही बताती है कि राज्य सरकारें स्कूली शिक्षा की दशा-दिशा सुधारने के प्रति गंभीर नहीं। उनकी इस अगंभीरता का परिचय उन सर्वेक्षणों से मिलता है, जो प्राथमिक शिक्षा की दयनीय दशा को रेखांकित करते रहते हैं। ये सर्वेक्षण यह बताते रहे हैं कि किस तरह चौथी-पांचवीं के छात्रों को सामान्य जोड़-घटाव करने में कठिनाई होती है या फिर वे दो-तीन वाक्य भी सही तरह नहीं लिख पाते। यह ठीक नहीं कि राज्य सरकारें समग्र शिक्षा अभियान के तहत स्कूली शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए वित्तीय मदद तो लें, पर शिक्षकों के रिक्त पद भरने में आनाकानी करें। यह विचित्र है कि जो काम प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए, वही एजेंडे से बाहर दिखता है। इसका प्रमाण यह है कि कुछ राज्यों में कई वर्षों से बड़ी संख्या में शिक्षकों के पद खाली बने हुए हैं। जैसे उत्तर प्रदेश में 2.17 लाख पद खाली हैं। बिहार में 1.92 लाख शिक्षकों के पद रिक्त हैं तो झारखंड में 72 हजार और मध्य प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल में 55-55 हजार। अपेक्षाकृत संपन्न और छोटे राज्य हरियाणा में भी 15 हजार शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। शिक्षकों के खाली पद भरने में कोताही एक तरह से देश की भावी पीढ़ी के भविष्य के साथ जानबूझकर किया जा रहा खिलवाड़ ही है।

हौसले की उड़ान

दृष्टिबाधित, मूक-बधिर छात्रा सारा ने काउंसिल फार द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस की 12वीं की परीक्षा में 98.7 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी जीवटता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की सारा की प्रेरक कहानी बताती है कि शारीरिक अक्षमताओं की बाधाएं हौसले से चूर-चूर हो जाती हैं। सारा की सफलता के पीछे उसके मां-पिता का संघर्ष भी है। छह साल की उम्र में सारा 'सारकाइडोसिस' नामक बीमारी की चपेट में आ गई थी। इसी बीमारी के कारण उसने देखने-सुनने और बोलने की क्षमता खो दी। उसकी ठहर सी गई दुनिया को माता-पिता के हौसले ने गतिमान किया। माता-पिता का धैर्य और आत्मविश्वास कठिन परिस्थितियों में बच्चों की सबसे बड़ी ताकत है। स्कूल बाद में आता है। मां की पाठशाला ही जीवन निर्माण की नींव है। यह सीख उन लाखों अभिभावकों के लिए रोशनी है, जो बच्चों की परवरिश में आए कठिन समय में हिम्मत हार जाते हैं। छोटे-छोटे तनाव में बच्चे अगर गलत कदम उठा रहे हैं, तो जिम्मेदारी माता-पिता की भी है। आवश्यकता है कि बालमन को उसकी चंचलता, उसकी भटकन के लिए कोसने की जगह प्रेरक संदेश देकर ऊर्जान्वित रखा जाए। दुनिया को न देख सकने वाली सारा को आज दुनिया अचरज भरी नजरों से देख रही है, क्योंकि परिवार ने वास्तविकता स्वीकार कर भविष्य संवारने की जीवटता प्रदर्शित की। शाबाश सारा!

> दुनिया को नहीं देख सकने वाली सारा को उसकी जीवटता के कारण आज दुनिया अचरज भरी नजरों से देख रही है

वैश्विक संकट बना अमेरिका-ईरान का टकराव

संजय गुप्त

यदि अमेरिका और ईरान के बीच की तनातनी के चलते होर्मुज समुद्री मार्ग नहीं खुलता तो पश्चिम एशिया का संकट पूरी दुनिया के लिए कहीं बड़े संकट में तब्दील हो जाएगा

होर्मुज समुद्री मार्ग पर ईरान के आधिपत्य जमाने की कोशिश और इसके जवाब में अमेरिका की ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी के चलते पूरे विश्व में ऊर्जा का न केवल संकट बरकरार है, बल्कि वह गहराता भी जा रहा है। जहां अमेरिका ईरान के तेल टैंकरों को नहीं निकलने दे रहा है, वहीं ईरान होर्मुज से तेल और गैस लेकर आ रहे जहाजों को रास्ता नहीं दे रहा है। एक तरह से दोनों देश अड़ियल रवैया अपनाए हुए हैं। यह तब है, जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम भी कायम है। फिलहाल इस युद्धविराम से दुनिया को कोई लाभ नहीं मिल रहा है, क्योंकि पश्चिम एशिया का संकट यथावत है और होर्मुज पहले की तरह बाधित है। ट्रंप ने युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाने के बाद जब ईरान पर परमाणु मसले पर जल्द समझौते के लिए दबाव डालना शुरू किया तो प्रारंभ में तो वह इसका प्रतिकार करते दिखा, पर अपने बंदरगाहों की अमेरिकी नाकेबंदी से वह अब बेचैन दिख रहा है। इसका कारण यह है कि वह अपने तेल का निर्यात नहीं कर पा रहा है। उसके पास अब और अधिक तेल के भंडारण की क्षमता नहीं बची। ऐसे में उसे अपने तेल कुओं को बंद करना पड़ सकता है। इसके नतीजे में उन्हें स्थायी रूप से नुकसान पहुंच सकता है। शायद इसी कारण ईरान ने पाकिस्तान के जरिये अमेरिका को नया प्रस्ताव भेजा, पर वह ट्रंप को रास नहीं आया। देखना है इसके बाद ईरान क्या करता है एवं ट्रंप क्या करते हैं?

यदि ईरान परमाणु मसले पर समझौते से इन्कार करता रहता है तो ट्रंप उसे नए सिरे से निशाना बना सकते हैं, पर उनके लिए ऐसा करना आसान नहीं होगा, क्योंकि पश्चिम एशिया संकट को लेकर वे अपने घर में ही आलोचना से घिर गए हैं। उनके रक्षा मंत्री विपक्षी डेमोक्रेट सांसदों को यह बता पाने में नाकाम हैं कि ईरान के खिलाफ चले 40 दिन के युद्ध में अमेरिका को क्या हासिल हुआ? अमेरिका और ईरान के बीच पहले दौर की वार्ता विफल होने और दूसरे दौर की वार्ता कराने में पाकिस्तान के नाकाम हो जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने संकट सुलझाने के लिए रूसी राष्ट्रपति पुतिन से बात की, लेकिन इससे भी बात बनती नहीं दिखी। इसमें रूस ने ईरान के संवर्धित यूरेनियम को अपने पास रखने का प्रस्ताव दिया, पर बात तभी आगे बढ़ सकेगी, जब ईरान सहमत होगा।

आज यक्ष प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम कायम रहेगा या नहीं, बल्कि यह है कि होर्मुज समुद्री मार्ग खुलेगा या नहीं? यदि यह समुद्री मार्ग नहीं खुलता तो तेल और गैस के दाम नीचे आने वाले नहीं और यदि वे इसी तरह बढ़ते रहे तो पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था डगमगा सकती है। कई देशों में तो तेल और गैस के दाम बढ़ भी गए हैं। इसका प्रतिकूल असर उद्योग-धंधों के साथ रोजगार पर भी पड़ रहा है। अभी तक भारत को केवल एलपीजी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। सरकार को इस किल्लत के बीच कमर्शियल सिलिंडरों के दाम बढ़ाने पड़े हैं। पिछले कुछ समय से कारखानों में इस्तेमाल होने वाली गैस की कमी भी देखी जा रही है और उनका उत्पादन प्रभावित हो रहा है। कहीं-कहीं श्रमिकों के काम के घंटों और दिनों में भी कटौती होने लगी है। एक समस्या यह भी है कि निर्यातक अपना सामान खाड़ी के देश नहीं भेज पा रहे हैं। इसी तरह खाड़ी देशों से तेल और गैस के अलावा अन्य उत्पाद भी नहीं आ पा रहे हैं। इसका भी असर उद्योगों पर पड़ रहा है।

जहां तेल के दाम 125 डालर प्रति बैरल को पार कर गए हैं, वहीं रुपया डालर के मुकाबले 95 के स्तर को लांघ गया है। यह भारत के लिए दोहरा संकट है, क्योंकि इससे आयात बिल बढ़ रहे हैं। कच्चे तेल के बढ़ते मूल्यों और रुपये में गिरावट से महंगाई बढ़ने का खतरा है। अब तो इसकी भी आशंका है कि तेल कंपनियों को अपना घाटा कम करने के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम भी बढ़ाने पड़ सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो महंगाई का तेजी से बढ़ना तय है। महंगाई बढ़ने से आम आदमी के समक्ष संकट तो बढ़ेगा ही, सरकार के लिए भी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। सरकार कुछ भी दावा करे, उसके लिए बहुत दिनों तक पेट्रोल और डीजल के मूल्य स्थिर रखना कठिन होगा। यह ध्यान रहे कि कच्चे तेल के बढ़े दामों के बोझ से आम आदमी को बचाने के लिए सरकार पहले ही अपने टैक्स राजस्व में कटौती कर चुकी है। पिछले माह पेट्रोल और डीजल, दोनों पर उत्पाद शुल्क में कमी की गई थी, लेकिन आगे उसके लिए ऐसा करना कठिन होगा। सरकार ने अभी तक भले ही पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रखे हों, लेकिन उसे कमर्शियल सिलिंडर के दाम बढ़ाने के साथ विदेशी अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के दाम बढ़ाने पड़े हैं। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा महंगी हुई। गत दिवस फिर से एटीएफ के मूल्य बढ़ाए गए। इससे अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा और महंगी होना तय है। कुछ एयरलाइंस की घरेलू यात्रा भी महंगी हो गई है। स्पष्ट है इसका असर लोगों के साथ आर्थिकी पर भी पड़ेगा। ऐसा नहीं है कि केवल गैस की ही किल्लत देखने को मिल रही है। चूंकि उर्वरक उत्पादन में प्राकृतिक गैस का उपयोग होता है, इसलिए उसके भी दाम बढ़ने और उसकी आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। तारकोल भी पेट्रोलियम रिफाइनिंग का एक उप-उत्पाद है और देश में उसकी भी कमी देखी जा रही है।

अवधेश राजपूत

यदि अमेरिका-ईरान के बीच तनातनी जारी रहती है और होर्मुज समुद्री मार्ग नहीं खुलता तो पश्चिम एशिया का संकट पूरी दुनिया के लिए कहीं बड़े संकट में तब्दील हो जाएगा। इसके लिए केवल अमेरिका और इजरायल ही नहीं, बल्कि ईरान भी दोषी होगा, क्योंकि अब वह भी हठधर्मिता दिखा रहा है। जहां अमेरिका चाह रहा है कि ईरान अपने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को स्थगित करे, वहीं पहले इसी मसले पर अमेरिकी प्रतिनिधियों से बात कर रहे ईरानी नेता अब यह कह रहे हैं कि इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता। स्पष्ट है कि ईरान का यह रुख न तो अमेरिका को स्वीकार होगा, न इजरायल को और न ही खाड़ी देशों को।

response@jagran.com

बाजार में भी बिकने लगी हंसी

हास्य-व्यंग्य

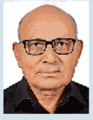

सूर्यकुमार पांडेय

टीवी, मोबाइल, रील्स, मीम्स ने ऐसा माहौल बना दिया हैं कि अब हम हंसते कम, रिएक्ट ज्यादा करते हैं

हसीन चेहरों को तलाशती हुई नजरें आज हंसी तलाश रही हैं। मौका ही कुछ ऐसा है। एक बेंच पर बैठे हुए दो बुजुर्ग अपने बीते दिनों को याद कर रहे हैं। उनके पोपले गालों से हंसी कुछ इस तरह छिटक रही है, जैसे गरम बालू की कड़ाही से भुट्टे के दाने फूट कर बाहर आते हैं। तीन मई को मनाए जाने वाले विश्व हास्य दिवस से अनजान ये बुजुर्ग बिना किसी औपचारिक आयोजन के ही हास्य का असली उत्सव मनाने में लगे हैं। उनकी बातों में व्यंग्य था, कटाक्ष था और सबसे जरूरी चीज हंसी थी। वह हंसी जो आज के समय में किसी 'दुर्लभ खनिज' की तरह हो गई है। हंसी के मुद्दे पर उनमें से एक बुजुर्ग कहने लगते हैं, 'बरखुरदार, जहां हंसी होती है, वहां खुशी होती है। जहां खुशी होती है वहां हंसी-मजाक होता ही है। हंसी-मजाक के लिए भेंट-मुलाकात भी तो जरूरी है। जबकि इस इंटरनेटिया काल में हमारे होंठ वार्तालाप के लिए खुलते हैं और आंखें स्क्रीन पर गड़ी रहती हैं।'

दूसरे बुजुर्ग भी बोल पड़ते हैं, 'आज के बच्चे रील देखने में मगन हैं और अपने हिस्से की हंसी तलाश रहे हैं। वे आनलाइन चुटकुले पढ़ रहे हैं और अकेले में हंस लेते हैं। समूह वाले मस्त ठहाकों का तो जैसे टाइम ही चला गया।' मैंने कहा, 'आप दोनों की बात पर मुझे याद आया कि चूंकि आज हास्य दिवस है, इसलिए हमें विशेष रूप से हंसना चाहिए। जैसे साल में एक दिन पौधारोपण की औपचारिकता निभाई जाती है, वैसे ही एक दिन हंसने की रस्म भी निभा ली जाए।' इस पर तीनों ही किसी लाफ्टर शो के बैकग्राउंड वाली हंसी हंसने लगे।

उन दोनों की हंसी में बनावट नहीं थी। वह सच्ची थी और इसीलिए दुर्लभ भी थी, क्योंकि आजकल की हंसी अक्सर 'फिल्टर' लगाकर आती है, जैसे फोटो पर 'ब्यूटी फिल्टर', वैसे ही हंसी पर 'सोशल फिल्टर।' कहीं ज्यादा हंस दिए तो लोग कहेंगे कि बड़ी फुर्सत में है और कम हंसे तो बड़े एटीट्यूड में है। एक बुजुर्ग ने कहा, 'हमारे जमाने में दुख भी हंसकर झेल लेते थे। अब तो लोग खुशी में भी गंभीर रहते हैं। कहीं जोर से हंस दिए तो लोग समझेंगे कि इनके पास मैनर नाम की चीज नहीं है।' दूसरे बुजुर्ग तुरंत समर्थन करते हैं, 'सही कहा! आज तो यह हंसी भी एक तरह का स्टेटस सिंबल ही हो गई है। तनिक सा मुस्कुराने वाले सौम्य और कुलीन समझे जाते हैं और बुक्का फाड़ हंसी वालों को भदेस समझा जाता है।'

हंसने-मुस्कराने के बदलते रुझान पर एक बुजुर्ग ने कहा, 'आजकल लोग हंसने के लिए भी हास्य क्लब में जाते हैं। सुबह पार्क में खड़े होकर 'हा-हा-हा' करते हैं। जबकि असलियत तो यही है कि हंसी किसी एप, किसी मीम में नहीं, बल्कि आसपास और अपने लोगों में ही मिलती है। पहले दादा-दादी की कहानी पर घर चहक उठता था। अब दादी भी पूछती हैं कि बेटा, ये जोक किस चैनल का है? घर की हंसी आउटसोर्स हो गई है। टीवी, मोबाइल और रील्स ने ऐसा माहौल बना दिया है कि हम हंसते कम, रिएक्ट ज्यादा करते हैं।" बाजार में भी हंसी बिकती है, लेकिन अजीब बात है कि खरीदने के बाद टिकती नहीं। बिल्कुल वैसे जैस सेल में खरीदी सस्ती कमीज पहली धुलाई के बाद ही पहचान में नहीं आती।

बातचीत का यह सिलसिला और आगे बढ़ पाता, उससे पहले ही दोनों बुजुर्ग उठे। एक ने दूसरे से कहा, 'चलो भाई, आज का कोटा पूरा हुआ। एक दूसरे से थोड़ी हंसी उधार लेने के लिए कल फिर मिलेंगे।' मुझे लगा कि दुनिया चाहे जितनी बदल जाए, कुछ लोग हंसी के असली सप्लायर बने ही रहेंगे। समय के साथ इसका आपूर्ति बढ़ाना भी आवश्यक हो चला है।

response@jagran.com

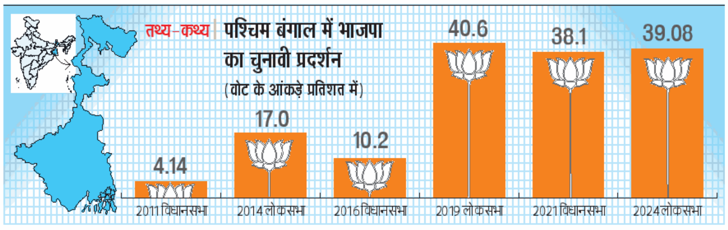

ऊर्जा

एकाग्रता

मानव जीवन की सबसे जटिल चुनौतियों में से एक है-मन को स्थिर करना। हम सभी अनुभव करते हैं कि हमारा मन निरंतर परिवर्तनशील रहता है-कभी शांत, तो कभी अत्यंत चंचल। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यह चंचलता हमारी अपनी है या इसके पीछे कोई गहरा कारण निहित है? वस्तुतः मन की अस्थिरता का मूल कारण प्रकृति का प्रभाव है और उससे मुक्ति का मार्ग साधना में निहित है।

मन को प्रकृति के प्रभाव से मुक्त करना सरल कार्य नहीं है। मानव चेतना सीमित है, जबकि प्रकृति अनंत और सर्वव्यापी है। सामान्यतः यह मान लिया जाता है कि सीमित चेतना पर केवल सीमित प्रभाव पड़ेगा, किंतु यह धारणा पूर्णतः सही नहीं है। प्रकृति कोई विभाजित शक्ति नहीं, बल्कि एक अखंड, अद्वितीय सत्ता है, जिसका प्रभाव प्रत्येक चेतन इकाई पर समान रूप से पड़ता है। इसी कारण साधना केवल एक साधारण अभ्यास नहीं, बल्कि एक गहन आंतरिक संघर्ष है। यह संघर्ष व्यक्ति की व्यक्तिगत कमजोरियों से आगे बढ़कर प्रकृति की व्यापक शक्ति से होता है। साधक को इस प्रभाव के बीच अपने आत्मबोध को जागृत करना पड़ता है।

प्रकृति का एक प्रमुख गुण उसकी चंचलता है। वह निरंतर परिवर्तनशील है और यही गुण वह अपनी सृष्टि में भी प्रतिबिंबित करती है। इसीलिए संपूर्ण सृष्टि निरंतर गतिशील बनी रहती है। जो कुछ भी इस जगत में दिखाई देता है, वह मूलतः ब्रह्मांडीय चेतना का रूपांतरण है। जब प्रकृति इस चेतना को प्रभावित करती है, तो न केवल बाहरी जगत में परिवर्तन आता है, बल्कि मन के स्तर पर भी हलचल उत्पन्न होती है। अतः एकाग्रता की प्राप्ति केवल मानसिक अभ्यास नहीं, बल्कि एक निरंतर साधना है, जिसमें मनुष्य अपने भीतर की चंचलता को समझकर उसे स्थिरता में रूपांतरित करता है। यही साधना अंततः उसे आंतरिक शांति और आत्मिक संतुलन की ओर ले जाती है।

श्री श्री आनंदमूर्ति

गर्म होती नदियों से बढ़ रहा उत्सर्जन

मुकुल व्यास

नदियां मानव जाति की जीवन रेखा हैं, लेकिन अब जलवायु परिवर्तन का नदियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा हैं

एक नए शोध के अनुसार दुनिया भर की नदियां 2002 से ज्यादा गर्म हो गई हैं। उनमें आक्सीजन की कमी हो गई है। नया अध्ययन नदियों को होने वाले नुकसान को एक जलवायु समस्या के रूप में देखता है, क्योंकि जिन बदलावों से मछलियों पर बुरा असर पड़ता है, उन्हीं कारणों से हवा में गैसें भी फैलती हैं। दुनिया में 5,084 जल-ग्रहण क्षेत्रों अथवा कैचमेंट क्षेत्रों में यह पैटर्न पिछले दो दशकों में सामने आया है। जर्मनी के कार्लस्रू इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी की एक टीम ने 2002 से 2022 तक नदी घाटियों में हुए बदलावों पर नजर रखी। शोधकर्ताओं ने पाया कि दुनिया भर में नदियां ज्यादा गर्म और गैसों से भरपूर होती जा रही हैं। यह बदलाव सिर्फ कुछ प्रदूषित नदियों तक ही सीमित नहीं था।

इससे यह सवाल खड़ा होता है कि गर्म होते पानी में आक्सीजन की कमी क्यों और कैसे होती है? गर्म पानी में घुली हुई आक्सीजन कम होती है। यह वह आक्सीजन है, जिसका इस्तेमाल जानवर जीवित रहने के लिए करते हैं। सूक्ष्मजीव इस आक्सीजन का और भी ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, क्योंकि वे मिट्टी, खाद और गंदे पानी से बहकर आए जैविक पदार्थों को खाते हैं। जब खेत और शहर नदियों में अतिरिक्त पोषक तत्व छोड़ते हैं, तो इन सूक्ष्मजीवों को और ज्यादा ऊर्जा मिलती है और वे तेजी से काम करने लगते हैं। पानी के गंदा दिखने से काफी पहले ही आक्सीजन की कमी के कारण मछलियों, कीड़े-मकोड़ों और नदी में रहने वाले अन्य जीवों पर बुरा असर पड़ना शुरू हो जाता है। सूक्ष्मजीवों वाली यही प्रक्रिया ग्रीनहाउस गैसें भी पैदा करती हैं, जो हवा में पहुंचने के बाद गर्मी को अपने अंदर रोक लेती हैं। कार्बन से भरपूर कचरे से कार्बन डाइआक्साइड निकलती है। गर्मी बढ़ाने वाला ज्यादातर असर कार्बन डाइआक्साइड की वजह से ही हुआ, पर दूसरी छोटी गैसों का भी इसमें योगदान रहा। जब गर्मी के साथ-साथ खाद, कचरा और पक्की सड़कें भी आईं, तो खेती की जमीन और शहरी इलाकों ने नदियों में सबसे ज्यादा बदलाव किए। खेतों से खाद और ढीली मिट्टी नदियों में जाती है, जबकि शहरों से गर्म पानी का बहाव, पक्की सड़कों की गर्मी और गंदा पानी नदियों में मिलता है। गर्मी ने नदी की भौतिक और जैविक बनावट को बदल दिया है। गर्म पानी में आक्सीजन कम घुल पाती है। जैसे-जैसे रासायनिक प्रतिक्रियाएं तेज होती हैं, सूक्ष्मजीव भोजन का तेजी से उपभोग करते हैं।

इस अध्ययन का मुख्य निष्कर्ष यह है कि यदि हम हानिकारक पदार्थों के बहाव को कम करके नदियों की बेहतर सुरक्षा करने में सफल होते हैं, तो इस प्रभाव को उलटा जा सकता है। बेहतर निगरानी और साफ प्रवाह से नुकसान कम हो सकता है, लेकिन इसके लिए जलवायु प्रबंध की योजनाओं में नदियों को भी शामिल करना जरूरी है।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

राजरंग

राजा का नया दरबार

वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की दिल्ली की पारी अब समाप्त होती दिखाई दे रही है। राज्यसभा में वापसी के रास्ते लगभग बंद हो चुके हैं। शायद यह पुराने 'दरबार' की स्मृतियों का ही प्रभाव है कि मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री इन दिनों एक नए अंदाज में सक्रिय नजर आ रहे हैं। उनकी कार्यशैली में एक तरह की नई ऊर्जा दिखाई दे रही है। मीडिया से संवाद के लिए नया वाट्सएप ग्रुप बनाया गया है और जनसंपर्क की गतिविधियां भी तेज कर दी गई हैं। दिलचस्प बात यह है कि ध्रुवीकरण की राजनीति में लंबे समय से सेक्युलर छवि के साथ पहचान रखने वाले 'राजा साहब' अब राम कथा का आयोजन कर रहे हैं और स्वयं विभिन्न नेताओं को आमंत्रित करने के लिए सक्रिय हैं। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा स्वाभाविक है कि दिल्ली की पारी के बाद अब उनकी नजरें भोपाल की राजनीति पर टिक गई हैं। संकेत साफ हैं-दिग्विजय सिंह शायद एक बार फिर प्रदेश की सियासत में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी कर रहे हैं।

कौन थे खेल मंत्री

वक्त की ताकत से कोई इन्कार नहीं कर सकता। हाल में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी एक कार्यक्रम में इसका दिलचस्प अंदाज में जिक्र किया। उन्होंने बताया कि जब वे पहली बार सांसद बने थे, तब अपने क्षेत्र में खेल सुविधाएं विकसित कराने के लिए उन्हें एक खेल मंत्री के पास बार-बार जाना पड़ा, लेकिन मंत्री ने उनकी बात पर ध्यान देने के बजाय उन्हें लगातार टहलाया। ओम बिरला ने मुस्कुराते हुए कहा कि 'मंत्री जी का समय चला गया और अब मेरा समय आ गया।' आज उनके क्षेत्र में एक-दो नहीं, बल्कि कई इनडोर स्टेडियम, खेल परिसर और एस्ट्रोटर्फ मैदान विकसित हो चुके हैं। हालांकि यह टिप्पणी उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में की, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसके बाद से एक नया सवाल तैरने लगा कि आखिर वे खेल मंत्री कौन थे, जिन्होंने उन्हें इतने चक्कर लगवाए? यदि समय-सीमा को देखें, तो 2014 से 2019 के बीच केंद्र में खेल मंत्रालय की जिम्मेदारी कई नेताओं ने संभाली थी। इनमें सर्बानंद सोनोवाल और राज्यवर्धन सिंह राठौर अपेक्षाकृत अधिक समय तक इस पद पर रहे। वहीं जितेंद्र सिंह और विजय गोयल ने भी कुछ समय के लिए यह जिम्मेदारी निभाई। राजनीति में ऐसे संकेत अक्सर सीधे जवाब नहीं देते, बल्कि जिज्ञासा को जन्म देते हैं और शायद यही इसकी रोचकता भी है।

विपक्ष की बेचैनी

पांच राज्यों के चुनावी नतीजों का इंतजार जहां एक ओर दिल थामकर किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इन चुनावों के अनुभवों को लेकर विपक्षी खेमे में भविष्य की रणनीति पर मंथन शुरू हो गया है। एसआइआर विवाद को लेकर विपक्ष पहले ही चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठा रहा था, जबकि भाजपा का दावा था कि जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए, उनके पास आवश्यक दस्तावेज ही नहीं थे। अब पश्चिम बंगाल में केंद्रीय बलों, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और राष्ट्रीय जांच एजेंसी जैसी एजेंसियों की असाधारण तैनाती ने विपक्षी दलों की चिंता और बढ़ा दी है। हालात ऐसे बन गए हैं कि आपसी प्रतिस्पर्धा के बावजूद विपक्षी दल इस मुद्दे पर एक-दूसरे से चर्चा करने को मजबूर हैं। चुनावी मैदान में कांग्रेस ने भी तृणमूल कांग्रेस सरकार की तीखी आलोचना की। राहुल गांधी ने भी ममता सरकार पर ध्रुवीकरण और कुप्रशासन के आरोप लगाए। हालांकि अब चुनावी परिणामों से पहले ही विपक्ष के भीतर साझा रणनीति बनाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। दरअसल इन चुनावों का असर केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच की राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विपक्षी गठबंधन के भीतर भी नए समीकरण तय करेगा। यदि ममता बनर्जी एक बार फिर जीत हासिल करती हैं, तो विपक्ष के भीतर उनका कद और मजबूत होगा, जिससे कांग्रेस के सामने नेतृत्व की चुनौती और बढ़ सकती है। वहीं यदि उन्हें हार का सामना करना पड़ता है, तो 2029 की तैयारी कर रहे विपक्ष के मनोबल को झटका लग सकता है। ऐसी स्थिति में भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल एक नई राजनीतिक जमीन बन सकता है, ठीक वैसे ही जैसे 2024 में ओडिशा ने उसके लिए अहम भूमिका निभाई थी।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा-201309 से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

56 केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं भारत में वर्तमान में, जो शिक्षा मंत्रालय के उच्चतर शिक्षा विभाग के तहत संचालित हैं। लेकिन इन विश्वविद्यालयों से ऐसी एक भी पत्रिका का प्रकाशन नहीं होता है जिनकी पहुंच अकादमिक जगत से बाहर तक हो।

आजकल

स्तरीय शोध-प्रकाशन को कैसे लगें पंख

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

कोलंबिया में आयोजित पुस्तक मेले में देखा कि वहां के सभी विश्वविद्यालयों की अपनी पत्रिकाएं एवं पुस्तकें थीं। भारत लौटने पर जब यहां के विश्वविद्यालयों के बारे में जानकारी ली तो पता चला कि यहां राज्य विश्वविद्यालयों की तो छोड़िए, केंद्रीय विश्वविद्यालयों से भी एकाध अपवाद को छोड़ दिया जाए तो कोई स्तरीय शोध पत्रिका नहीं निकलती है। संभव है कि इन केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से कुछ विश्वविद्यालय या उनके विभाग पत्रिकाएं निकालते हों, लेकिन उन पत्रिकाओं की प्रतिष्ठा नहीं है और उनकी पहुंच अकादमिक जगत से बाहर होती नहीं है

कोलंबिया की राजधानी बोगोटा में वर्तमान में आयोजित पुस्तक मेला। जागरण

कोलंबिया की राजधानी बोगोटा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला (फिलबो) में अलग-अलग मंडप में देश-विदेश के प्रकाशकों ने अपने स्टाल लगाए थे। फिलबो में कोलंबिया के विभिन्न शहरों में स्थित सरकारी और निजी विश्वविद्यालय के लगभग 75 स्टाल लगे थे। अलग-अलग विश्वविद्यालय के स्टाल और वहां उस विवि के प्रकाशनों को प्रदर्शित किया गया था। सभी विश्वविद्यालयों की अपनी पत्रिकाएं थीं, पुस्तकें थीं। उन स्टालों पर घूमते हुए ये महसूस हुआ कि कोलंबिया के निजी और सरकारी विवि के अपने-अपने नियमित प्रकाशन हैं जो साहित्य, कला, संगीत से लेकर इतिहास और विज्ञान की पुस्तकों का नियमित प्रकाशन करते हैं। अधिकतर पुस्तकें स्पैनिश भाषा में थीं। मंडप में दो तीन घंटे बिताकर विश्वविद्यालय के प्रकाशनों को देखकर जब बाहर निकला तो मन में प्रश्न उठ रहा था कि भारत के विश्वविद्यालयों में इस तरह के प्रकाशन क्यों नहीं होते हैं। अपने यहां के विश्वविद्यालयों से कोई स्तरीय पत्रिका क्यों नहीं निकलती है। विश्वविद्यालयों में होनेवाले दर्जनों शोध प्रबंधों में से चुनिंदा शोध के प्रकाशन की व्यवस्था क्यों नहीं है। राज्य विश्वविद्यालयों को छोड़ भी दें तो जो चार दर्जन केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं, वहां से भी कोई स्तरीय शोध पत्रिका नहीं निकलती है।

देश की राजधानी दिल्ली में भी कई केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं। हर वर्ष यहां से सैकड़ों छात्र अलग-अलग विषयों पर शोध करते हैं। इन विश्वविद्यालयों से उत्कृष्ट शोध को प्रकाशित करने की जानकारी नहीं मिल पाती है। कोलंबिया पुस्तक मेला में यह पता चला कि वहां के विश्वविद्यालय प्रकाशन करते हैं या फिर निजी प्रकाशकों से करार करके बेहतर पुस्तकों का प्रकाशन करवाते हैं। निजी प्रकाशकों को विश्वविद्यालय के शिक्षकों के स्तर से पुस्तकें तैयार करवाकर प्रकाशकों को दी जाती हैं, ताकि स्तरीयता कायम रह सके। वर्धा में जब महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी और अशोक वाजपेयी उसके पहले कुलपति बने थे, तब इस तरह के कुछ प्रयास हुए थे। विश्वविद्यालय ने बहुवचन, पुस्तक वार्ता और अंग्रेजी में हिंदी नाम की एक पत्रिका निकाली थी। कुछ पुस्तकों का प्रकाशन भी हुआ था। पर अशोक वाजपेयी की अपनी सीमाएं हैं और ये सीमाएं बेहतर करने में बाधक होती रही हैं। विभूति नारायण राय के समय पत्रिकाएं ठीक निकलीं। वर्धा शब्दकोश का भी प्रकाशन हुआ, लेकिन शब्दकोश अपडेट नहीं हो पाया। बाद के वर्षों में विश्वविद्यालय की पत्रिकाएं अनियमित हो गईं, संयुक्तांक निकलने लगे। जो पत्रिकाएं निकलीं उनको ही पुस्तकाकार प्रकाशित करवाया गया। स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के समय भी केंद्रीय विश्वविद्यालयों से अपेक्षा की गई थी कि वहां से कुछ स्तरीय पुस्तकों का प्रकाशन होगा। पुस्तकों का प्रकाशन हुआ भी, लेकिन संपादित लेखों से आगे जाकर कोई उल्लेखनीय पुस्तक नहीं आई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को आए पांच वर्ष से अधिक हो गए, लेकिन उसपर आधारित उल्लेखनीय पुस्तकें नहीं आ पाईं। इन दिनों विवि के शिक्षकों में लेखकों से लेख लिखवाकर संपादित पुस्तकें प्रकाशित करवाने का चलन बढ़ा है। मौलिक पुस्तकों की अपेक्षा संपादित पुस्तकें अधिक आ रही हैं। यह कार्य आसान है। कोई विषय चुनिए और लेखकों से लेख लिखवा अपने नाम से संपादित पुस्तक प्रकाशित करवा लीजिए।

कोलंबिया से लौटकर अकादमिक जगत के एक वरिष्ठ प्रोफेसर से इस संबंध में विस्तृत चर्चा की। उनसे इसका कारण जानना चाहा। उन्होंने जो बताया वह मेरे लिए चौंकानेवाला था। उनका कहना था कि विश्वविद्यालयों को केंद्र सरकार ने पहले से कई गुणा अधिक सुविधाएं दी हैं। शिक्षकों को पठन-पाठन का बेहतर वातावरण उपलब्ध करवाया है। परंतु अधिकतर विश्वविद्यालयों के नेतृत्व का ध्यान अकादमिक उत्कृष्टता की ओर कम है। अकादमिक उत्कृष्टता से अधिक उनका ध्यान आयोजनों पर होता है, जिसमें लोगों को उपकृत करने का अवसर होता है। आयोजन करना बुरी बात नहीं है, लेकिन उन आयोजनों से क्या संदेश निकले या उन आयोजनों में जो वक्तव्य दिए गए उनको आधार बनाकर ही उसके दस्तावेजीकरण का प्रयास नहीं होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरंतर विश्वविद्यालयों में स्तरीय शोध हो इसके लिए तमाम तरह के संसाधन मुहैया करवाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे, लेकिन शोध तो शिक्षकों को ही करना होगा। विश्वविद्यालय के सीनियर प्रोफेसरों से यह अपेक्षा की जाती है कि वो अपने अधीन बेहतर शोध करवाएं चाहे विषय विज्ञान का हो, इतिहास का हो या मानविकी का हो। ऐसा दिखता नहीं है।

पिछले दिनों राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश जी से बात हो रही थी, उन्होंने इसपर चिंता व्यक्त की कि भारतीय साहित्य जगत पिछले एक दशक में भारत में हो रहे बदलावों को दर्ज करने में लगभग असफल रहा है। उन्होंने इसमें समाज विज्ञानियों और राजनीति पर लिखनेवालों को भी जोड़ा और कहा कि समाज, राजनीति, विदेश नीति आदि में जो उल्लेखनीय बदलाव हुआ है उस ओर लेखकों और अकादमिक जगत का ध्यान नहीं जा रहा है। कहना न होगा कि हरिवंश की चिंता उचित है। मैं इसमें देशभर के विश्वविद्यालयों को भी जोड़ता हूं जिनके पास अवसर है इन बदलावों को रेखांकित करने का।

प्रोफेसर साहब ने एक और बात रेखांकित की, केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्तियां भी समय पर नहीं हो पाती हैं। उनके मुताबिक अभी भी आधे दर्जन या उससे अधिक केंद्रीय विश्वविद्यालय नेतृत्वविहीन हैं। उन्होंने पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय का उदाहरण देते हुए बताया कि कुलपति के लिए चयनित प्रत्याशियों से चयन समिति ने बातचीत कर ली थी। संभावित पैनल भी तैयार हो गया था, लेकिन कुछ दिनों पहले कुछ अन्य उम्मीदवारों को बुलाकर चयन समिति ने बात की। नियुक्ति फिर भी नहीं हो पाई है। कई केंद्रीय विवि बगैर कुलपति के या कामचलाऊ कुलपति के भरोसे चल रहे हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि विवि नेतृत्वविहीन होंगे तो वहां काम क्या होगा।

जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरंतर शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं, ऐसे में आधे दर्जन केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति में देरी होने का कारण समझ नहीं आता। नियुक्ति से इतर भी बात करें तो विश्वविद्यालय के शिक्षकों की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। अगर उनको पठन पाठन और अध्ययन के लिए उचित समय और अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं तो हर वर्ष इस बात का स्पष्ट आकलन हो कि उन्होंने पद के अनुरूप कितना कार्य किया। अभी जो व्यवस्था है उसमें शिक्षक स्वयं का आकलन करके विश्वविद्यालय के इंटरनल क्वालिटी अस्योरेंस सेल को भेजते हैं। इसमें बदलाव की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अपेक्षा की जानी चाहिए कि वो इस बारे में विचार कर निर्णय ले।

खरी खरी

पुजारी के अधीन भगवान

राजेंद्र कुमार सिंह

एक बहुत पुरानी कहावत है कि जौ के साथ घुन भी पिस जाता है। देखा जाए तो हमारे विधाता का भी इस कहावत से गहरा रिश्ता है। तभी तो उन्हें कुछ नहीं सूझता। क्योंकि वे हमेशा दूसरों के अधीन रहकर बुद्धिहीन-से हो गए हैं।

कहा जा सकता है कि पुजारी ने आपको अपने अधीन करके आपका दीवाला निकाल दिया है। वह जैसा चाहता है, आप भी वैसा ही करते हैं। वह अपना नियम-कानून, कायदा चलाता है, जिसमें उसी का फायदा होता है। मैं जिस मोहल्ले में रहता हूं, वहां मंदिर का घंटा या लाउडस्पीकर बजाकर हमेशा हल्ला-शोरगुल होता रहता है। हाल ही में उसी मंदिर में एक बहुत बड़े कथावाचक जी आए थे, जो जनता के लिए 'पाचक' का काम कर गए और 'याचक' बनकर बहुत कुछ ले उड़े। दूसरे शब्दों में कहूं तो कथावाचक जी की मंदिर की तरफ से खूब आवभगत हुई, बढ़िया दान-दक्षिणा भी उन्हें मिली। भक्तों ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी उन्हें दान-दक्षिणा देने में। उन्होंने जैसा आशीर्वाद दिया, इन्होंने भी वैसा ही दान या बख्शीश दी।

पहले मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए कोई भी किसी भी प्रकार के कपड़े पहनकर जा सकता था। लेकिन अब नया नियम बन गया है। पहले ड्रेस कोड नहीं था- किसी भी तरह की ड्रेस पहनकर मंदिर परिसर में जाकर भगवान को अपना चेहरा दिखा सकते थे। हालांकि अधिकांश लोग मंदिर में जाने के अनुरूप ही ड्रेस पहनकर वहां पहुंचते रहे हैं। परंतु अब गेट पर एक और पुजारी तैनात हो गया है जो यह चेक करता है कि मंदिर में प्रवेश के लिए कौन-सी ड्रेस 'परफेक्ट' है। पहले नाइट ड्रेस या मैक्सी पहनकर अगल-बगल की महिलाएं किसी भी वक्त मंदिर में चली जाती थीं। अब मैक्सी, नाइट ड्रेस आदि पर रोक लग गई है, साथ ही जींस पहनकर मोहल्ले के जो भी तथाकथित 'प्रिंस' थे, उनके जाने पर भी प्रतिबंध लग गया। आम आदमी की तो गिनती ही मत कीजिए।

जब से कथावाचक जी आए, वही पुजारी जी को नए-नए नियम बता गए। पुजारी जी बीच-बीच में शिगूफा छोड़ते रहते हैं और भक्तों के सिर पर नए-नए नियमों का ठीकरा फोड़ते रहते हैं। वैसे मुझे मंदिर से बहुत अधिक लगाव नहीं के बराबर है। लेकिन जब मेरे घर मेहमान आते हैं, तभी मंदिर जाने का मन होता है। क्योंकि उन्हें घुमाना मजबूरी होती है, इसलिए मंदिर ले जाना जरूरी समझ में आता है। मंदिर ही एकमात्र ऐसी जगह बची है जहां जाने के लिए आपको शुल्क नहीं देना होता है।

खैर, अभी जो भी नया नियम लागू है, वह भगवान के मुख से नहीं, बल्कि पुजारी के द्वारा लाया गया है। क्योंकि सारा कर्ता-धर्ता तो पुजारी ही होता है। भगवान तो पुजारी के अधीन रहते हैं। मंदिर का पुजारी महान होता है, इसलिए वह उन्हें स्वतंत्र नहीं छोड़ता, बल्कि मंदिर बंद करते समय भी ताला जड़कर जाता है।

आज के संदर्भ में बात करें तो बिहार में अतिक्रमण हटाने का दौर चल रहा है। यदि गौर करें तो हनुमान और भोले शंकर की मूर्तियां भी रस्सी में बांधकर खींची जा रही हैं, जबकि इंसान अपनी आंखों के सामने नुकसान होते देख दहाड़ मारकर रोता है, पर भगवान कोई चमत्कार दिखा नहीं पाते। पिछले दिनों ही दिल्ली का चौदह सौ साल पुराना मंदिर भी टूट गया, लेकिन यह सब करामात देखकर भी भगवान के सब्र का बांध नहीं टूटा। यदि चमत्कार होता तो जैसे आदमी रोता है, अपना आपा खोता है, वैसे भगवान भी रोते, अपना आपा खोते। लेकिन क्या करें, वे तो पुजारी के अधीन हैं। उसका ककहरा पढ़कर भगवान भी गूंगे-बहरे हो गए हैं।

(लेखक व्यंग्यकार हैं)

पोस्ट

जबलपुर क्रूज हादसे में इसकी भी जांच होनी चाहिए कि उसमें सवार सभी लोगों ने पहले से ही लाइफ जैकेट क्यों नहीं पहनी थी। इस हादसे से भविष्य के लिए सबक सीखना भी जरूरी है।
आरके विज@ipsvijrk

अरविंद केजरीवाल पूरी तरह घबराए हुए हैं। इसीलिए वे संदीप पाठक को गिरफ्तार करने के लिए बेताब हैं। संदीप आम आदमी पार्टी के वे नेता हैं, जिन्होंने केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। कुछ ही दिनों के भीतर पंजाब पुलिस ने अलग-अलग जिलों में उनके खिलाफ दो मामलों में एफआइआर दर्ज की है, जो गैर-जमानती मामलों से जुड़ी हैं।
संदीप फौगाट@MrSandeepPhogat

आपके मोबाइल फोन पर आया आपातकालीन अलर्ट रूपी संदेश एक सफल प्रयोग मात्र था। केंद्र सरकार ने भविष्य में किसी भी आपदा या आपात स्थिति में त्वरित सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से स्थानीय भाषा और लोकेशन के अनुसार तुरंत अलर्ट भेजने की तकनीक विकसित की है। मोदी सरकार का यह कदम नागरिक सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने का प्रकल्प है।
विनोद तावड़े@TawdeVinod

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में वृद्धि से महंगाई बढ़ने की आशंका है?

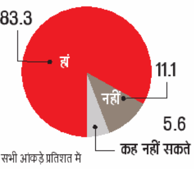

सभी आंकड़े प्रतिशत में

आज का सवाल

क्या आइपीएल का फार्मेट गेंदबाजों की मुश्किलें बढ़ाने वाला है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है

जनपथ

मुखिया जिस दल का करे मदिरा का व्यापार,
मदिरा पीना तो वहां जन्मसिद्ध अधिकार।
जन्मसिद्ध अधिकार सदन में पीकर जाओ,
अड़बड़ गड़बड़ बोल सदन का 'मान' बढ़ाओ!
देखि-देखि यह हाल स्वर्ग में गांधी दुखिया,
लेकर जिनका नाम करे 'सत्याग्रह' मुखिया!!
-ओम प्रकाश तिवारी

रचनाकर्म

भारतीय अस्मिता बोध के उन्नायक की कथा

सुजाता शिवेन

'स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा।' लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की इस हुंकार से हम सभी परिचित हैं, लेकिन क्या हमें यह पता है कि ब्रिटिश साम्राज्य ने इस दुस्साहसिक नारे पर क्या प्रतिक्रिया दी थी? वह ब्रिटिश साम्राज्य, जिसके शासनकाल में कभी सूरज अस्त नहीं होता था। आखिर ब्रिटिश प्रभुत्व ने तिलक को साम्राज्य के लिए सबसे बड़ा खतरा क्यों माना था? क्यों न्यायाधीश रोलेट और लंदन के 'द टाइम्स' ने उन्हें 'भारतीय अशांति का जनक' कहा, तो ब्रिटिश राज ने तिलक को राजद्रोह का मुख्य सूत्रधार माना? पत्रकार और लेखक वैभव पुरंदरे की पुस्तक 'तिलक : द एंपायर्स बिगेस्ट एनेमी' ऐसे हर प्रश्न का उत्तर देती है। स्मिता सिन्हा ने इस पुस्तक का हिंदी अनुवाद किया है, जो 'तिलक : साम्राज्य का सबसे बड़ा शत्रु' नाम से प्रकाशित हुई है। पुरंदरे ने अपनी किताब में कोंकण के एक छोटे से गांव से निकले तिलक के विशाल भारत भूमि में 'स्व', 'संस्कृति', 'परंपरा' का बोध कराने और 'स्वराज' का सपना दिखाकर 'लोकमान्य' के रूप में छा जाने वाले नायक की कहानी कही है। पुस्तक बताती है कि ऐसे समय में जब ब्रिटिश भारतीयों को 'असभ्य विधर्मी' कह रहे थे, तब तिलक ने सशक्त ढंग से यह तर्क दिया कि भारत का अतीत न केवल गौरवशाली है, बल्कि उसकी संस्कृति, विरासत और सभ्यता में अपार मूल्य हैं। तिलक के विचारों ने भारतीयों में स्व-गौरव बोध जाग्रत किया, तो अंग्रेजों को असहज। उन पर तीन बार राजद्रोह का मुकदमा चला।

पुरंदरे तिलक के जीवन को चार हिस्सों में बांटकर देखते हैं। तिलक का जन्म 1857 के महान विद्रोह से ठीक एक वर्ष पूर्व हुआ था। पहला दौर वर्ष 1856 से 1884 तक उनके जीवन के शुरुआती 28 साल का है। जब वे शिक्षा और गणित की लगन, तैराकी के जुनून और समाज के लिए कुछ करने की भावना से ओतप्रोत थे। उन्होंने विष्णुशास्त्री चिपलूणकर और गोपाल गणेश आगरकर के साथ भारतीय संस्कृति की शिक्षा देने वाला स्कूल और कालेज शुरू किया। इसी समय मराठी में 'केसरी' और अंग्रेजी में 'मराठा' नामक अखबार शुरू किए। डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी में गोपाल कृष्ण गोखले और आगरकर से मतभेद के बाद तिलक का राजनीतिक जीवन शुरू हुआ। वर्ष 1885 से 1897 के बीच वे पूरी तरह से सार्वजनिक और राजनीतिक कामों में जुट गए।

इस पुस्तक में एक छोटे से गांव से निकले बाल गंगाधर तिलक के विशाल भारत भूमि में स्व, संस्कृति, परंपरा का बोध कराने और स्वराज का सपना दिखाकर 'लोकमान्य' के रूप में छा जाने वाले नायक की कहानी है...

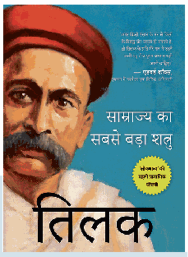

पुस्तक : तिलक : साम्राज्य का सबसे बड़ा शत्रु, **लेखक :** वैभव पुरंदरे
प्रकाशक : पेंगुइन स्वदेश
मूल्य : 599 रुपये

वर्ष 1897 से 1907 तक जीवन के तीसरे चरण में वे आजादी की लड़ाई के मुख्य नेता बन गए थे। बंगाल विभाजन के विरुद्ध उन्होंने 'बहिष्कार', 'स्वदेशी' और 'राष्ट्रीय शिक्षा' के अभियान शुरू किए। यही बात 1907 में कांग्रेस के सूरत अधिवेशन में विभाजन की वजह बनी। 52 साल की आयु में मधुमेह से पीड़ित तिलक को ब्रिटिश सरकार ने फिर से राजद्रोह के आरोप में छह साल के लिए बर्मा की मंडले जेल में भेज दिया। 1914 में जेल से निकलने के बाद चौथे चरण तक वे स्वतंत्रता संग्राम के सबसे बड़े नेता बन चुके थे। उन्होंने 'होम रूल' आंदोलन शुरू किया, जो पूरे देश में फैल गया। तिलक का निजी जीवन भी संघर्षों से भरा था। करीबियों से झगड़े, कम उम्र में बड़े बेटे और जेल-यात्रा में पत्नी की मृत्यु जैसी दुखदायी घटनाएं। एक विद्वान ने कहा था, 'तिलक स्वतंत्रता संग्राम के बिना मुकुट के राजा थे।' तिलक अकेले ऐसे नेता थे, जिन्होंने औपनिवेशिक सत्ता से सीधे संवाद की भाषा बदली। तिलक की कहानी केवल प्रतिरोध की गाथा नहीं, बल्कि दृढ़ता और दृढ़ विश्वास, पक्के इरादे और हिम्मत के साथ अडिग रहने वाले उस जज्बे की कहानी है, जो आज भी भारत की आत्मा में जीवंत है।

सनातन के वैश्विक चिह्नों से परिचय

मुकेश चौरसिया

सनातन धर्म को विश्व का सबसे प्राचीन धर्म माना जाता है। इस विषय पर अब तक कई पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं। इसी कड़ी में विश्व भूषण की पुस्तक "ग्लोबल सनातन" आई है, जो सनातन मूल्यों को एक नए और वैश्विक रूप में प्रस्तुत करती है। इसमें गहन शोध के आधार पर सनातन संस्कृति के उन विश्वव्यापी चिह्नों से परिचय कराने का प्रयास है, जिनसे बहुत से लोग अनभिज्ञ हैं। सनातन संस्कृति एवं धर्म को लेकर व्याप्त मिथ्या धारणाओं को तर्कों और प्रमाणों के माध्यम से दूर करने की कोशिश भी दिखती है।

लोक प्रचलित धारणा है कि हमारे देश में सनातन धर्म का प्रादुर्भाव वैदिक सभ्यता को स्थापित करने वाले आर्य वंश ने किया था। इस बात पर मतभिन्नता है कि वे आर्य मध्य एशिया और यूरोप से भारत में आए थे अथवा भारत के मूल निवासी थे। इस धारणा को ब्रिटिश और अन्य यूरोपीय विद्वानों ने स्थापित और प्रचारित किया था कि आर्यों ने भारत में पूर्व से पल्लवित हड़प्पा, मोहनजोदड़ो या सिंधु घाटी सभ्यता को पराजित करके वैदिक सभ्यता को स्थापित किया था। इस मत का प्रभाव इतना व्यापक था कि कई भारतीय विद्वानों ने आर्यों के मूल स्थान की खोज में अनेक ग्रंथ रच दिए। कुछ ने यह सिद्ध करने का प्रयास किया कि आर्य भारत के मूल निवासी हैं और उनके द्वारा प्रवृत्त धर्म ही सनातन धर्म है। लेकिन पुस्तक यह साबित करती है कि आर्यों का भारत से वह संबंध नहीं है, जैसा कि प्रचारित किया गया है। दुनिया के कई देशों में मिले सनातन धर्म से जुड़े प्रतीकों और चिह्नों को इसमें प्रस्तुत किया गया है। सनातन के बारे में रूसी विचारक लियो टालस्टाय से लेकर जर्मन विद्वान मैक्समूलर तक के क्या विचार थे, उनसे भी परिचय कराया गया है। सनातन धर्म के बारे में पढ़ने वालों के लिए यह पुस्तक उपयोगी हो सकती है।

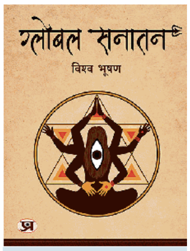

पुस्तक : ग्लोबल सनातन
लेखक : विश्व भूषण
प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन
मूल्य : 300 रुपये

चित्रकला पर रागात्मक लेखन

यतीन्द्र मिश्र

भारतीय चित्रकला की परंपरा में रागमाला एक दीप्त स्वर्णिम अध्याय की तरह उभरती है, जहां स्वर और दृश्य एक-दूसरे में विलीन होकर अनुभव का नया आयाम रचते हैं। नर्मदा प्रसाद उपाध्याय की 'मोतीमहल की रागमाला' इसी जीवंत परंपरा का सशक्त विस्तार बनकर सामने आती है। मोतीमहल, ग्वालियर में सुरक्षित 42 रागमाला चित्र इस कृति का मूल आधार हैं, जिनमें राग अपने भाव, समय और प्रकृति के साथ सजीव रूप में उद्घाटित होते हैं। रागमाला अंकनों में ज्यामितीय संकेतों और सूक्ष्म प्रतीकों की एक सघन भाषा भी सक्रिय रहती है। इन चित्रों की संरचना में राग-रागिनियों के गायन-समय, नायक-नायिका की अवस्थाएं और ऋतु-चक्र का गहरा ध्यान रखा गया है। साथ ही, जिस प्रकार संगीत सात स्वरों पर आधारित है और रंग-परंपरा भी सात मूल रंगों की अवधारणा से जुड़ती है। वैसे ही, रागमाला चित्रों में राग केवल स्वरों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि राधा-कृष्ण के प्रेम प्रसंगों, प्रकृति और ऋतु-चक्र, जनजीवन की सहज लय, पशु-पक्षियों की उपस्थिति, धार्मिक भावभूमि तथा पारंपरिक प्रतीकों और चिह्नों के माध्यम से रंग और रेखा में साकार होते हैं। इन चित्रों में सामाजिक तीज-त्योहार और सांस्कृतिक जीवन के विविध आयाम भी समाहित हैं, जहां संगीत, समाज और संस्कृति एक साथ दृष्टिगोचर होते हैं।

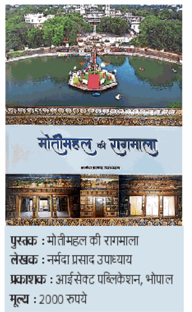

पुस्तक : मोतीमहल की रागमाला
लेखक : नर्मदा प्रसाद उपाध्याय
प्रकाशक : आईसेक्ट पब्लिकेशन, भोपाल
मूल्य : 2000 रुपये

रागमाला के इन चित्रों में खनिज और वानस्पतिक रंगों का सूक्ष्म और टिकाऊ प्रयोग उनकी आंतरिक चमक और दीर्घजीविता का आधार बनता है, वहीं शैलीगत दृष्टि से ये अंकन राजस्थानी परंपरा के अनुरूप होते हुए भी आमेर शैली के साथ विशिष्ट सम्मिश्रण रचते हैं। मोतीमहल ग्वालियर की रागमाला के संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि वर्ष 1857 में झांसी के पतन के बाद अनेक चितेरे ग्वालियर आकर बस गए और यहीं चित्रकला को अपना प्रमुख कर्म बनाया। भवन का नाम 'मोतीमहल' सिंधिया शासकों की मोतियों के प्रति विशेष रुचि के कारण पड़ा। यह महल उसी सौंदर्य-बोध का विस्तार प्रतीत होता है। दीवारों पर मोती-जैसी आकृतियां, छतों और भित्तियों पर सुनहरे अलंकरण इसकी कलात्मक भव्यता को अधिक दीप्त करते हैं। पुस्तक 'मोतीमहल की रागमाला' को सुस्पष्ट रूप में दर्ज करती है। राग-रागिनियों पर उत्कृष्ट और समृद्ध जानकारी का समावेश शानदार है।

राम मेरा अभिमान बने

कवि आशुतोष अग्निहोत्री की रामकथा की सामाजिक, सांस्कृतिक चेतना को अंतःसलिल करती हुई भावमयी यात्रा का अनूठा संग्रह है 'सब पर राम तपस्वी राजा'। संग्रह खड़ी बोली हिंदी में छंद और लय की ऐसी गीतात्मक अभिव्यक्ति भी है, जिसे श्रीराम के गहन मानवीय सरोकारों और संघर्षशील जीवन गाथा के अंतरालापों को समझने के संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए। महाकाव्यों की परंपरा को आधुनिक हिंदी कविता में रूपांतरित करते हुए कवि उसी तरीके से श्रीरामचरितमानस के कुछ प्रसंगों को सामयिक अर्थ देता है, जिसमें 'शिव-पार्वती संवाद' के साथ कथा आरंभ होती है। 'द्वैत का अद्वैत', जो पहला उपखंड है उसमें शिव और पार्वती संवादरत हैं, शिव का उद्घोष ही इस कविता की अंतर्यात्रा को समझने के लिए प्रभावी होगा- 'हां राम नहीं हैं साधारण/ वे शिव का हैं आधार प्रिये/ जो मेरे अंदर दिखता है/ वह उनका ही तो सार प्रिये...'

यहां कविता अनुगूंजों में, परंपरा के सामयिक पाठ में, भक्ति और शरणागति के अनंतिम अछोर में और रामकथा के असाधारण प्रेरणादायक पलों में पहचान पाती है। फिर वह जामवंत-सुग्रीव-रावण संवाद हो या मंदोदरी का विलाप, कौशल्या या सीता प्रसंग हो अथवा भरत की आत्मग्लानि, सभी जगह चैतन्य मनःस्थिति और जड़ मानवीय दुर्बलताओं के बीच जैसे एक प्रतिसंसार रचे जाने की कोशिश जारी है। सारे छंद इस कदर मार्मिक और गेय हैं कि लगता है यह संग्रह एक सुंदर नृत्य नाटिका के रूप में भी सांगीतिक ढंग से तैयार किया जा सकता है। भाषा भी अपने उज्ज्वल पक्ष के साथ कविता को अतिरिक्त बोझ नहीं देती, बल्कि वह प्रसंगों के अनुरूप सहोदर भाव से उसी तरह बहती है, जिस तरह रामायण में श्रीराम के साथ सभी चरित्र, सहयात्री बनकर आगे बढ़ते हैं।

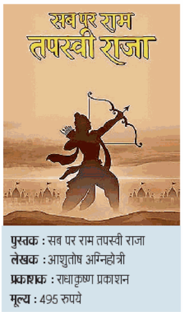

पुस्तक : सब पर राम तपस्वी राजा
लेखक : आशुतोष अग्निहोत्री
प्रकाशक : राधाकृष्ण प्रकाशन
मूल्य : 495 रुपये

बहुत दिनों के बाद ऐसी पठनीय कविता से मुलाकात हुई, जिसका विषय और चरित्र पारंपरिक होने के बावजूद रामकथा को एक सुमिरिनी की तरह हृदय के भीतर अंतःपरिक्रमा की तरह फेरता है। यहां काव्य-शास्त्र के सिद्धांतों को भी साथ रखकर पढ़ा जाए, तो वह 'शिवेतरक्षतये' की कसौटी पर चमकता है। शबरी की आकांक्षा और श्रीराम मिलन की प्रतीक्षा का आमोद, केवट का खुद को धनभागी मानना, भरत की आत्मग्लानि और राज्यारोहण से अस्वीकार का निर्मल मन, मंदोदरी के विलाप में सत्य के प्रति निष्ठा का भाव चकित करते हैं। एक ऐसी कविता पोथी, जो बरसों बाद पठनीय होने के साथ नाट्य और कला प्रयोगों के लिए भी खुला आमंत्रण देती है।

अप्रैल में टीवीएस मोटर ने 4.73 लाख वाहन बेचे

नई दिल्ली: टीवीएस मोटर कंपनी ने शनिवार को बताया कि अप्रैल 2026 में उसकी कुल वाहन बिक्री सात प्रतिशत बढ़कर 4,73,970 इकाई रही है। अप्रैल 2025 में कंपनी ने 4,43,716 वाहन बेचे थे। कंपनी ने बताया कि पिछले महीने उसकी दोपहिया बिक्री छह प्रतिशत बढ़कर 4,55,333 इकाई रही है। इसी तरह, घरेलू बाजार में दोपहिया की बिक्री 3,48,545 इकाई रही है। पिछले महीने इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री 36 प्रतिशत बढ़कर 37,771 इकाई रही है। (प्रेट्र)

हमें भरोसा है कि पश्चिम एशिया संकट के बावजूद भारत में आने वाले रेमिटेंस पर कोई असर नहीं पड़ेगा और देश का बैलेंस आफ पेमेंट्स आरामदायक स्थिति में रहेगा।
– **पूनम गुप्ता, डिप्टी गवर्नर, आरबीआइ**

एक नजर में

कोटक महिंद्रा बैंक का शुद्ध लाभ 10 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई: निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक ने शनिवार को बताया कि जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के दौरान उसका शुद्ध लाभ 10 प्रतिशत बढ़कर 5,423 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वर्ष समान तिमाही में बैंक को 4,933 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। बीती तिमाही के दौरान बैंक की शुद्ध ब्याज आय आठ प्रतिशत बढ़कर 7,876 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वर्ष समान तिमाही में 7,284 करोड़ रुपये थी। बीती तिमाही के दौरान बैंक का शुद्ध अग्रिम 16 प्रतिशत बढ़कर 4.96 लाख करोड़ रुपये रहा है। (प्रेट्र)

बीते वर्ष सीडीएसएल को 455 करोड़ का लाभ

मुंबई: लिमिटेड (सीडीएसएल) ने शनिवार को बताया कि बीते वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उसका शुद्ध लाभ 455 करोड़ रुपये रहा है। यह इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 526 करोड़ रुपये के मुकाबले कम है। हालांकि, बीते वित्त वर्ष के दौरान डिपाजिटरी की कुल आय बढ़कर 1,239 करोड़ रुपये रही है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 1,199 करोड़ रुपये थी। जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में भी डिपाजिटरी का शुद्ध लाभ घटकर 80 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 100 करोड़ रुपये था। (प्रेट्र)

रोहित जैन आरबीआइ के डिप्टी गवर्नर बनाए गए

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने रोहित जैन को आरबीआइ का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति तीन वर्ष के लिए की गई है। जैन डिप्टी गवर्नर टी रबि शंकर का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल शनिवार को पूरा हो गया। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने रोहित जैन की नियुक्ति को मंजूरी दी है। रोहित इस समय आरबीआइ के कार्यकारी निदेशक है। आरबीआइ अधिनियम, 1934 के अनुसार, केंद्रीय बैंक में चार डिप्टी गवर्नर होने चाहिए। इसमें दो बैंक के भीतर से, एक कमर्शियल बैंकर और एक अर्थशास्त्री होना चाहिए जो मौद्रिक नीति विभाग का नेतृत्व करे। (प्रेट्र)

अनिश्चितता के बीच अप्रैल में बढ़े सेंसेक्स-निफ्टी

पिछले महीने दोनों प्रमुख सूचकांकों में करीब सात प्रतिशत की वृद्धि रही, मार्च में यह 11% लुढ़के थे

4,965 अंक बढ़ा बीएसई सेंसेक्स अप्रैल के दौरान

1,666 की वृद्धि रही पिछले महीने एनएसई निफ्टी में

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: पश्चिम एशिया संकट के चलते वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता बनी हुई है। इसके बावजूद भारतीय शेयर बाजार अप्रैल में सकारात्मक रहे हैं। एक्सचेंज डाटा के अनुसार, पिछले महीने दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में सात प्रतिशत की बढ़ोतरी रही है। इससे पहले मार्च 2026 में सेंसेक्स और निफ्टी में 11 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट रही है, जो मार्च 2020 के बाद दोनों सूचकांकों की सबसे बड़ी गिरावट थी।

डाटा के अनुसार, 30 मार्च को बीएसई सेंसेक्स 71,947.55 अंक पर बंद हुआ था, जो 30 अप्रैल को 76,913.50 अंक पर पहुंच गया। यानी अप्रैल के दौरान सेंसेक्स में 4,965.95 अंक या 6.90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी 30 मार्च को 22,331.40 अंक पर था जो 30 अप्रैल को 23,997.55 अंक पर पहुंच गया। यानी पिछले महीने के दौरान निफ्टी में 1,666.15 अंक या 7.46 प्रतिशत की वृद्धि रही है।

आइएएनएस के अनुसार, ओमनीसाइंस कैपिटल ने शनिवार को एक रिपोर्ट में कहा कि पिछले महीने मजबूत रिटर्न देने में छोटी कंपनियां सबसे आगे रहीं। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल के दौरान निफ्टी स्मालकैप इंडेक्स 250 ने 13.4 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी माइक्रोकैप 250 ने 16.2 प्रतिशत रिटर्न दिया। ओमनीसाइंस ने अपने 'भारत वैक्टर्स' फ्रेमवर्क में शामिल कंपनियों के प्रदर्शन के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की है। इसमें करीब 1,500 कंपनियां शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, करीब 1,500 करोड़ रुपये के औसत बाजार पूंजीकरण वाले चुने हुए 250 शेयरों और लगभग 3,000 करोड़ रुपये के पूंजीकरण वाले अन्य 250 शेयरों ने इस महीने के दौरान क्रमशः 25.2 प्रतिशत और 23.2 प्रतिशत का रिटर्न दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, महंगाई का दबाव, मुद्रा का अवमूल्यन और विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा लगातार पैसे निकाले जाने जैसी लगातार चिंताओं के बावजूद भारतीय शेयरों ने मजबूत रिटर्न दिया है।

इसके अलावा, अप्रैल के दौरान निफ्टी मिडकैप 100 में 13.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही है, जो इसका नवंबर 2020 के बाद सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा है। इसी तरह, निफ्टी स्मालकैप 100 पिछले महीने 18.4 प्रतिशत बढ़ा है जो इसका मई 2014 के बाद का सबसे अच्छा प्रदर्शन है।

50.88 लाख करोड़ रुपये बढ़ा बाजार पूंजीकरण

पिछले महीने बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 50.88 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। 30 मार्च को बीएसई का पूंजीकरण 412.41 लाख करोड़ रुपये था, जो 30 अप्रैल को बढ़कर 463.29 लाख करोड़ रुपये हो गया।

अप्रैल में भी जारी रही विदेशी निवेशकों की निकासी

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय शेयर बाजारों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) की निकासी जारी है और अप्रैल में एफपीआइ भारतीय शेयरों से 60,847 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। इसके साथ ही कैलेंडर वर्ष 2026 में एफपीआइ की कुल निकासी 1,91,969 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

जादुई निवेशक होने का भ्रम

धीरेंद्र कुमार, संपादक, हिंदी डाट वैल्यूरिसर्चआनलाइन डाट काम

इस हफ्ते एक इंटरनेट मीडिया पोस्ट में सैम बैंकमैन-फ्रीड (एसबीएफ) को "जेनरेशनल विनर्स पहचानने वाला जीनियस" बताया जा रहा है। नंबर देखने में चौंकाने वाले हैं। एंथ्रोपिक में आठ प्रतिशत हिस्सेदारी अब कागज पर 3,000 करोड़ डालर से ज्यादा की हो गई है। कर्जर नाम के एक छोटे एआइ स्टार्टअप को दिया गया दो लाख डालर का चेक आज 300 करोड़ डालर का है। पोस्ट में सब जोड़कर दावा किया गया है कि एफटीएक्स बैंकरप्सी एस्टेट ने बहुत जल्दी बेचकर कथित तौर पर 11,400 करोड़ डालर का मौका गंवा दिया।

बोनस

हर तरफ चर्चा में है कि एसबीएफ एक विजनरी था, जो घबराए हुए वकीलों की वजह से बर्बाद हो गया। यह सब बकवास है। इस कहानी की गलतफहमी पहली नजर से ज्यादा दिलचस्प है। यह एक ऐसे सोच पर टिका है जो लगभग हर रिटेल इन्वेस्टर के मन में चुपचाप बैठा है कि निवेश में सबसे मुश्किल काम यह चुनना है कि क्या खरीदें। हालांकि, ऐसा नहीं है। असल मुश्किल काम है टिके रहना और एसबीएफ स्ट्रक्चरली किसी भी चीज को होल्ड करने में नाकाबिल था। एसबीएफ की ओर से एंथ्रोपिक, कर्जर और बाकी जगहों पर लगाया गया हर डालर ग्राहकों का पैसा था, जिसे निवेश करने का उसे कोई हक नहीं था। अगर वो जीनियस था तो चोरी करने में था, स्टाक चुनने में नहीं।

जब एंथ्रोपिक की वैल्यूएशन डगमगाई, जब सोलाना 260 डालर से गिरकर आठ डालर पर आया, जब कर्जर चार लोगों की एक टीम थी जिसके पास कोई रेवेन्यू नहीं था, तब इन सबके बीच निवेशित रहने के लिए कुछ खास चाहिए होता है। यह असली मालिकाना हक की मांग करता है। ऐसी पूंजी जिसे कोई आपको जबरदस्ती बेचने पर मजबूर न कर सके। वो सब्र जो इस यकीन से आता है कि पैसा आपका है और कोई उसे वापस नहीं मांगेगा। एसबीएफ के पास इनमें से कुछ नहीं था।

एफटीएक्स एस्टेट ने वो एसेट्स सबसे बुरे वक्त पर इसलिए नहीं बेचे क्योंकि वकील बेवकूफ थे। उन्होंने बेचे क्योंकि उनके पास कोई चारा नहीं था। जब आप ग्राहकों के अरबों रुपये चुराते हैं, तो अदालत आपकी संपत्ति जब्त करके उसे नकद में बदल देती है। आखिरकार 1,800 करोड़ डालर वसूले गए और क्रेडिटर्स को ब्याज समेत चुकाए। इस कहानी में केवल सफल बचे उदाहरणों को देखकर राय बना ली गई है। हमें एंथ्रोपिक और कर्जर दिखते हैं। अलामेडा के दर्जनों दूसरे दांव नहीं दिखते जो जीरो हो गए, क्योंकि उन पर कोई पोस्ट नहीं लिखता। दूसरे का पैसा सौ वेंचर बेट्स पर उड़ाना और फिर बाद में सिर्फ जीतने वाले गिनाने से कोई जीनियस नहीं हो जाता। यह किसी और के पैसे से खरीदी गई लाटरी टिकट है।

यहां एक भारतीय उदाहरण भी दिया जा सकता है, भले ही वह सुनने में ज्यादा आकर्षक न लगे। जिस निवेशक ने 2008 में किसी डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड में 10,000 रुपये की मासिक एसआइपी शुरू की, उसने वैश्विक वित्तीय संकट, नोटबंदी, जीएसटी, कोरोना महामारी का क्रैश और बीच के हर पैनिक को झेला है, उसके बारे में कोई जोश भरी थ्रेड नहीं लिखता। लेकिन उसकी पूंजी उसकी है। कोई अदालत उसे जब्त नहीं कर सकती। कोई बैंकरप्सी एस्टेट सबसे बुरे दिन उसकी होल्डिंग्स नहीं बेचेगी। यही सुस्त, स्ट्रक्चरल यकीन दशकों में कंपाउंड होता है।

आपको अगला कर्जर खोजने की जरूरत नहीं है। आपको जरूरत है ईमानदारी से कमाई हुई रकम को, समझ में आने वाली चीजों में लगाने की और फिर बहुत लंबे वक्त के लिए कुछ न करने की।

भारत में डिजिटल सुधारों से छोटे उद्यमों को हो रहा लाभ

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने एक वर्किंग पेपर में कहा, डिजिटलाइजेशन ने प्रशासनिक बोझ को कम किया

वाशिंगटन, आइएएनएस: अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने कहा है कि भारत की सार्वजनिक प्रशासन को डिजिटल बनाने की पहलों ने सूक्ष्म उद्यमों में उत्पादकता को बढ़ाया है। एक वर्किंग पेपर में आइएमएफ ने बताया है कि जिन राज्यों ने अधिक सुधार अपनाए हैं, उनमें कंपनियों के बीच उत्पादकता के अंतर में कमी आई है।

राष्ट्रीय सर्वेक्षण डाटा पर आधारित वर्किंग पेपर के अनुसार, भारत में 2010 से 2015 के बीच राज्यवार किए गए सार्वजनिक प्रशासन के डिजिटलाइजेशन ने सूक्ष्म उद्यमों की उत्पादकता में सुधार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जो राज्य अधिक सार्वजनिक प्रशासन डिजिटलाइजेशन करते हैं, वे उच्च उत्पादकता वृद्धि का अनुभव करते हैं। ये सुधार व्यापारिक माहौल को सुधारने के व्यापक प्रयास का हिस्सा थे। 2014 में राज्यों ने "98-प्वाइंट एक्शन प्लान" पर सहमति व्यक्त की, जिसका उद्देश्य नियमों को सरल बनाना और डिजिटल प्रणालियों का विस्तार करना था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि डिजिटलाइजेशन ने प्रशासनिक बोझ को कम किया। इसका सबसे अधिक छोटे व्यवसायों को लाभ हुआ। डिजिटल सिस्टम पारदर्शिता में सुधार करते हैं और देरी को कम करते हैं।

बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआइ की अधिसूचना जारी

नई दिल्ली, प्रेट्र: वित्त मंत्रालय ने शनिवार को बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआइ) की अधिसूचना जारी कर दी। अधिसूचना के अनुसार, स्वचालित मार्ग के तहत बीमा कंपनियों और ब्रोकरों सहित मध्यस्थों में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति दी जाएगी।

हालांकि, एलआइसी के लिए यह सीमा 20 प्रतिशत होगी। विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाने के लिए सरकार ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन नियमों में संशोधन किया है। संसद ने दिसंबर 2025 में सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों का संशोधन) विधेयक, 2025 को पारित किया, जिससे बीमा क्षेत्र में एफडीआइ की सीमा को बढ़ाने का रास्ता साफ हुआ था। इसके साथ वित्त मंत्रालय ने 10 प्रतिशत चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियों को भारत में निवेश की मंजूरी देने संबंधी अधिसूचना भी जारी कर दी।

'ऊर्जा झटके से निपटने के लिए बनाना चाहिए रणनीतिक बफर'

वी अनंत नागेश्वरन

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा, 2026-27 में दो प्रतिशत से अधिक हो सकता है चालू खाता घाटा

नई दिल्ली, प्रेट्र: मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने शनिवार को कहा कि भारत को पश्चिम एशिया संकट के बीच देश के सामने आ रहे "सबसे कठिन" ऊर्जा झटके से निपटने के लिए रणनीतिक बफर बनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि संकट के कारण वैश्विक स्तर पर उर्वरक और पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती कीमतें चालू वित्त वर्ष के लिए 4.3 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण बना देंगी।

एक कार्यक्रम में नागेश्वरन ने कहा कि भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) से उत्पन्न रोजगार की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि आइटी क्षेत्र अधिक प्रतिस्पर्धी बने और एआइ के कारण नौकरियां न खोएं, बल्कि आइटी क्षेत्र या अन्य सेवाओं में एआइ का उपयोग करने वाली नौकरियों का सृजन किया जाए। नागेश्वरन ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में चालू खाता घाटा (सीएडी) जीडीपी के दो प्रतिशत से अधिक बढ़ सकता है, जो बीते वित्त वर्ष 2025-26 में एक प्रतिशत से कम था।

उन्होंने कहा कि हमारे लिए प्राथमिकता रणनीतिक बफर बनाना है। यह ऊर्जा झटका किसी भी पिछले ऊर्जा झटके की तुलना में सबसे कठिन है।

राष्ट्रीय फलक

हमारी सशस्त्र सेनाओं का साहस केवल युद्धक्षेत्र तक ही सीमित नहीं: राजनाथ

- रक्षा मंत्री बोले-आपदा ग्रस्त क्षेत्रों में सहायता करने में भी सेना अग्रणी
- 'शौर्य संध्या' कार्यक्रम को रक्षा मंत्री ने किया संबोधित

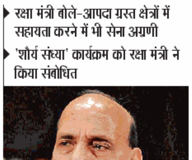

राजनाथ सिंह। फाइल

नई दिल्ली, एएनआइ: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को भारतीय सशस्त्र बलों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाओं का साहस केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं है बल्कि हमारी सेना आपदा ग्रस्त क्षेत्रों में मानवता की सहायता करने में भी अग्रणी रहती है।

'शौर्य संध्या' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होने कहा- "मुझे यह कहते हुए अपार गर्व महसूस होता है कि जब भी देश या दुनिया में कोई आपदा आती है चाहे वह भूकंप हो, बाढ़ हो, सुनामी हो या फिर कुछ और, हमारे सैनिक तुरंत सहायता के लिए पहुंचते हैं। युद्धक्षेत्र में साहस दिखाने से लेकर पीड़ितों की सेवा करने तक हमारी सशस्त्र सेनाओं ने हर जगह अपने साहस का प्रदर्शन किया है।" राजनाथ सिंह ने भारतीय रक्षा बलों के उन जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी बेजोड़ वीरता और अदम्य साहस ने 'आपरेशन सिंदूर' को भारत के सैन्य इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में अंकित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद को समाप्त करने की दृढ़ संकल्पना को भी दोहराया। उन्होंने सैनिकों की वीरता, समर्पण और देशभक्ति की सराहना करते हुए कहा कि उनका 'राष्ट्र पहले' और 'सेवा पहले' का सिद्धांत भारत की सैन्य परंपराओं को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि रक्षा बलों का साहस प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मानवता की सहायता प्रदान करने में भी दिखाई देता है। इस दौरान जान की बाजी लगाने में पीछे नहीं रहते हैं। हमारे सैनिक संकट के समय में जरूरतमंदों को भोजन और दवाएं पहुंचाते हैं। यही हमारे रक्षा बलों की पहचान है।

इस कार्यक्रम में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह व सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ मौजूद थे।

एप के जरिये क्षेत्र व भाषा के अनुसार सुविधा देगा श्रीकाशी विश्वनाथ धाम

जागरण संवाददाता, वाराणसी: देश-विदेश से आने वाले अलग-अलग भाषा और क्षेत्र के श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने के लिए श्रीकाशी विश्वनाथ धाम न्यास ने एक नया एप आधारित सिस्टम शुरू किया है। इसका परीक्षण शुक्रवार से शुरू हो गया है। इस एप से पंजीकरण कराने वाले श्रद्धालुओं के आंकड़ों का विश्लेषण कर उनकी भाषा और क्षेत्र के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि धाम में बड़ी संख्या में विभिन्न भाषाई पृष्ठभूमि के श्रद्धालु आते हैं। भाषा की वजह से कई बार उन्हें असुविधा होती है। इसे दूर करने के लिए यह पहल की गई है। एप के माध्यम से सुगम दर्शन, अभिषेक और अन्य सेवाओं के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का आधार नंबर व जरूरी जानकारी दर्ज की जाएगी।

पटना में मोबाइल व चिट पुर्जे संग प्रवेश नहीं मिलने पर एमबीबीएस छात्रों का हंगामा

जागरण संवाददाता, पटना

- नहीं हुई परीक्षा, लगाया आरोप- नौ बजे ही विद्यार्थियों के मोबाइल में प्रश्नपत्र था उपलब्ध

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय (एकेयू) द्वारा पटना साइंस कालेज केंद्र पर आयोजित एमबीबीएस सेमेस्टर तीन की परीक्षा विद्यार्थियों के हंगामे के कारण नहीं हो सकी। इस केंद्र पर पटना मेडिकल कालेज, नालंदा मेडिकल कालेज और पावापुरी मेडिकल कालेज के विद्यार्थी आए थे।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों के अनुसार, परीक्षा में शामिल होने आए एमबीबीएस सेमेस्टर तीन के विद्यार्थी मोबाइल और चिट पुर्जे के साथ केंद्र में प्रवेश करना चाहते थे, लेकिन कालेज प्रशासन ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया। परीक्षा सुबह 11:00 बजे से शुरू होनी थी। बताया गया कि सुबह नौ बजे से ही विद्यार्थियों के मोबाइल में प्रश्नपत्र उपलब्ध था। विद्यार्थी परीक्षा केंद्र के अंदर जाने के लिए प्रवेश पत्र की हार्ड कापी न दिखाकर मोबाइल में अपलोड प्रवेश दिखाकर अंदर जाना चाह रहे थे। मोबाइल ले जाने से रोकने पर सैकड़ों की संख्या में एकत्रित एमबीबीएस के विद्यार्थी हंगामा करने लगे। विद्यार्थियों का हंगामा एक बजे तक चलता रहा। अंत में दोपहर डेढ़ बजे कालेज प्रशासन की ओर से शनिवार को होने वाली परीक्षा स्थगित कर दी गई। परीक्षा स्थगित होने के बाद विद्यार्थी वापस लौट गए। एकेयू के परीक्षा नियंत्रक राजीव रंजन ने बताया कि पूर्व में हुई मेडिसिन और शनिवार को आयोजित सर्जरी की परीक्षा स्थगित कर दी गई है। इन दो विषयों की परीक्षा को री-शेड्यूल किया जाएगा। आगे की परीक्षा कराने को लेकर एग्जामिनेशन बोर्ड की बैठक चल रही है।

राजस्थान में आइपीएस अधिकारी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज

जासं, जयपुर: राजस्थान में भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी किशन सहाय मीणा के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ है। राज्य में पुलिस महानिरीक्षक (मानवाधिकार) के पद पर तैनात मीणा के खिलाफ शिकायत पीड़िता ने डाक से भेजी थी।

मालवीय नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर पीड़िता के बयान लिए और फिर मीणा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़िता का आरोप है कि मीणा ने विवाह का झांसा देकर जयपुर स्थित सरकारी आवास में उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बयान में बताया कि कई बार दुष्कर्म करने के बाद उसने विवाह करने को लेकर मीणा पर दबाव बनाया तो सरकारी आवास में बंद कर मारपीट की गई। पीड़िता जयपुर की निवासी है।

दुष्कर्म पीड़ित किशोरी बनी मां, हाई कोर्ट तय करेगा भविष्य

जागरण संवाददाता, अलीगढ़: दुष्कर्म की शिकार किशोरी ने हाल ही में बेटे को जन्म दिया, जिसे उसने कभी नहीं चाहा था। अदालत में गर्भपात की गुहार लगाई, लेकिन समय निकलने के चलते अनुमति नहीं मिली। चार महीने से मेडिकल कालेज में भर्ती किशोरी मां बन गई है। हाई कोर्ट के अगले आदेश तक जच्चा-बच्चा को वहीं रखा जाएगा।

हाथरस निवासी किशोरी के पिता की पांच वर्ष पहले हादसे में मृत्यु हो गई थी। 15 वर्षीय सबसे बड़ी बेटी पड़ोसी के बुलंदशहर निवासी भांजे से परिचय हो गया। पिछले वर्ष जुलाई माह में युवक ने किशोरी से दुष्कर्म किया, लेकिन किशोरी ने मामले को स्वजन से छिपाए रखा। पेट दर्द होने पर चिकित्सक को दिखाया तो गर्भवती होने का पता चला। मां ने 23 जनवरी को केस पंजीकृत कराया। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। मां ने हाई कोर्ट में अपील की थी। जनवरी में किशोरी को एएमयू के जेएन मेडिकल कालेज के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जोरम अनिया व आर. बालासुब्रमण्यम नीति आयोग के पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त

- हिंदी में पीएचडी करने वाली अरुणाचल की पहली महिला हैं अनिया
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दोनों नए सदस्यों को दी बधाई

आर. बालासुब्रमण्यम व जोरम अनिया। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्र सरकार ने शिक्षाविद जोरम अनिया और लेखक डा. आर. बालासुब्रमण्यम को शनिवार को नीति आयोग का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीति आयोग के पदेन अध्यक्ष हैं।

कैबिनेट सचिवालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने डा. आर बालासुब्रमण्यम और डा. जोरम अनिया को नीति आयोग में पूर्णकालिक सदस्य के रूप में नियुक्त करने की स्वीकृति दी है। प्रधानमंत्री ने दोनों नए सदस्यों को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, विभिन्न मुद्दों पर उनका (बालासुब्रमण्यम और अनिया का) व्यापक अनुभव और गहन समझ नीति निर्माण प्रक्रिया को मजबूत करेगी। मुझे विश्वास है कि उनका योगदान सभी क्षेत्रों में नवाचार और सभी क्षेत्रों में विकास को गति प्रदान करेगा।

अनिया का आयोग में शामिल होना ऐतिहासिक क्षण है, जिससे अरुणाचल प्रदेश की प्रख्यात बुद्धिजीवी को राष्ट्रीय नीति-निर्माण के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचने का अवसर मिला है। शिक्षाविद, एसोसिएट प्रोफेसर और अरुणाचल प्रदेश प्राइवेट शिक्षा नियामक आयोग की सदस्य अनिया को शिक्षण, अनुसंधान और सार्वजनिक नीति में 18 वर्षों से अधिक का अनुभव है।

वह पीएचडी करने वाली निशि समुदाय की पहली महिला होने के साथ ही राज्य में हिंदी भाषा में पीएचडी करने वाली पहली महिला हैं। उन्होंने साहित्य, संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन और संपादन किया है।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार, 3 मई, 2026 से शनिवार 9 मई, 2026 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ)
अर्थ साधन में प्रयास, साहस एवं आत्मविश्वास रखें, कार्य क्षेत्र में सहयोग, विदेश कार्य में देरी, मन में चिन्ता, साधनों की पूर्ति, सन्तान के लिये योजना, शिक्षा में रुचि, संयम रखें, स्वास्थ्य के प्रति सजगता, दाम्पत्य में सुख, धर्म में रुचि, राजपक्ष से सावधान, व्यय अधिक, शुभ अंक 4

वृष (इ, ऊ, ए, ओ, पा, वी, वू, वे, वो)
धनागम में सुधार, व्यापारिक क्षेत्र में वृद्धि, पारिवारिकजनों का सहयोग, परिश्रम से कम सफलता प्राप्त होगी, शिक्षा में प्रयास, चयन में सफलता, शत्रुपक्ष परास्त, राजनैतिक अपयश, प्रणय में सुख, जीवनसाथी का मिलन, यात्रा में सावधानी, धर्म में रुचि, शुभ अंक 5

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा)
साझेदारी में सावधानी, अर्थसाधन में प्रयास, व्यापारिक कार्य में देरी, नकरात्मक कार्य करने वालों से सावधान, साधनों की पूर्ति, सन्तान से सहयोग, चयन में देरी, वाद विवाद से बचें, मित्रों से सहयोग, मांगलिक कार्य का योग, प्रणय में सुख, आय में सुधार, शुभ अंक 6

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
कार्य में श्रम से सफलता, धनागम में प्रयास, धन के आवागमन में सावधानी, निर्णय सलाह से करें, चिन्ता का समाधान, साधनों की पूर्ति, शिक्षा में एकाग्रता, शत्रुपक्ष से सावधान, प्रणय में सुख, अनुबंध की पूर्ति, राज्यपक्ष से सावधान, राजनैतिक अपयश, व्यय अधिक, शुभ अंक 7

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
कार्य में प्रगति, अर्थसाधन में सफलता, निर्णय सलाह से करें, विदेश कार्य में प्रयास, साधनों की पूर्ति, लक्ष्य के प्रति सजगता, स्व :सम्पत्ति की वृद्धि, वाहन, आभूषण योग, खानपान का ध्यान रखें, प्रणय में सुख, समाज में यश, दाम्पत्य में सुख, यात्रा में सावधानी, अधिकारी से सहयोग, शुभ अंक 8

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कार्य करने वों से सतर्क, अर्थ साधन में प्रयास सार्थक, प्रतिस्पर्धा से चिन्ता, महिला से सहयोग, लक्ष्य के प्रति सजगता, भवन कार्य में देरी, शिक्षा में एकाग्रता, चयन में सफलता, त्वचा, रक्त विकार योग, जीवनसाथी का मिलन, धर्म में रुचि, राजनैतिक अपयश, शुभ अंक 9

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
धनागम में प्रयास सार्थक, कार्य क्षेत्र में सहयोग, नकारात्मक कार्य करने वालों से सावधान, अतिकल्पना और विश्वास से बचें, निजी संबंधों में सुधार, वाहन, आभूषण योग, संतान से सहयोग, शिक्षा में रुचि, चयन में सफलता, मित्रों से सहयोग, राजनैतिक अपयश, शुभ अंक 1

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)
व्यापारिक कार्य में प्रयास से सफलता, अर्थसाधन में प्रयास, आत्मसंयम रखें, साधनों की वृद्धि, लक्ष्य के प्रति सजगता, रुके कार्य सम्पन्न, सन्तान से सहयोग, शिक्षा में रुचि, शत्रुपक्ष प्रभावी, प्रणय में सुख, राजनैतिक अपयश, यात्रा, भ्रमण योग, राजनैतिक अपयश, शुभ अंक 2

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
अर्थसाधन में सुधार, कार्य क्षेत्र में सावधानी, पूंजी निवेश में सावधानी, स्वार्थीजनों से सावधान, युक्ति एवं अनुभव से कार्य करें, निजी संबंधों में सुधार, स्व :सम्पत्ति की वृद्धि, शिक्षा में अवरोध, क्रोध, ईर्ष्या से बचें, जीवनसाथी का मिलन, राजनैतिक अपयश, स्थान पद परिवर्तन, शुभ अंक 4

मकर (भो, जा, ज, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
निर्णय सलाह से करें, धनागम में सफलता, कार्य क्षेत्र में सफलता, धन के आवागमन में सावधानी, वाहन, आभूषण योग, शिक्षा में रुचि, समय का सदुपयोग करें, नकारात्मक विचारों से बचें, प्रणय में अनबन, राजनैतिक अपयश, स्थान पद परिवर्तन योग, व्यय अधिक, शुभ अंक 5

कुम्भ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सा, दा)
कार्य में आशातीत सफलता, धनागम में सुधार, व्यापार कार्य में संपर्क वृद्धि, समाज में यश, निजी संबंधों में अनबन, पारिवारिकजनों का सहयोग, वाहन, आभूषण योग, साधनों की पूर्ति, चयन में सफलता, शत्रुपक्ष प्रभावी, प्रणय में मधुरता, राजनैतिक अपयश, व्यय अधिक, शुभ अंक 6

मीन (दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची)
दिनचर्या व्यस्ततम, कार्य में सहयोग से सफलता, धनागम में सुधार, लक्ष्य के प्रति सजगता, पारिवारिक सहयोग, साधनों की पूर्ति, साधनों की वृद्धि, चयन में देरी, संतान से सहयोग, क्रोध, ईर्ष्या से बचें, वाणी पर संयम, राजनैतिक अपयश, दाम्पत्य में सुख, व्यय अधिक, शुभ अंक 7

60 दिन पूरे फिर भी नहीं रुकेगा हमला, अमेरिका का कानून क्यों पड़ गया बौना?

- वार पावर रेजोल्यूशन की सच्चाई, कागज पर सख्ती, असल में राष्ट्रपति की मनमानी

60 दिन की डेडलाइन आई और उसी पर शुरू हो गया 'खेल'

केंटकी, द कन्वर्सेशन : ईरान में अमेरिका का आपरेशन एपिक फ्यूरी 60 दिन पार कर चुका है। वह लकीर, जिसके बाद कानून साफ कहता है कि राष्ट्रपति या तो कांग्रेस से मंजूरी लें या फिर सैन्य कार्रवाई समेटें। शुरुआत भी नियमों के मुताबिक हुई थी कार्रवाई के 48 घंटे के भीतर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो मार्च को रिपोर्ट भेज दी। लेकिन जैसे ही 60 दिन पूरे हुए, नियमों की किताब एक तरफ रख दी गई और उसकी अपनी-अपनी व्याख्या शुरू हो गई।

रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने तर्क दिया कि युद्धविराम के चलते 60 दिन की घड़ी रुक जाती है, जबकि सीनेटर टिम केन ने इसे संविधान से जुड़ा गंभीर सवाल बताया। इस बीच कांग्रेस ने इस आपरेशन को रोकने के लिए छह बार कोशिश की, लेकिन हर बार नाकामी मिली, 30 अप्रैल का ताजा प्रयास भी धरा रह गया। अब अदालत जाने की बात हो रही है, लेकिन इतिहास गवाह है कि अदालतें ऐसे मामलों में हाथ डालने से बचती रही हैं। साफ है यहां कानून नहीं, ताकत की व्याख्या चल रही है।

जिस कानून से लगाम कसनी थी, वही क्यों हो गया बेअसर?: 1973 में वियतनाम युद्ध की कड़वी सीख के बाद बना वार पावर रेजोल्यूशन दरअसल राष्ट्रपति की ताकत पर ब्रेक लगाने के लिए था। नियम साफ थे या तो युद्ध की औपचारिक घोषणा हो, या कांग्रेस की मंजूरी, या फिर देश पर हमला जैसा आपातकाल। अगर इनमें से कुछ भी नहीं, तो 60 दिन के भीतर फैसला जरूरी और खास हालात में 90 दिन तक की मोहलत। शुरुआत में तो यह भी तय था कि समय पूरा होते ही कार्रवाई खुद खत्म मानी जाएगी और कांग्रेस लेजिस्लेटिव वीटो से बीच में ही रोक लगा सकती है। लेकिन 1983 में सुप्रीम कोर्ट ने इसी वीटो को असंवैधानिक बताकर पूरा खेल पलट दिया।

होर्मुज के विकल्प मौजूद, लेकिन खाड़ी देशों के लिए अब भी नाकाफी

- वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति की धुरी बना हुआ है होर्मुज
- सऊदी और यूएई ने पाइपलाइन से बनाया आंशिक विकल्प
- इराक, कुवैत और कतर की निर्भरता अब भी बरकरार
- महंगे और असुरक्षित विकल्प, लंबे समय तक नहीं बन सकते समाधान

लंदन, द कन्वर्सेशन: ईरान युद्ध को शुरू हुए दो महीने से अधिक समय हो चुका है और दुनिया का सबसे अहम रणनीतिक समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य भी तब से ही प्रभावित है। इस मार्ग से दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल गुजरता है। सामान्य परिस्थितियों में रोजाना लगभग 140 जहाज इस रास्ते से दो करोड़ बैरल कच्चा तेल और पेट्रो उत्पाद लेकर गुजरते हैं। यही नहीं, वैश्विक जरूरत का लगभग 20 प्रतिशत लिक्विफायड नेचुरल गैस (एलएनजी) भी इसी मार्ग से सप्लाई होती है। एक तिहाई यानी 33 प्रतिशत हीलियम और यूरिया जैसी अहम वस्तुओं की आपूर्ति भी यहीं से होती है।

युद्धविराम के दौरान भी हालात युद्ध जैसे बने हुए हैं और ईरान के साथ-साथ अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी के चलते इस मार्ग से एक भी जहाज नहीं गुजर पा रहा है।

होर्मुज पर निर्भरता कम करने के लिए विविधीकरण की योजनाएं दशकों से विचाराधीन रही हैं और अब इन वैकल्पिक उपायों की अभूतपूर्व परीक्षा हो रही है। बाईपास इंफ्रास्ट्रक्चर योजनाकारों की अपेक्षाओं के अनुरूप काम कर रहा है, जिससे प्रतिदिन लगभग 35 लाख से 55 लाख बैरल कच्चे तेल के परिवहन की क्षमता मिल रही है। हालांकि, पाइपलाइन जैसे विकल्प केवल आंशिक समाधान ही साबित हो रहे हैं और होर्मुज की रणनीतिक महत्ता लंबे समय तक बनी रहेगी। ये विकल्प न केवल महंगे हैं, बल्कि इनके निर्माण में दशकों का समय लगता है और युद्ध जैसी स्थिति में इन पर हमले का खतरा भी बना रहता है।

प्रतीकात्मक

सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन

होर्मुज के विकल्प के तौर पर सऊदी अरब ने 1980 में ईरान-इराक युद्ध (टैंकर युद्ध) के दौरान ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन, जिसे पेट्रोलाइन भी कहा जाता है, का निर्माण शुरू किया। इस पाइपलाइन के जरिए रोजाना 70 लाख बैरल कच्चा तेल लाल सागर तट पर स्थित यान्बू बंदरगाह तक पहुंचाया जाता है, जहां से यूरोप को निर्यात होता है। इसी दिशा में मिस्र की सुमेद पाइपलाइन भी है, जो रोजाना 25 लाख बैरल कच्चा तेल यूरोप भेजती है। युद्ध के चलते इसकी क्षमता 150 प्रतिशत तक बढ़ाई जा चुकी है।

यूएई की फुजैराह पाइपलाइन

संयुक्त अरब अमीरात ने अबू धाबी क्रूड आयल पाइपलाइन (एडकोप) के जरिए विकल्प तैयार किया है, जो हबशन से ओमान की खाड़ी स्थित फुजैराह बंदरगाह तक जाती है। इस पाइपलाइन की क्षमता रोजाना 20 लाख बैरल है और यह सीधे हिंद महासागर तक पहुंचने वाली एकमात्र पाइपलाइन है।

इराक की सीमित क्षमता

खाड़ी के अन्य बड़े उत्पादक देशों, खासकर इराक, के सामने संकट बना हुआ है। बसरा से रोजाना होने वाला 34 लाख बैरल तेल निर्यात लगभग ठप है। इराक की एकमात्र उत्तरी पाइपलाइन किरकुक तेल क्षेत्र को तुर्किये के सेयहान बंदरगाह से जोड़ती है, जिसकी क्षमता लगभग ढाई लाख बैरल प्रतिदिन है।

कुवैत और कतर की होर्मुज पर निर्भरता

कुवैत युद्ध से पहले वह रोजाना 20 लाख बैरल कच्चा तेल उत्पादन करता था, लेकिन उसकी पूरी आपूर्ति होर्मुज पर निर्भर है व कोई वैकल्पिक पाइपलाइन नहीं है। कतर की असली ताकत गैस क्षेत्र में है। रास लाफान स्थित टर्मिनल की 7.7 करोड़ टन एलएनजी से कतर दुनिया की 19 प्रतिशत गैस जरूरत पूरी करता है।

ईरान का बाइपास प्रयास

ईरान ने भी गोरेह से जास्क तक 1000 किमी लंबी पाइपलाइन तैयार की, जिसकी क्षमता रोजाना 10 लाख बैरल है। प्रतिबंधों के कारण सीमित उपयोग हो रहा है। 2024 में केवल 70 हजार बैरल प्रतिदिन तेल आपूर्ति हुई। बाद में सितंबर में बंद कर दिया गया।

तनातनी के बीच जर्मनी से पांच हजार सैनिक वापस बुलाएगा अमेरिका

सैनिक संख्या कम करने के ट्रंप के संकेत के बाद घोषणा की गई

अभी सर्वाधिक 36 हजार अमेरिकी सैनिक तैनात हैं जर्मनी में

जर्मनी में तैनात अमेरिकी सैनिक। इंटरनेट मीडिया

वाशिंगटन, रायटर: ईरान मसले पर तनातनी के बीच अमेरिका जर्मनी से पांच हजार सैनिकों को वापस बुलाएगा और उसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने इस आशय की घोषणा की है। विदित हो कि जर्मनी अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन नाटो का सदस्य है।

इसी के चलते रूस के नजदीक के इस यूरोपीय देश में अमेरिका के 36 हजार से ज्यादा सैनिक घातक हथियारों के साथ तैनात हैं। प्रतिक्रिया में जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने कहा है कि यूरोप के लिए जर्मनी उदाहरण है और अब यूरोप को अपनी सुरक्षा को अपने दम पर मजबूत करना होगा। अमेरिका में सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के दो सांसदों ने ट्रंप सरकार के फैसले पर चिंता जताई है। ईरान युद्ध में नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) के सदस्य देशों के सहयोग न देने और अमेरिका के खिलाफ बयानबाजी से भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसी सप्ताह जर्मनी से अपने सैनिकों की संख्या कम करने का संकेत दिया था। इससे पहले ट्रंप और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच कई दिनों तक तीखी बयानबाजी हुई थी। पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, जर्मनी की ओर से बयानबाजी अनुचित और असहयोगी प्रकृति की थी। इसीलिए राष्ट्रपति ट्रंप ने यह निर्णय लिया है। पेंटागन ने कहा है कि जर्मनी से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया छह से बारह महीने में पूरी होगी। जर्मनी में अमेरिकी सैनिकों की तैनाती नाटो के सदस्य देशों में सबसे ज्यादा है। वैसे बयानबाजी के उलट जर्मनी ने ईरान युद्ध के दौरान अमेरिकी लड़ाकू विमानों को अपने सैन्य अड्डों के इस्तेमाल की अनुमति दी है, साथ ही युद्ध में घायल अमेरिकी सैनिकों के इलाज के लिए लैंड्सल स्थित अपना अस्पताल खोल दिया है।

पेंटागन के अधिकारी के अनुसार यूरोप में अमेरिकी सैनिकों की तैनाती 2022 से पूर्व की स्थिति में लाई जा सकती है। 2022 में यूक्रेन युद्ध छिड़ने के बाद टकराव की बढ़ी आशंकाओं के बीच तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूस के नजदीक के यूरोपीय देशों में अमेरिकी सैनिकों की संख्या बढ़ाई थी। सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में इटली और स्पेन से भी अमेरिकी सैनिकों की वापसी की घोषणा हो सकती है।

यूरोपीय देशों में अमेरिका के 68 हजार सैनिक

अमेरिका के इस समय एक दर्जन से ज्यादा यूरोपीय देशों में करीब 68 हजार सैनिक तैनात हैं। अमेरिका के डिफेंस मैनपावर डाटा सेंटर के अनुसार इनमें सर्वाधिक 36,436 सैनिक जर्मनी में तैनात हैं। जबकि इटली में 12,662, ब्रिटेन में 10,158 और स्पेन में 3,814 सैनिक तैनात हैं। बाकी देशों में इससे कम सैनिक तैनात हैं।

अमेरिका की 'कमजोर कड़ी' उजागर, ईरान के प्रहार से हिले सैन्य किले

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

16 ठिकाने बने निशाना, कई बेस लगभग बेकार, 'अजेय' ठिकाने भी बने आसान लक्ष्य

इराक में अमेरिकी ठिकानों पर किया गया हमला। फाइल

28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध ने पश्चिम एशिया में ताकत के समीकरण को हिलाकर रख दिया है। सीएनएन की जांच में खुलासा हुआ है कि ईरान और उसके सहयोगियों ने आठ देशों में फैले अमेरिका के कम से कम 16 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर भारी नुकसान पहुंचाया। इनमें से कई ठिकाने अब लगभग बेकार हो चुके हैं, यानी वे किले, जिन पर अमेरिका की क्षेत्रीय ताकत टिकी थी, अब खुद बोझ बनते दिख रहे हैं।

एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक कुवैत का कैंप बुहरिंग, जो कभी अमेरिकी सैनिकों की चहल-पहल से भरा रेगिस्तान का छोटा शहर माना जाता था, अब मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद लगभग खाली और बुरी तरह क्षतिग्रस्त पड़ा है।

रडार, एयरक्राफ्ट और 'गोल्फ बाल' तबाह : इस बार ईरान ने अंधाधुंध हमला नहीं किया, बल्कि वही जगह चुनी जहां चोट सबसे गहरी लगे। उन्नत रडार सिस्टम, संचार नेटवर्क और करोड़ों डालर के एयरक्राफ्ट सब उसके निशाने पर थे। करीब 50 करोड़ डालर कीमत वाला बोइंग ई-3 सेंट्री जैसे विमान, जो पूरे खाड़ी क्षेत्र पर नजर रखने में अहम थे भी इसकी जद में आए। सबसे बड़ा झटका रैडोम यानी वे विशाल गोल ढांचे को लगा, जो सैटेलाइट सिस्टम की रीढ़ होते हैं। युद्ध शुरू होने के एक महीने के भीतर ही इन रैडोम्स में से लगभग सभी नष्ट कर दिए गए।

जंग का बिल भी भारी, 25 अरब डालर खर्च, ठिकाने छोड़ने पड़े: पेंटागन के कार्यवाहक नियंत्रक जूल्स हर्स्ट तृतीय के मुताबिक, अब तक करीब 25 अरब डालर खर्च हो चुके हैं। द न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, सिर्फ फिफ्थ फ्लीट मुख्यालय की मरम्मत पर ही करीब 20 करोड़ डालर लग सकते हैं। हालात ऐसे बने कि पश्चिम एशिया में तैनात अमेरिकी सैनिकों का बड़ा हिस्सा अपने ठिकानों से हटाकर होटलों और अपार्टमेंट्स में शिफ्ट करना पड़ा।

जुबिन गर्ग की मौत के मामले में पोत संचालकों की जिम्मेदारियों पर उठे सवाल

सिंगापुर, प्रेट्र : भारतीय गायक जुबिन गर्ग की डूबने की घटना ने नशे में धुत यात्रियों से निपटने के दौरान पोत संचालकों की जिम्मेदारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह बात स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट में वकीलों के हवाले से कही गई है। रिपोर्ट में अन्य लोगों के साथ-साथ सिंगापुर की एक ला फर्म, ट्रायंगल लीगल के प्रबंध निदेशक निको ली का भी उल्लेख है, जिन्होंने सिंगापुर समुद्री और बंदरगाह प्राधिकरण (पोर्ट) के नियमों का हवाला दिया है। इसमें नशे में धुत यात्रियों को पोत पर चढ़ने से रोकने के प्रविधान हैं।

ली के अनुसार, पोत के मालिक, एजेंट या कप्तान को किसी भी ऐसे व्यक्ति को पोत पर चढ़ने की अनुमति नहीं देनी चाहिए, जो शराब या ड्रग्स के प्रभाव में हो और जिसका नशा पोत, चालक दल या किसी अन्य व्यक्ति की सुरक्षा को खतरे में डालता हो। स्ट्रेट्स टाइम्स ने ली के हवाले से कहा, " यह तर्क दिया जा सकता है कि पोत का कप्तान लापरवाह है, क्योंकि सामान्य लापरवाही के सिद्धांतों के तहत पोत पर सवार मेहमानों के प्रति उसकी प्रथम दृष्ट्या देखभाल की जिम्मेदारी होती है।" गर्ग के मामले का हवाला देते हुए ली ने कहा कि परिस्थितियां गंभीर थीं, क्योंकि पोत के नियंत्रक को पता था कि यात्री नशे में था।

डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि इल्हान उमर और ट्रंप के बीच टूटी बयानों की मर्यादा

- कहा, इल्हान सोमालिया से आकर हमें बता रहीं अमेरिका को कैसे चलाएं
- इल्हान बोलीं, बयान किसी अपराधी की ओर से न आता तो आक्रोश पैदा होता

डोनाल्ड ट्रंप और इल्हान उमर। फाइल

फ्लोरिडा, एएनआइ : डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि इल्हान उमर पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जमकर बरसे। इस दौरान दोनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप में बयानों की मर्यादा टूट गई। ट्रंप ने उन्हें पाखंडी करार दिया और उनके निजी जीवन पर हमला बोला। साथ ही सोमालिया पर निशाना साधा। वहीं इल्हान ने उन्हें अपराधी बताया।

ट्रंप ने कहा, "इल्हान उमर सोमालिया से यहां आती हैं और हमें बताती हैं कि अमेरिका को कैसे चलाया जाए। वह कहती हैं, संविधान मुझे कुछ अधिकार देता है और मैं मांग करती हूं कि मुझे ये अधिकार दिए जाएं। दफा हो जाओ। कैसी पाखंडी है।" ट्रंप ने कहा, "मेरा मानना है कि उन्होंने अपने भाई से शादी की है, जो पूरी तरह से गैरकानूनी है।" इल्हान उमर ने ट्रंप की टिप्पणियों को खारिज कर दिया और उनके विश्वसनीयता पर हमला किया। उन्होंने कहा, "अगर यह बेतुका बयान किसी अपराधी की ओर से न आ रहा होता तो निश्चित रूप से आक्रोश पैदा करता। मुझे अब भी समझ नहीं आता कि कोई जानबूझकर खुद को इस तरह अपमानित कैसे कर सकता है, लेकिन हम यहीं हैं। वैसे, बाल यौन शोषण संरक्षण पार्टी को अपने बचाव के लिए कोई नई सामग्री ढूंढनी चाहिए।"

सोमालिया में एक ही चीज है अपराध : अमेरिकी राष्ट्रपति

ट्रंप ने कहा, "सोमालिया, एक खूबसूरत जगह है। वहां कोई सरकार नहीं है, कोई सेना नहीं है, कुछ भी नहीं है। वहां सिर्फ एक ही चीज है जो बेहद गंभीर है, अपराध। वहां बहुत अपराध होते हैं। वहां कोई पुलिस नहीं है। लोग बस इधर-उधर घूमते रहते हैं और एक-दूसरे पर गोलियां चलाते रहते हैं। यह गंदा, घिनौना, बेहद गंदा है। यह एक भयानक जगह है।"

पश्चिम एशिया का तनाव बना अफ्रीका के लिए वरदान

होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के साथ-साथ लाल सागर में दो साल से अधिक समय से जारी तनाव ने वैश्विक समुद्री व्यापार की रूपरेखा को नाटकीय रूप से बदल दिया है जिससे अफ्रीका का केप आफ गुड होप अब माल ढुलाई का मुख्य केंद्र बन गया है।

खाड़ी देशों के लिए वैकल्पिक मार्ग

- लाल सागर पर स्थित सऊदी अरब का जेद्दा बंदरगाह एक नया क्षेत्रीय हब बनता जा रहा है, जहां समुद्री क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों एमएससी, सीएमए सीजीएम, माएर्स्क और कोस्को के जहाज स्वेज नहर के रास्ते पहुंचते हैं।
- इसके बाद माल ट्रकों द्वारा रेगिस्तानी राजमार्ग के रास्ते शारजाह, बहरीन और कुवैत जैसे स्थानों पर पहुंचाया जाता है, जहां पिछले दो महीनों से समुद्री मार्ग से माल की आपूर्ति नहीं हो रही है।
- केप्लर मरीन ट्रैफिक के आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार (30 अप्रैल) को जेद्दा में 11 कंटेनर जहाज खड़े थे, जिनमें से नौ अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। माल उतारने से पहले औसत प्रतीक्षा समय 36 घंटे था, जबकि पिछले सप्ताह यह 17 घंटे था। जहाज मालिकों ने कहा है कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर तीन बंदरगाहों का उपयोग करेंगे- ओमान का सोहार, यूएई के खोरफक्कन और फुजैराह बंदरगाह, जो यूएई से भूमि मार्ग से जुड़े हुए हैं।
- जार्डन में स्थित अकाबा बंदरगाह इराक के बगदाद और बसरा में माल भेजने के लिए एक बेस के रूप में कार्य करता है, जबकि एक तुर्किये गलियारा भी उत्तरी इराक में माल की पहुंच की अनुमति देता है।

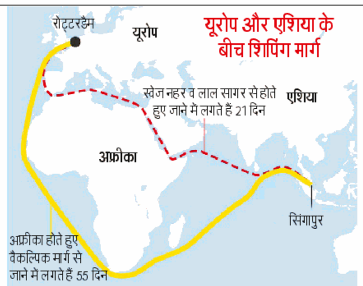

हाउती हमले के डर से स्वेज नहर से कतरा रहे हैं जहाज

यह स्थिति ईरान में युद्ध से काफी पहले शुरू हुई थी, लेकिन इसका मौजूदा संघर्ष से गहरा संबंध है। बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से स्वेज नहर तक लाल सागर से बचने का कारण 19 नवंबर, 2023 से शुरू हुआ, जब यमन के तट से ईरान समर्थित हाउती मिलिशिया द्वारा एक कंटेनर जहाज पर पहला हमला किया गया था। अब जहाज अफ्रीका के पूर्वी तट का अनुसरण करते हुए अफ्रीका के दक्षिणी सिरे, केप आफ गुड होप से होकर गुजर रहे हैं। केप आफ गुड होप तक पहुंचकर अफ्रीका के चारों ओर चक्कर लगाते हैं, और फिर उत्तर की ओर यूरोप और भूमध्य सागर की ओर मुड़ जाते हैं।

बढ़ रहा है अफ्रीकी बंदरगाहों का कारोबार

कुछ अफ्रीकी बंदरगाहों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। मोरक्को के टैंगर मेड पोर्ट अथारिटी का कहना है कि उसने 2025 में 1.1 करोड़ मानक कंटेनरों का संचालन किया, जो 8.4 प्रतिशत की वृद्धि है।

70 प्रतिशत यातायात केप आफ गुड होप के रास्ते डायवर्ट किया जा रहा है 2023 में लाल सागर से होकर गुजरने वाले माल यातायात का पेरिस स्थित प्रबंधन परामर्श फर्म एफिसो में आपूर्ति शृंखला विशेषज्ञ यवेस गुइलो के अनुसार

3 गुना से अधिक बढ़ गया है केप आफ गुड होप के रास्ते वाणिज्यिक जहाजों का यातायात तीन वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पोर्टवाच प्लेटफार्म के आंकड़ों के अनुसार, जबकि बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से यातायात आधे से अधिक कम हो गया है

20 वाणिज्यिक जहाज प्रतिदिन केप आफ गुड होप से होकर गुजरे इस वर्ष एक मार्च से 24 अप्रैल के बीच औसतन, जबकि 2023 में इसी अवधि में यह संख्या छह थी

18 आवागमन प्रतिदिन होते थे मार्च और अप्रैल, 2023 के बीच बाब अल-मंडेब से, जो तीन साल बाद घटकर औसतन पांच रह गए हैं

7 अरब डालर का नुकसान हुआ मिस्र को स्वेज नहर से मिलने वाले टोल राजस्व घटने से, कमोडिटी क्षेत्र की विशेषज्ञ पत्रिका साइक्लोप के अनुसार, यह 2023 की तुलना में 60 प्रतिशत से अधिक की गिरावट है

जागरण रिसर्च

युद्धविराम के बावजूद लेबनान में इजरायली हमले तेज, सात की मौत

- ईसाइयों के चर्च पर आइडीएफ ने चलाया बुलडोजर, इमारत को नुकसान

बेरूत, एपी: इजरायल और लेबनान के बीच 17 अप्रैल से लागू युद्धविराम के बावजूद दक्षिणी लेबनान में हिंसा फिर तेज हो गई है। शनिवार को इजरायली कार्रवाई में सात लोगों के मारे जाने की खबर है। हालात ऐसे हैं कि युद्धविराम अब प्रभावी नहीं रह गया है।

इजरायली सेना (आइडीएफ) ने सीमावर्ती इलाके यारून में स्थित एक कैथोलिक कान्वेंट परिसर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस परिसर में एक स्कूल और क्लीनिक भी संचालित थे तथा यहां दो नन रहती थीं। इस कार्रवाई को लेकर धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने के आरोप लगे हैं। आइडीएफ ने साथ ही दक्षिणी लेबनान के नौ गांवों के लिए नई चेतावनी जारी कर निवासियों को इलाका खाली करने को कहा है। सेना का दावा है कि हिजबुल्ला इन इलाकों का इस्तेमाल इजरायल के खिलाफ हमलों के लिए कर रहा है। कान्वेंट परिसर को लेकर भी आइडीएफ ने आरोप लगाया कि इसका उपयोग हिजबुल्ला की गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। हालांकि, सेना ने यह भी कहा कि जिस इमारत को गिराया गया उसमें धार्मिक चिह्न नहीं पाए गए और चर्च वाले हिस्से को आगे नुकसान से बचा लिया गया।

दूसरी ओर, लेबनान के कैथोलिक चर्च ने इजरायल के इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि परिसर में किसी प्रकार की सैन्य गतिविधि नहीं होती थी। इजरायल ने पिछले 24 घंटों में दक्षिणी लेबनान में करीब 50 हवाई हमले करने का दावा किया है। उधर, हिजबुल्ला ने कहा कि उसके लड़ाकों ने एक घर में मौजूद इजरायली सैनिकों को

कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी तत्व राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा : खुफिया रिपोर्ट

- कनाडाई संसद में पेश की गई 'सुरक्षा खुफिया सेवा' (सीएसआइएस) की 2025 की वार्षिक रिपोर्ट

कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा। फाइल

ओटावा, एएनआइ : कनाडा की खुफिया एजेंसी 'कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा' (सीएसआइएस) की वर्ष 2025 की वार्षिक रिपोर्ट ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। कनाडाई संसद में पेश की गई इस रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से स्वीकार किया गया है कि कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी तत्व देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर और निरंतर खतरा बने हुए हैं। यह स्वीकारोक्ति उन घावों को भी हरा करती है जो 40 साल पहले एअर इंडिया फ्लाइट 182 पर हुए आतंकी हमले ने दिए थे, जिसमें 329 बेगुनाह लोगों की जान चली गई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा स्थित खालिस्तानी चरमपंथी (सीबीकेई) समूह आज भी हिंसक उग्रवादी एजेंडे को बढ़ावा दे रहे हैं। चिंताजनक तथ्य यह है कि ये तत्व कनाडाई संस्थानों का लाभ उठा रहे हैं और समुदाय के अनभिज्ञ लोगों से धन जुटाकर उसे हिंसक गतिविधियों की ओर मोड़ रहे हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि इन समूहों की सक्रियता न केवल कनाडा के भीतर, बल्कि वैश्विक स्तर पर कनाडाई हितों के लिए जोखिम पैदा कर रही है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी दर्ज है कि 2025 में कनाडा की धरती पर कोई बड़ा खालिस्तानी हमला नहीं हुआ है।

एक ओर जहां खुफिया रिपोर्ट चीन, रूस और भारत जैसे देशों पर कनाडाई राजनीति में हस्तक्षेप और जासूसी के आरोप लगा रही है, वहीं दूसरी ओर कनाडा के राजनीतिक नेतृत्व के सुर बदलते नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के कार्यभार संभालने के बाद भारत और कनाडा के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलती दिख रही है।

हाल ही में रायल कनाडाई माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के कमिश्नर माइक डुहेम ने एक साक्षात्कार में स्पष्ट किया कि फिलहाल कनाडा की धरती पर हो रहे अपराधों के तार किसी विदेशी इकाई या भारत सरकार से सीधे नहीं जुड़ रहे हैं। भारत ने भी कनाडा द्वारा लगाए गए पुराने आरोपों को 'राजनीति से प्रेरित' बताकर खारिज किया है।

ट्रंप ने दिए वैश्विक तेल आपूर्ति के मार्ग बदलने के संकेत

प्रथम पृष्ठ से आगे

फ्लोरिडा के पाम बीच में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि ''समुद्री डकैती'' का काम काफी मुनाफे वाला है और हाल ही में अमेरिकी बलों ने ईरान के एक तेल टैंकर पर कब्जा किया, जिससे उसका तेल भी अमेरिकी नियंत्रण में आ गया। उन्होंने कहा, ''हम समुद्री डकैतों की तरह हैं, लेकिन हम चालबाजी नहीं करते।''

ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि वैश्विक तेल आपूर्ति के मार्ग बदल रहे हैं। उनके अनुसार, कुछ जहाज अब टेक्सास की ओर रुख कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि दुनिया में तेल की कमी नहीं है और हालात सामान्य होते ही कीमतों में तेज गिरावट आ सकती है।

उधर, ईरानी समाचार एजेंसी फीर्स के अनुसार, खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर्स के डिप्टी इंस्पेक्टर सरदार असादी ने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों के बयान और कार्रवाइयां मीडिया-प्रेरित हैं। उनका उद्देश्य तेल की कीमतों में गिरावट को रोकना और मौजूदा हालात से खुद को बाहर निकालना है।

ईरान का प्रस्ताव, जिसे ट्रंप ने ठुकराया : रायटर के अनुसार, ट्रंप द्वारा खारिज किए गए ईरान के नए शांति प्रस्ताव को लेकर तेहरान के एक राजनयिक सूत्र ने जानकारी दी है। हालांकि ट्रंप ने प्रस्ताव का विवरण सार्वजनिक नहीं किया, लेकिन अधिकारी के अनुसार यदि इसे स्वीकार कर लिया जाता तो होर्मुज स्ट्रेट को खोला जा सकता था। प्रस्ताव में यह गारंटी मांगी गई थी कि अमेरिका और इजरायल ईरान पर कभी हमला नहीं करेंगे। इसके बदले ईरान होर्मुज को खोलता और अमेरिका नाकेबंदी समाप्त करता। इसके बाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने के लिए वार्ता होती।

बल्लेबाज	रन
केएल राहुल	433
अभिषेक शर्मा	425
हेनरिक क्लासिन	414

गेंदबाज	विकेट
भुवनेश्वर कुमार	17
अंशुल कंबोज	17
जोफ्रा आर्चर	15

मुंबई प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर

चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस को आठ विकेट से हराया रुतुराज-कार्तिक ने जड़े अर्धशतक

उर्विल पटेल का विकेट लेने के बाद मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी ● प्रेट्र

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को चेन्नई सुपर किंग्स ने शनिवार को करारी मात दी, जिसके बाद टीम प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर हो गई है। चेन्नई ने यह मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम किया। हार्दिक पांड्या की टीम मौजूदा सीजन में नौ मैचों में से सात हार चुकी है। उसे अभी पांच लीग मैच और खेलने हैं। अगर वह सभी मुकाबले जीत भी लेती है तो उसके अधिकतम 14 अंक ही हो पाएंगे, जो प्लेआफ में पहुंचने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में सात विकेट पर 159 रन बनाए। जवाब में चेन्नई ने 160 रन के लक्ष्य को 11 गेंद शेष रहते हुए केवल दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ चेन्नई ने प्लेआफ की दौड़ में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली।

रुतुरात ने खेली कप्तानी पारी: लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई की शुरुआत थोड़ी डगमगाई, लेकिन कप्तान रुतुरात गायकवाड़ और कार्तिक शर्मा ने जिम्मेदारी संभाली। संजू सैमसन (11) के जल्दी आउट होने के बाद रुतुराज संयमित बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 67 रन बनाए। उन्होंने 34 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो इस सीजन में उनका लगातार दूसरा अर्धशतक रहा। इससे पहले वह गुजरात टाइटंस के विरुद्ध भी शानदार पारी खेल चुके हैं। रुतुराज ने दूसरे विकेट के लिए उर्विल पटेल के साथ 22 गेंदों में 49 रन जोड़े, जबकि तीसरे विकेट के लिए कार्तिक (नाबाद 54) के साथ 75 गेंदों में नाबाद 98 रन की साझेदारी कर टीम को जीत तक पहुंचाया। कार्तिक ने भी इस सीजन में अपना पहला अर्धशतक जमाया।

रिकल्टन-नमन की जोड़ी : इससे पहले मुंबई की पारी की शुरुआत फिर कमजोर रही। दूसरे ओवर में विल जैक्स सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद रियान रिकल्टन और नमन धीर ने पारी को संभालते हुए दूसरे विकेट के लिए 32 गेंदों में 58 रन जोड़े। रिकल्टन ने 24 गेंदों में पांच छक्कों की मदद से 37 रन बनाए। नमन धीर ने एक छोर संभाले रखा और सूर्यकुमार के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 24 गेंदों में 40 रन जोड़े। नमन ने इस सीजन में अपना दूसरा अर्धशतक पूरा किया।

सूर्यकुमार एक बार फिर हुए फेल: भारतीय टीम को टी-20 विश्व कप दिलान वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। उन्होंने 12 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 21 रन बनाए। हाल के मैचों में सूर्यकुमार का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है। इस सीजन में उनके स्कोर 16, 51, 6, 33, 0, 15, 36 और 5 रहे हैं, जिससे उनकी फार्म पर सवाल उठ रहे हैं। तेज गेंदबाजों के विरुद्ध भी वह संघर्ष करते नजर आए हैं। वहीं, तिलक वर्मा का बल्ला भी शांत रहा। वह सिर्फ आठ गेंदों में पांच रन बनाकर आउट हो गए, उन्हें नूर अहमद ने पवेलियन भेजा। कप्तान हार्दिक पांड्या भी 18 रन ही बना सके और बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। ऐसा लग था था कि हार्दिक को गेंद ही समझ नहीं आ रही थी। ओवर्टन, कंबोज और नूर ने मुंबई के गेंदबाजों को बांधे रखा।

रोहित और धौनी के प्रशंसकों को करना होगा इंतजार

इस मुकाबले में फैंस को एक और निराशा झेलनी पड़ी, क्योंकि चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान एमएस धौनी और मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा दोनों ही मैदान पर नजर नहीं आए। रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग की चोट के चलते 12 अप्रैल के बाद से मैच नहीं खेल पाए हैं, जबकि धौनी भी पिंडली की चोट से जूझ रहे हैं। दोनों दिग्गजों की गैरमौजूदगी ने मुकाबले की चमक कुछ कम कर दी और प्रशंसकों को उनके मैदान पर लौटने का इंतजार बना हुआ है।

स्कोर बोर्ड

मुंबई: 159/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
जैक्स का. घोष बो. अंशुल	1	5	0/0
रिकल्टन का. उर्विल बो. नूर	37	24	0/5
नमन का. सब बो. ओवरटन	57	37	4/3
सूर्यकुमार का. ब्रेविस बो. घोष	21	12	3/1
तिलक का. गायकवाड़ बो. नूर	5	8	0/0
हार्दिक का. ब्रेविस बो. अंशुल	18	23	2/0
रोबिन बो. कंबोज	5	3	1/0
क्रिष अविजित	3	6	0/0
बोल्ट अविजित	7	2	0/1

अतिरिक्त: 5 (बा: 2, लेबा: 2, वा: 1) विकेटपतन : 1-1 (जैक्स, 1.2), 2-59 (रिकल्टन, 6.4), 3-99 (सूर्यकुमार, 10.3), 109-4 (तिलक, 12.5), 5-134 (नमन, 16.5), 6-139 (रोबिन, 17.2), 7-151 (हार्दिक, 19.3) गेंदबाजी: मुकेश 3-0-25-0, अंशुल 4-0-32-3, प्रशांत 2-0-25-0, नूर 4-0-26-2, घोष 3-0-24-1, ओवरटन 4-0-23-1

चेन्नई : 160/2 (18.1 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
संजू का. रिकल्टन बो. बुमराह	11	9	2/0
गायकवाड़	67	48	5/2
उर्विल बो. गजनफर	24	12	2/2
कार्तिक	54	40	4/3

अतिरिक्त : 4 (वा: 4)

विकेटपतन : 1-13 (संजू, 1.6), 2-62 (उर्विल, 5.4), गेंदबाजी: बोल्ट 3.1-0-37-0, बुमराह 3-0-20-1, क्रिष 2-0-22-0, गजनफर 4-0-40-1, रघु 4-0-24-0, हार्दिक 2-0-17-0

अंक तालिका		मैच	जीत	हार	रद	नेट रन रेट	अंक
1	पंजाब	8	6	1	1	+1.043	13
2	आरसीबी	9	6	3	0	+1.420	12
3	हैदराबाद	9	6	3	0	+0.832	12
4	राजस्थान	10	6	4	0	+0.510	12
5	गुजरात	9	5	4	0	-0.192	10
6	चेन्नई	9	4	5	0	+0.005	8
7	दिल्ली	9	4	5	0	-0.895	8
8	कोलकाता	8	2	5	1	-0.751	5
9	मुंबई	9	2	7	0	-0.803	4
10	लखनऊ	8	2	6	0	-1.106	4

अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आज खेला जाएगा मुकाबला

पंजाब किंग्स की निगाह वापसी पर

अहमदाबाद, प्रेट्र: पिछले मैच में पंजाब किंग्स का जीत का सिलसिला टूट गया और वह लगातार तीसरी जीत हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध गुजरात टाइटंस के विरुद्ध रविवार को यहां होने वाले आइपीएल के मैच में अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेगा। राजस्थान रायल्स ने इस सप्ताह के शुरू में पंजाब किंग्स के अजेय अभियान पर रोक लगा दी थी। हालांकि पंजाब किंग्स की टीम आठ मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है, लेकिन रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रायल्स उससे सिर्फ एक अंक पीछे हैं।

लगातार छह जीत हासिल करके शुरुआती बढ़त बनाने वाली पंजाब किंग्स की गेंदबाजी विभाग को लेकर कुछ चिंताएं हैं। पंजाब के बल्लेबाजों की तरह उसके गेंदबाज अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाए हैं। उसके बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन के कारण गेंदबाजों की कमियां खुलकर सामने नहीं आई हैं लेकिन टूर्नामेंट अब महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच चुका है और ऐसे में कोई कमजोरी टीम पर भारी पड़ सकती है।

इधर गुजरात टाइटंस की टीम लगातार दो मैच जीतकर इस मैच में उतर रही है। हालांकि, उसका अभियान उतार चढ़ाव वाला रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स और फिर आरसीबी के विरुद्ध लगातार जीत के बाद टाइटंस 10 अंकों के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर हैं। गुजरात की बल्लेबाजी उसके शीर्ष तीन बल्लेबाजों साई सुदर्शन, कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर के इर्द-गिर्द घूमती रही है। इन तीनों पर अत्यधिक निर्भरता टीम के लिए चिंता का विषय है।

शुभमन गिल श्रेयस अय्यर

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, वाशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, अरशद खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबादा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, इशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टाम बैंटन, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, अनुज रावत, कुलवंत खेजरोलिया, राहुल तेवतिया।

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह ओमरजई, मार्को जेनसेन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेड्गे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लाकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, पाइला अविनाश, विष्णु विनोद।

जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी सनराइजर्स हैदराबाद

हैदराबाद, प्रेट्र: अपने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन से खिताब के दावेदारों में शामिल हुई सनराइजर्स हैदराबाद की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के विरुद्ध रविवार को होने वाले आइपीएल मैच में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगी। दूसरी ओर अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर की टीम अभी तक संघर्ष करती रही है, लेकिन उसने अपने आखिरी दो मैच जीते हैं। दस टीमों के इस टूर्नामेंट में वह आठवें स्थान पर है। सनराइजर्स के पास टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे और तीसरे स्थान पर काबिज अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन हैं। इशान किशन के रूप में सनराइजर्स के पास एक और विस्फोटक बल्लेबाज है जो किसी भी दिन अपने दम पर मैच का रुख बदल सकता है और उन्होंने इस सत्र में इसे साबित भी किया है। हेड ने भी मुंबई के विरुद्ध 76 रन बनाकर फार्म में वापसी की है।

टीमों को अनुशासन बनाए रखना होगा : सैकिया

देवजीत सैकिया

मुंबई, प्रेट्र: भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) सचिव देवजीत सैकिया ने शनिवार को कहा कि खिलाड़ियों और अधिकारियों को आइपीएल की छवि बनाए रखने के लिए तय अनुशासन का पालन करना चाहिए और संचालन संस्था नियमों का उल्लंघन करने वाली पक्षों पर लगाम कसने के लिए और भी कड़े उपायों पर विचार कर रही है। सैकिया की यह टिप्पणी राजस्थान रायल्स के कप्तान रियान पराग और टीम मैनेजर रोमी भिंडर पर चल रहे आइपीएल के दौरान दो अलग-अलग घटनाओं के लिए जुर्माना लगाए जाने के ठीक बाद आई है। बीसीसीआइ मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए सैकिया ने कहा कि हमने बहुत साफ तौर पर कहा है कि हम उन टीमों पर लगाम कसने के लिए कुछ अन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हैं जो नियमों का उल्लंघन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हम कुछ कार्रवाई करेंगे। सैकिया ने कहा कि यह सिर्फ उनके खिलाड़ी या कोई अधिकारी ही नहीं हैं। एक टीम के तौर पर उन्हें एक निश्चित अनुशासन बनाए रखना होगा ताकि आइपीएल की छवि पर कभी भी बुरा असर नहीं पड़े। पराग के विरुद्ध कार्रवाई की घोषणा करने वाले अपने ईमेल में बोर्ड ने कहा था कि बीसीसीआइ नियमों का उल्लंघन करने वाली टीम के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई शुरू करने के लिए अन्य विकल्पों पर भी विचार कर रहा है ताकि आइपीएल की प्रतिष्ठा बनी रहे। जब उनसे पूछा गया कि क्या पंजाब पुलिस ने बीसीसीआइ से संपर्क किया है क्योंकि देश में इलेक्ट्रानिक सिगरेट निषेध अधिनियम 2019 के तहत वेपिंग पूरी तरह से प्रतिबंधित है तो सैकिया ने कहा कि नहीं। ऐसी कोई स्थिति नहीं है। सैकिया ने कहा कि बीसीसीआइ दो दिनों के भीतर आइपीएल प्लेआफ के स्थानों की घोषणा कर देगा। उन्होंने कहा कि हम दो दिनों में स्थल की घोषणा करने जा रहे हैं। हम इस पर काम कर रहे हैं कि आइपीएल प्लेआफ और फाइनल के लिए कौन-कौन से स्थल हमारे लिए सही रहेंगे।

वैभव को आंख दिखाने पर जैमीसन पर हुई कार्रवाई

जयपुर, प्रेट्र: दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को आइपीएल के मैच के दौरान राजस्थान रायल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आउट करने के बाद उनके प्रति आक्रामक अंदाज अपनाने के लिए एक डिमैरिट अंक का दंड दिया गया है। आइपीएल ने कहा कि जैमीसन ने राजस्थान के विरुद्ध मैच के दौरान खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आइपीएल की आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन किया। घटना राजस्थान की पारी के दूसरे ओवर में घटी, जब 15 वर्षीय सूर्यवंशी को आउट करने के बाद जैमीसन आक्रामक अंदाज में उनके पास गए। इस पर सूर्यवंशी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं की।

यास्तिका-राधा की टीम में वापसी, नंदनी को मौका

महिला टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा, हरमनप्रीत कौर करेंगी कप्तानी, 12 जून से होगा टूर्नामेंट

चयन समिति की बैठक के दौरान हरमनप्रीत (दाएं) व अन्य ● बीसीसीआइ

मुंबई, प्रेट्र: भारत ने शनिवार को इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरू होने वाले आगामी महिला टी-20 विश्व कप के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम में अनकैप्ड खिलाड़ी नंदिनी शर्मा और विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को शामिल किया। प्रतिका रावल को टीम से बाहर कर दिया गया, जबकि आलराउंडर अमनजोत कौर चोट के कारण टीम में जगह नहीं बना पाईं। हरमनप्रीत कौर कप्तानी करेंगी, जबकि स्मृति मंधाना उप-कप्तान होंगी। हालांकि, प्रतिका को इंग्लैंड के विरुद्ध होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए टीम में शामिल किया गया है। यह टेस्ट मैच 10 से 13 जुलाई के बीच लाड्र्स के मैदान पर खेला जाएगा। नंदिनी मध्यम गति की गेंदबाज हैं जिन्होंने महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 10 मैच खेलकर कुल 17 विकेट लिए। वह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं जिसने इस साल फरवरी में बैंकाक में आयोजित महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। चुनी गई यह टीम विश्व कप से पहले मेजबान इंग्लैंड के विरुद्ध खेली जाने वाली तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भी हिस्सा लेगी। यह सीरीज 28 मई से शुरू होगी।

इंग्लैंड के विरुद्ध टी-20 सीरीज और टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, रिचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (दूसरी विकेटकीपर), नंदिनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव।

इंग्लैंड के विरुद्ध एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम: हरमनप्रीत (कप्तान), मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, प्रतिका रावल, रिचा घोष, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया, नंदिनी शर्मा, हरलीन देओल, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, स्नेह राणा।

खेल डायरी

लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े जोश इंग्लिस

नई दिल्ली, आइएएनएस: आइपीएल 2026 के बीच जोश इंग्लिस लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से जुड़े हैं। यह टीम सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआइ) के विरुद्ध अहम मुकाबला खेलेगी। इंटरनेट मीडिया पर इस खबर की पुष्टि करते हुए एलएसजी ने एक तस्वीर शेयर की जिस पर लिखा था कि आस्ट्रेलिया से आया धमाका। नीलामी के बाद से ही 31 वर्षीय इंग्लिस की उपलब्धता चर्चा का विषय बनी हुई थी। वह अब भारत पहुंच गए हैं और उन्होंने टीम के साथ अभ्यास शुरू कर दिया है। इंग्लिस ने पहले फ्रेंचाइजी को बताया था कि वह निजी कारणों से सीजन का कुछ हिस्सा नहीं खेल पाएंगे। इस क्रिकेटर ने 18 अप्रैल को पश्चिमी आस्ट्रेलिया में शादी की थी। शुरुआती शंकाओं के बावजूद एलएसजी ने पंजाब किंग्स (पीबीकेस) से रिलीज होने के बाद जोश इंग्लिस को 8.6 करोड़ में खरीदा था। पंजाब में वह इससे कम फीस पर खेले थे।

मानस अपने पहले एटीपी चैलेंजर फाइनल में

नई दिल्ली, प्रेट्र: 18 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी मानस धामने ने कजाखस्तान के शिमकेंट में खेले जा रहे क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में फ्रांस के एंटोनी गिबाउडो को सीधे सेटों में हराया। इस जीत के साथ उन्होंने अपने करियर में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार एटीपी चैलेंजर फाइनल में जगह बनाई। अब धामने की नजर खिताब जीतने पर होगी, जब वह फाइनल में बेल्जियम के बुवायसार गदामौरी से रविवार को मुकाबला करेंगे। धामने ने संयमित और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए गिबाउडो को 6-4, 6-3 से मात दी। पहले सेट में कड़ी टक्कर के बाद उन्होंने अहम मौके पर ब्रेक हासिल किया, जबकि दूसरा सेट आसानी से जीत लिया।

पूर्व फार्मूला-1 ड्राइवर जनार्डी का निधन

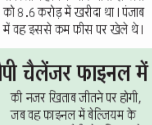

एलेक्स जनार्डी ● फाइल फोटो, एपी

नई दिल्ली, आइएएनएस: पूर्व फार्मूला 1 ड्राइवर और पैरालंपिक चैंपियन एलेक्स जनार्डी का शुक्रवार को 59 साल की उम्र में निधन हो गया। जनार्डी के परिवार ने बताया कि पूर्व चैंपियन का निधन उस समय हुआ, जब उनके आस-पास परिवार और दोस्त मौजूद थे। जनार्डी को 2001 में एक भयानक दुर्घटना में अपने दोनों पैर गंवाने के बाद अपने करियर को फिर से बनाया था और पैरा साइक्लिंग में एक वैश्विक हस्ती बन गए थे। उन्होंने 2012 और 2016 के पैरालिंपिक खेलों में इटली का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें उन्होंने चार स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। उन्हें 2020 में इटली में एक सड़क दुर्घटना में फिर गंभीर चोटें लगी थीं। जनार्डी ने ब्राजील में 1993 और 1994 में हुई फार्मूला-1 रेस में छठा स्थान हासिल किया था।

डोपिंग टेस्ट से बचते हैं भारतीय एथलीट : कोहेन

अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के महानिदेशक बेंजामिन कोहेन ने भारत में डोपिंग के मामलों की उच्च दर पर चिंता व्यक्त की

न्यूयार्क, प्रेट्र: ओलिंपिक खेलों और अन्य प्रमुख वैश्विक प्रतियोगिताओं में डोपिंगरोधी कार्यक्रम का प्रबंधन करने वाली संस्था अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आइटीए) के महानिदेशक बेंजामिन कोहेन ने भारत में डोपिंग के मामलों की उच्च दर, खिलाड़ियों को परीक्षण से पहले अग्रिम सूचना दिए जाने और उनका नमूना नहीं देने पर चिंता व्यक्त की है। कोहेन ने यह भी कहा है कि हमें ऐसे किस्से भी सुनने को मिल रहे हैं कि भारत में खिलाड़ी डोपिंग की जांच से बचने के लिए भाग जाते हैं। जबकि, खिलाड़ियों को जांच से पहले अग्रिम सूचना दी जाती है।

बेंजामिन कोहेन ने एक रिपोर्ट में कहा कि अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आइओसी) ने यह संदेश दिया है कि यदि भारत 2036 खेलों की मेजबानी करना चाहता है तो उसे शासन और संरचनात्मक स्तर पर कई सुधार करने होंगे। एक विदेश अखबार के लिए खेल संबंधी खबरें कवर करने वाले प्लेटफार्म के अनुसार कोहेन ने कहा कि हम भारत में डोपिंग की स्थिति को लेकर चिंतित हैं और हमें कई घटनाओं के बारे में जानकारी मिल रही है। आइओसी की ओर से डोपिंगरोधी परीक्षणों की देखरेख करने के अलावा लाजेन स्थित आइटीए लगभग 50 अंतरराष्ट्रीय खेल संघों के डोपिंगरोधी कार्यक्रमों का प्रबंधन भी करता है। कोहेन ने कहा कि उन्होंने इटली के मिलानो कोर्टिना में शीतकालीन ओलिंपिक के दौरान राष्ट्रीय डोपिंगरोधी एजेंसी (नाडा) व भारतीय ओलिंपिक संघ के अधिकारियों से मुलाकात की और आइटीए के साथ मिलकर काम करने की उनकी इच्छा से उन्हें काफी प्रोत्साहन मिला।

भारत अब सही राह पर: कोहेन ने यह भी कहा कि मुझे लगता है कि भारत सही राह पर हैं, क्योंकि अब यह स्पष्ट है कि आइओए और खेल मंत्रालय इस दिशा में कुछ करना चाहते हैं। उनके पास संसाधन हैं। इसलिए यह केवल कुछ समय की बात है। भारत लगातार तीन वर्षों से विश्व डोपिंगरोधी एजेंसी (वाडा) की डोपिंग का उल्लंघन करने की सूची में शीर्ष पर है।

सेमीफाइनल में आयुष और श्रीकांत हारे

थामस कप के सेमीफाइनल में भारत के विरुद्ध फ्रांस ने 2-0 की बढ़त बनाई

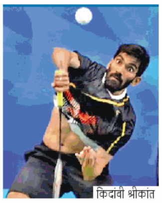

किदांबी श्रीकांत

होर्सेंस (डेनमार्क), प्रेट्र: थामस कप के सेमीफाइनल में भारत पर हार का खतरा मंडराने लगा है, जहां फ्रांस ने 2-0 की बढ़त बना ली है। दूसरे सिंगल्स मुकाबले में किदांबी श्रीकांत को विश्व नंबर-10 एलेक्स लैनियर के विरुद्ध सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। पहले सिंगल्स में आयुष शेट्टी की हार के बाद भारत को वापसी की उम्मीद श्रीकांत से थी, लेकिन पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी 16-21, 18-21 से मुकाबला हार गए। श्रीकांत ने पहले गेम की शुरुआत अच्छी की और 3-3 तक कड़ी टक्कर दी। उन्होंने नेट पर शानदार खेल और जोरदार स्मैश के साथ मुकाबला संतुलित रखा, लेकिन इसके बाद लानियर ने गति बढ़ाते हुए बढ़त बना ली। छोटे रैलियों में श्रीकांत से गलतियां हुईं और वह 9-14 से पीछे हो गए। हालांकि उन्होंने वापसी करते हुए स्कोर 15-18 तक पहुंचाया, लेकिन एक नेट एरर ने उनकी लय तोड़ दी और लानियर ने गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी यही कहानी दोहराई गई। श्रीकांत ने शुरुआती पिछड़ने के बाद 7-7 की बराबरी की, लेकिन लानियर ने भारतीय खिलाड़ी से और गलतियां करवाईं, जिससे वह 10-15 से पीछे हो गए। अंत में श्रीकांत ने स्कोर 15-16 तक लाकर मुकाबला रोमांचक बनाया, लेकिन निर्णायक क्षणों में हुई गलतियों के कारण लानियर ने दो मैच पाइंट हासिल किए और श्रीकांत की नेट में शाट जाने के साथ मुकाबला समाप्त कर दिया। इससे पहले, लक्ष्य सेन की कोहनी में सूजन के कारण टीम में शामिल किए गए आयुष शेट्टी को पहले सिंगल्स में विश्व नंबर-4 क्रिस्टो पोपोव के विरुद्ध 11-21, 9-21 से हार झेलनी पड़ी।

राष्ट्रीय शिविर से 40 मुक्केबाज बाहर, राष्ट्रमंडल-एशियाड ट्रायल स्थगित

साई के स्वीकृति पत्र में नाम शामिल न होने से 20-20 महिला व पुरुष मुक्केबाजों का भविष्य अधर में लटका

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) द्वारा राष्ट्रीय शिविर के लिए जारी स्वीकृति पत्र के आधार पर 40 मुक्केबाजों को बाहर कर दिया गया है। इससे इन मुक्केबाजों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लग गए हैं और उनके इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने को लेकर आशंका बन गई है।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआइ) की चयन नीति के अनुसार, 30 मार्च से पांच अप्रैल तक आयोजित किए गए चीफ आफ आर्मी स्टाफ कप (सीओएएस) में 20 भार वर्गों में शीर्ष दो स्थान हासिल करने वालों को राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया जाना था, जो 25 अप्रैल से शुरू होने वाला था। पिछले साल दिसंबर में जारी की गई नीति में कहा गया है कि ये 40 मुक्केबाज मूल्यांकन परीक्षणों के लिए पात्र होंगे, जिनमें से राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और विश्व मुक्केबाजी कप दो के लिए भारतीय टीमों का चयन किया जाएगा। लेकिन बीएफआइ को 29 अप्रैल को साइ से जो पत्र मिला है, उसमें इन मुक्केबाजों के नाम शामिल नहीं हैं। महासंघ ने शुक्रवार को कहा कि मंजूरी 29 अप्रैल 2026 को प्राप्त हुई थी और वर्तमान में सूची से 40 नाम गायब हैं।

बर्नले पर आसान जीत से लीड्स की स्थिति मजबूत

फुटबाल डायरी

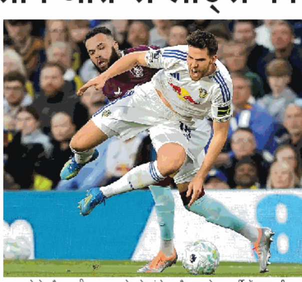

मुकाबले के दौरान लीड्स युनाइटेड के एंटोन स्टैच (सफेद जर्सी में) ● एपी

लीड्स, एपी: लीड्स युनाइटेड ने बर्नले पर 3-1 की आसान जीत के साथ इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबाल टूर्नामेंट में अपनी जगह बनाए रखने की दिशा में मजबूत कदम उठाया। इस जीत से लीड्स अब टाटेनहम हाटस्पर से नौ अंक आगे निकल गया है। टाटेनहम इस समय नीचे से तीसरे और आखिरी रेलिगेशन स्थान पर है।

मुकाबले के आठवें मिनट में घरेलू टीम लीड्स को एंटोन स्टैच ने बढ़त दिलाई। उन्होंने 30 मीटर की दूरी से एक जोरदार शाट लगाकर गोल किया। दूसरा गोल दूसरे हाफ के सातवें मिनट में बर्नले के बशीर हम्फ्रीज की खराब डिफेंसिंग का फायदा उठाते हुए लीड्स के नोआ ओकाफोर ने अपने साथी कैल्वर्ट-लेविन के शानदार पास पर किया। वहीं, इसके चार मिनट बाद कैल्वर्ट-लेविन ने खुद तीसरा गोल किया। बर्नले की तरफ से एकमात्र सांत्वना गोल लूम चाओना ने किया। इस जीत से लीड्स लीग में 14वें स्थान पर पहुंच गया है।

लेचे की जीत से पीसा और वेरोना सीरी-ए से बाहर

पीसा, एपी: इटेलियन फुटबाल टूर्नामेंट सीरी-ए में लेचे ने पीसा को 2-1 से हराकर देश की सेकेंड डिवीजन लीग सीरी-बी में भेज दिया। लामेक बांदा ने 52वें मिनट में पीसा को 1-0 से आगे कर दिया, लेकिन चार मिनट बाद ही मेहदी लेरिस ने मेजबान टीम लेचे के लिए बराबरी का गोल कर दिया और वालिद चेड्डिरा ने 65वें मिनट में गोल कर लेचे को जीत दिला दी। पीसा एक साल पहले ही सीरी-बी से प्रमोट हुआ था। वहीं इस नतीजे से लीग में सबसे नीचे से दूसरे स्थान पर मौजूद वेरोना भी बाहर हो गया। उसके पास 19 अंक हैं।

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

एनसीआरबी के अनुसार वर्ष 2019 से 2023 के बीच लू यानी हीट वेव से मरने वालों की संख्या 3712 है। पिछले दो-तीन साल में इसमें काफी कमी दर्ज की गई है। एनडीएमए ने एसओपी जारी कर लू पीड़ितों को तत्काल इलाज के निर्देश दिए हैं।

हीट एक्शन प्लान की वजह से ही आई मृत्युदर में कमी

सप्ताह का साक्षात्कार

जलवायु परिवर्तन के कारण भले ही पूरी दुनिया में तापमान में बढ़ोतरी दिखाई दे रही हो, लेकिन भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह विशेष रूप से चिंता बढ़ाने वाला है। आज दुनिया के 20 सबसे गर्म शहरों में 19 भारत में हैं, जिनमें बिहार का भागलपुर, ओडिशा का तालचेर, उत्तर प्रदेश का बांदा, फतेहपुर और प्रयागराज जैसे इलाके शामिल हैं। इतना ही नहीं, 1877 में भारत सहित दुनिया के कई देशों में हाहाकार मचाने वाले सुपर अल नीनो के इस साल सक्रिय होने की चर्चा भी शुरू हो गई है। बीते सप्ताह के शुरूआती हिस्से में इसका 'ट्रेलर' भी देखने को मिला। हालांकि बीते तीन-चार दिनों से मौसम का रुख नरम जरूर हुआ, लेकिन मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह राहत कुछ समय के लिए ही है। उसके बाद फिर लोगों को 'हीटवेव' का सामना करना पड़ सकता है। आपदा जोखिम को कम करने और उसके प्रभावों को दूर करने के क्षेत्र में 30 वर्षों का व्यापक अनुभव रखने वाले राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के विभागाध्यक्ष व सदस्य **कृष्ण एस वत्स** का दावा है कि देश के 23 राज्यों, 65 शहरों और 213 जिलों का हीट एक्शन प्लान तैयार है। 2016 से तैयारी की जा रही है। एक्शन प्लान की वजह से ही लू से होने वाली मृत्युदर में कमी आई है। उन्होंने अत्यधिक तापमान वाले शहरों में काम की अवधि में बदलाव का सुझाव भी दिया। बहरहाल, यदि मई-जून में पारा चढ़ता रहा तो इस बात की परीक्षा हो जाएगी कि हीटवेव प्लान कितना पुख्ता है। वत्स 2015-2020 तक न्यूयार्क और नैरोबी में यूएनडीपी के नीति सलाहकार के रूप में काम कर चुके हैं। 2008 से 2014 तक नई दिल्ली में दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम एशिया के लिए क्षेत्रीय आपदा न्यूनीकरण सलाहकार रहे। इससे पहले 1995 में वह महाराष्ट्र राज्य में 'महाराष्ट्र आपातकालीन भूकंप पुनर्वास कार्यक्रम' में शामिल हुए और चार वर्षों के दौरान बड़े पैमाने पर भूकंप रिकवरी कार्यक्रम को लागू किया। उन्होंने जार्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय से आपदा जोखिम प्रबंधन में 'डाक्टर आफ साइंस' की उपाधि प्राप्त की है। दिल्ली राज्य ब्यूरो के प्रमुख संवाददाता **संजीव गुप्ता** ने स्थिति की गंभीरता के साथ इसका सामना करने के तात्कालिक और दीर्घकालिक उपायों पर उनसे विस्तार से चर्चा की। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश :

● देश में इस समय जो हीटवेव की स्थिति है, उसके क्या कारण हैं?

– आज हीटवेव की जो स्थिति देश में है, उसका सीधा संबंध तापमान की वृद्धि से है। यह तापमान की वृद्धि एक वैश्विक रूझान है और सभी देशों में देखने को मिली है। भारत में भी हमें किसी भी समय के औसत तापमान से कुछ अधिक तापमान देखने को मिल रहा है। इसके कारण हीटवेव की स्थिति बन जाती है। इसके साथ-साथ दिन व रात के तापमान में जितना अंतर होना चाहिए, वह अंतर कम हो रहा है और रात का तापमान जितना गिरना चाहिए उतना नहीं गिर पा रहा है। इन सबका हमारे स्वास्थ्य पर काफी प्रभाव पड़ता है। यही वजह है कि इसे गंभीर आपदा की श्रेणी में गिना जा रहा है और उसके हिसाब से ही बचाव के उपाय किए जा रहे हैं। तैयारियों पर विशेष जोर हैं।

● एनडीएमए ने हीटवेव से निपटने के लिए अब तक क्या कदम उठाए हैं?

– हम इस स्थिति का काफी वर्षों से सामना कर रहे हैं। एनडीएमए इस क्षेत्र में लगातार काम कर रहा है। 2016 में हमने पहली बार हीटवेव के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे। 2019 में हमने इसमें संशोधन किया और एक सुधारित दिशा-निर्देश जारी किया। विगत कई वर्षों में हमने देश के विभिन्न भागों में राज्य, जिला और शहरों के स्तर पर हीट एक्शन प्लान तैयार करने शुरू किए हैं। पहली बार अहमदाबाद में हीट एक्शन प्लान बना था। इससे हमें जो कुछ सीखने को मिला था, उसके आधार पर हमने ढेर सारे शहरों में, ढेर सारे जिलों में हीट एक्शन प्लान बनाए हैं। इन हीट एक्शन प्लान में हीटवेव के लिए हमें जो तैयारी करना चाहिए, उसके लिए हम हमेशा सुझाव देते हैं। इसके लिए हम जिला प्रशासन और नगर निगमों को भी आवश्यक सलाह देते हैं।

● अभी तक कितने हीट एक्शन प्लान बन चुके हैं और इनका विस्तार कैसे हो रहा है?

– देश में करीब-करीब 300 हीट एक्शन प्लान बन गए हैं। करीब 65 शहरों में हीट एक्शन प्लान बने हुए हैं। इसके अलावा, हमने 23 राज्यों और 213 जिलों में हीट एक्शन प्लान बनाए हैं। इसका हम लगातार विस्तार कर रहे हैं। हम सारे राज्यों के साथ काम करते हैं, जिससे इस योजना के तहत हम अधिक से अधिक हीट एक्शन प्लान बना सकें। हीट एक्शन प्लान के तहत जो भी कदम उठाने चाहिए, उसके लिए अधिक संवेदनशीलता हो और उसके लिए लगातार स्थानीय स्तर पर प्रयास हो। हम इस दिशा में भी लगातार कोशिश करते रहते हैं।

● क्या हीटवेव को अब आधिकारिक रूप से आपदा माना गया है? इसका महत्व?

– 16वें वित्त आयोग ने हीटवेव को एक अधिसूचित आपदा में शामिल करने की सिफारिश की है। इसका असर यह होगा कि राष्ट्रीय आपदा राहत कोष, राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष, राज्य आपदा राहत कोष, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष जैसी राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध निधियों से हमें हीट एक्शन प्लान के लिए निधि प्राप्त हो सकती है। इससे हम हीट एक्शन प्लान को स्थानीय स्तर पर ज्यादा कारगर बना सकते हैं।

● एनडीएमए हर साल हीटवेव का सामना करने के लिए क्या-क्या तैयारियां करता है?

– एनडीएमए हीट एक्शन प्लान के लिए जनवरी या फरवरी से अपनी तैयारियां शुरू कर देता है। हम सभी राज्यों को बुलाकर कार्यशाला आयोजित करते हैं और हीट एक्शन प्लान के विविध पहलुओं पर चर्चा करते हैं। इसके साथ, हीट एक्शन प्लान को ज्यादा सक्षम, ज्यादा प्रभावी बनाने की दिशा में जरूरी कदमों को उठाने के लिए, हम राज्यों के साथ भी चर्चा करते हैं। इस साल भी हमने फरवरी में एक ऐसी कार्यशाला आयोजित की थी। इसके बाद हम समय-समय पर सभी राज्यों के साथ समीक्षा भी करते रहते हैं। शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर भी हीट एक्शन प्लान के बारे में बहुत सजगता है। प्रधानमंत्री व गृहमंत्री हीट एक्शन प्लान के लिए उचित उपायों पर चर्चा करते हैं और आवश्यक कदमों के लिए भी निर्देश देते हैं।

● हीट एक्शन प्लान के तहत आम लोगों के लिए क्या-क्या दिशा-निर्देश दिए जाते हैं?

– हम हीट एक्शन प्लान के तहत जरूरी कदमों, जैसे पानी की उपलब्धता और लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्के रंग के कपड़े पहनने या घर के भीतर रहने की सलाह तो देते ही हैं। इसके साथ जो वर्ग हीटवेव से अधिक प्रभावित होता है, उसकी मदद करने का प्रयास रहता है। जो लोग बाहर (खुली जगह) काम कर रहे हैं, उनके काम की अवधि को कैसे बदला जा सकता है, कैसे उन्हें सिर पर एक टोपी या कुछ कपड़ा रखने, छाते का प्रयोग करने, दोपहर के समय काम से छुट्टी लेने जैसी सभी बातों को हम हीट एक्शन प्लान में शामिल करते हैं। लोग कैसे ज्यादा से ज्यादा पानी, ओआरएस, छांछ, नींबू पानी, नारियल पानी का सेवन करके अपने को हाइड्रेट रखें। अपने-अपने घरों को ठंडा रखें। इन सभी चीजों के लिए भी निर्देश देते रहते हैं।

● समाज के किन वर्गों पर हीटवेव का सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है और उनके लिए क्या किया जाता है?

– जो बुजुर्ग हैं, उन पर हीटवेव का ज्यादा प्रभाव पड़ता है। हम उन्हें कैसे सुरक्षित रखें, कैसे बढ़ते तापमान से उनकी सुरक्षा करें, साथ में बच्चों का भी विशेष ध्यान रखें। जो स्त्रियां किचन में खाना बनाती हैं, उन्हें ज्यादा गर्मी का सामना करना पड़ता है, उनकी कैसे मदद कर सकें, कैसे घर में वेंटिलेशन बढ़ा सकें, हम इन सब चीजों की तरफ भी ध्यान देते रहते हैं। इसके लिए हमें लोगों से अधिक से अधिक संवाद करने की जरूरत है। हम सभी राज्यों को निर्देश देते हैं कि वह विभिन्न माध्यमों से इस संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं।

● इन प्रयासों का क्या असर दिखा है और इसमें अस्पतालों की क्या भूमिका है?

– विगत पांच-दस वर्षों में हमने जो यह प्रयत्न किया है, उसके कारण मृत्यु की संख्या में काफी कमी आई है। हमने अस्पतालों को भी यह निर्देश दिया है कि हीटवेव से किसी आदमी के प्रभावित होने के बारे में कैसे तुरंत पता लगाएं और उनको किस तरह की चिकित्सा दे सकें, ताकि उसे इसके विपरीत प्रभावों से सुरक्षित कर सकें। इस पूरे कार्यक्रम में इस पूरी प्रक्रिया में स्वास्थ्य मंत्रालय का और राज्य स्तर पर स्वास्थ्य विभाग का बहुत बड़ा सहयोग रहता है। हम स्वास्थ्य मंत्रालय की मदद से ऐसे स्वास्थ्य संबंधी परिणामों की निगरानी करते रहते हैं। यह हिदायत भी देते हैं कि सारे अस्पताल इसकी तैयारी रखें और जो भी हीटवेव से प्रभावित व्यक्ति आए, उसको हम तुरंत से तुरंत मदद कर सकें। तो जहां एक ओर तापमान बढ़ रहा है, वहां दूसरी तरफ हमारी तैयारियों के कारण हीटवेव से होने वाली मौतों की संख्या में निश्चित रूप से कमी आ रही है।

● हीटवेव से बचाव के लिए तात्कालिक उपायों के अलावा दीर्घकालिक उपायों के रूप में क्या किया जा रहा है?

– यह सारे उपाय तो तात्कालिक उपाय हैं, लेकिन हीटवेव की चुनौती से निपटने के लिए दीर्घकालिक उपायों की भी आवश्यकता है। इसके लिए किस तरह से स्थानीय स्तर पर तापमान को कम किया जाए, हम उस दिशा में भी प्रयास करते हैं। जैसे जो छत है, उसमें हम किस तरह की सामग्री का इस्तेमाल करें, जिसके कारण अंदर का तापमान कम रहे। इसको हम कूल रूफिंग कहते हैं। साथ-साथ हम ज्यादा से ज्यादा छायादार वृक्ष की व्यवस्था कर सकें, जल निकायों को पुनर्जीवित करें, तो इन सभी स्थानीय प्रयासों से हम एक किसी खास स्थल में उसका तापमान कम कर सकते हैं। पूरे शहर में तापमान एक जैसा नहीं होता है। कई जगहों में जहां कि ज्यादा वृक्ष हैं, जहां ज्यादा हरियाली है, वहां पर तापमान कम होता है। उस उदाहरण को हम ध्यान में रखकर पूरे शहर में छाया की व्यवस्था करें, कूल शेड्स की व्यवस्था करें, पानी की व्यवस्था करें, मिस्टिंग की व्यवस्था करें, तो इनसे भी तापमान में कमी आती है और लोगों को गर्मी से राहत मिलती है।

● बिजली आपूर्ति और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर पर क्या असर पड़ता है और एनडीएमए इस बारे में क्या कदम उठाता है?

– जैसे ही तापमान में वृद्धि होती है, इसका सीधा असर हमारी बिजली आपूर्ति पर भी होता है। लोग ज्यादा से ज्यादा एयर कंडीशनर चलाते हैं और अन्य जो भी उपकरण हैं, उनमें कूलर्स की भी मांग बढ़ जाती है। इस स्थिति में हम विद्युत मंत्रालय को भी सलाह देते हैं कि गर्मी में किस तरह से बिजली की व्यवस्था की जाए, ताकि लोड शेडिंग को कम किया जा सके और लोगों को बिजली आपूर्ति समय पर हो। हम रेलवे मंत्रालय को भी सलाह देते हैं कि प्लेटफार्म पर पानी की व्यवस्था हो, लोगों को धूप में खड़ा न होना पड़े और ट्रेन में भी ठंडे पानी की व्यवस्था हो सके। इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े हुए सभी मंत्रालयों को हम सलाह देते रहते हैं, ताकि वे गर्मी, हीटवेव से बचाव के लिए उपया कर सकें। बस स्टेशनों पर भी ज्यादा भीड़-भाड़ से बचने के लिए भी सलाह देते हैं। हीट एक्शन प्लान में ऐसी सारी जगहें, जहां पर ज्यादा भीड़ होती है, वहां पर हम भीड़ घटाने, छाया की व्यवस्था करने, कूल शेड की व्यवस्था करने की सलाह देते हैं। हमारा यह प्रयास सभी क्षेत्रों तक फैला हुआ है। हम सभी को कहते हैं कि इसके लिए एक समग्र प्रयास होना चाहिए, ताकि हम ज्यादा से ज्यादा लोगों को इससे जोड़ सकें, शिक्षित कर सकें।

● आम जनता को क्या संदेश देंगे?

– यह आवश्यक है कि हम थोड़ी व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी लें और अपने को गर्मी से बचाएं, अपने को सुरक्षित रखें और धूप में ज्यादा न निकलें। हमेशा पानी पीते रहें, सिर को ढककर रखें और ज्यादा गर्म चीजें, तली चीजें न खाएं। इससे गर्मी में अपनी सेहत का ख्याल रखने से बहुत मदद मिल सकती है। तापमान बढ़ रहा है, लेकिन हम अपने स्तर पर अगर एहतियात बरतें तो इससे घबराने की कोई बात नहीं है। हम पूरे देश में इसके लिए जन-जागृति अभियान शुरू कर रहे हैं। मैं आप सभी से अनुरोध करूंगा कि ये जो उपाय हैं, सभी लोग अपने-अपने माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाएं, ताकि लोग अपने को सुरक्षित रख सकें।

हीटवेव असामान्य रूप से उच्च तापमान का एक दौर है, जो मैदानी इलाकों में 40, तटीय क्षेत्रों में 37 और पहाड़ी क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस तापमान पहुंचने पर घोषित की जाती है। इस स्थिति में तापमान सामान्य से 4 से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक होता है। जब तापमान सामान्य से 6.4 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है तो उसे सीवियर हीटवेव कहते हैं।

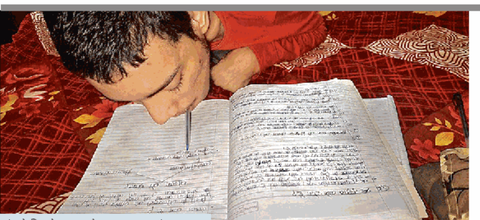

मुंह से लिखते हुए छात्र फैजानुल्लाह। स्वयं

मुंह से पर्चा लिखकर 10वीं बोर्ड का टापर बना फैजान

प्रतिभा

कहते हैं हाथ की लकीरों में किस्मत होती है, लेकिन यदि किस्मत ने हाथ ही छीन लिए हो तो... इसका जवाब दिया है झारखंड के गोड्डा के फैजानुल्लाह ने। कक्षा छह से ही नियमित चार घंटे मुंह से लिखने का अभ्यास कर उन्होंने झारखंड बोर्ड परीक्षा में 469 अंक प्राप्त किया और दिव्यांग श्रेणी में टापर किया। जानिए संघर्ष, जज्बे और कड़ी मेहनत के दम पर अव्वल आने वाले इस छात्र की कहानी :

विधु विनोद ● जागरण

गोड्डा : दिव्यांग श्रेणी में स्टेट टापर बनना उसके जज्बे, संघर्ष और लगन की अविस्मरणीय कहानी है। गोड्डा शहर के फसियां डंगाल मोहल्ला निवासी सेरेब्रल पाल्सी से ग्रस्त दिव्यांग छात्र मोहम्मद फैजानुल्लाह ने इस बार झारखंड की मैट्रिक परीक्षा, जैक 10वीं बोर्ड में 93.8 प्रतिशत अंक हासिल कर घर-बाहर सबको अभिभूत कर दिया है। प्यार से सब उसे फैजान कहते हैं। खास बात यह है कि हाथ-पैर की दिव्यांगता वाले इस छात्र ने मुंह में कलम दबाकर परीक्षा का पूरा पर्चा लिखा। यह अपने आप में देश-दुनिया के लिए मिसाल है। उसने कुल 500 अंकों में 469 अंक लाकर बड़ा संदेश दिया है।

दिव्यांग वर्ग में जिला टापर बनने के साथ अपने विद्यालय यूपीजी गवर्नमेंट हाई स्कूल, शिवाजी नगर में उसने सामान्य विद्यार्थियों में भी स्कूल टापर बनने का गौरव हासिल किया है। उसकी इस उपलब्धि से परिवार, विद्यालय और जिले में हर कोई खुश है। जन्म से ही शारीरिक रूप से अक्षम फैजान ने मुंह से लिखने का अभ्यास कक्षा छह से शुरू किया। बीते पांच साल से वह नियमित चार घंटे मुंह से लिखने का लगातार अभ्यास करता रहा। आखिरकार उसने कठिन परिस्थितियों के बावजूद कड़ी मेहनत, आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर दिव्यांगता को हराने में सफलता प्राप्त कर ली।

अभी फैजान को होम बेस्ड एजुकेशन के तहत शिक्षा दी जाती है। इस व्यवस्था में अलग-अलग विषयों के शिक्षक उसके घर जाकर पढ़ाई कराते हैं। सीमित संसाधन और कठिन शारीरिक चुनौतियों के बाद भी पढ़ाई के प्रति उसकी आसक्ति का ही परिणाम है कि उसने झारखंड एकेडमिक काउंसिल की 10वीं बोर्ड परीक्षा में उर्दू में 96, हिंदी में 90, गणित में 98, विज्ञान में 93, सामाजिक विज्ञान में 92 तथा अंग्रेजी में 84 अंक प्राप्त कर सभी विषयों में ए ग्रेड हासिल किया। परीक्षा की तैयारी के क्रम में फैजान के पिता अनवर आलम और माता नजीमा ने हर कदम पर बेटे का हौसला बढ़ाया। फैजान के रिसोर्स शिक्षक जीतेंद्र कुमार भगत के विशेष शिक्षण सहयोग और मार्गदर्शन ने इस दिव्यांग छात्र की सफलता की मजबूत नींव रखी। वह कहते हैं कि वह एक दिन अपने सारे सपनों को पूरा करेगा।

अपने रिसोर्स शिक्षक जीतेंद्र भगत के साथ मोहम्मद फैजानुल्लाह उर्फ फैजान। स्वयं

सेरेब्रल पाल्सी से ग्रस्त है फैजान

सेरेब्रल पाल्सी जन्म से पहले या तुरंत बाद मस्तिष्क के असामान्य विकास या क्षति के कारण उत्पन्न शारीरिक गति, संतुलन और समन्वय संबंधी विकारों की दिव्यांगता है। यह बचपन की सबसे आम शारीरिक विकलांगता है, जो मांसपेशियों में कठोरता, कमजोरी, कंपन और चलने-फिरने में कठिनाई का कारण बनती है। यह जीवन भर रहती है, लेकिन समय के साथ बिगड़ती नहीं है। सेरेब्रल पाल्सी (दिव्यांगता) न्यूरो-डेवलपमेंटल (मस्तिष्क के विकास से संबंधित) विकार है। 'सेरेब्रल' का अर्थ मस्तिष्क और 'पाल्सी' का अर्थ मांसपेशियों में कमजोरी है। मांसपेशियों में अकड़न (कठोरता) के कारण फैजान चलने-फिरने में भी असमर्थ है। वह 50 ग्राम भार वाली कोई वस्तु भी नहीं उठा सकता है।

जूनियर राइटर मिली थी, लेकिन मुंह से ही लिखे सारे पेपर

झारखंड में बीते 25 वर्षों में यह पहला उदाहरण है जब सेरेब्रल पाल्सी से ग्रस्त छात्र टापर बना है। भले दिव्यांग छात्र फैजान शारीरिक रूप से असमर्थ है। बावजूद उसने कभी दिव्यांगता को अपनी कमजोरी नहीं बनने दी। बीते पांच वर्षों से वह रोज घंटों मुंह से लिखने का अभ्यास करता रहा। फैजान की सफलता के पीछे परिवार और शिक्षकों की भूमिका भी अहम रही। रिसोर्स शिक्षक जीतेंद्र भगत कहते हैं कि उनकी मेहनत रंग लाई। वह लगातार चार साल से फैजान के घर पर जाकर पढ़ा रहे हैं। परीक्षा की तैयारी में उसे हर प्रश्न को कम से कम 10 बार लिखाया जाता, आडियो-वीडियो माध्यम से प्रश्नों को समझाया जाता। सरकारी प्रविधान आरपीडब्लूडी एक्ट 2016 के तहत सेरेब्रल पाल्सी सहित 21 प्रकार की दिव्यांगता वाले बच्चों को परीक्षा में राइटर की सुविधा मिलती है। फैजान को भी बोर्ड की परीक्षा में बतौर राइटर जूनियर छात्रा मिली, लेकिन उसने शत-प्रतिशत पेपर मुंह से लिखकर ही यह कमाल किया।

एसडीएम बनना चाहता फैजान

सेरेब्रल पाल्सी के शिकार फैजान का लक्ष्य एसडीएम बनकर देश की सेवा करना है। इसके लिए वह दृढ़ संकल्पित है। फैजान ने बताया कि दिव्यांगता को वह कभी अपनी कमजोरी नहीं बनने देता। उसने यह सीख ली है कि किसी सूरत में जीवन से निराश नहीं होना है। परिस्थितियां कितनी भी प्रतिकूल हों, हर चुनौती पर विजय पाकर जीवन में सफलता का परचम लहराना ही उसका मकसद है। ... और उसे यकीन है कि यह सपना पूरा होगा।

मदद को बढ़े हाथ, सीएम हेमंत करेंगे सम्मानित

गोड्डा जिले के दो मंत्री क्रमश : संजय यादव और दीपिका पांडेय सिंह ने फैजान की असाधारण सफलता पर उसे हर संभव मदद का भरोसा दिया है। मंत्रियों ने उसे जल्द ही सीएम हेमंत सोरेन से पुरस्कृत कराने का ऐलान किया। अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य हाजी इकरारुल हसन आलम ने फैजान को आगे की पढ़ाई के लिए हरसंभव सहायता देने की घोषणा की है। उसे नन स्कूलिंग में पढ़ाने का सारा खर्च वे वहन करेंगे। इंटर में अच्छे ट्यूशन टीचर से घर पर ही पढ़ाने की व्यवस्था की जा रही है।

भाषण प्रतियोगिता में अव्वल आने पर प्रशासन ने दिया लैपटाप

वर्ष 2025 में समावेशी शिक्षा की उन्मुखीकरण कार्यशाला में उत्कृष्ट भाषण के लिए दिव्यांग छात्र फैजान को जिला प्रशासन की ओर से लैपटॉप दिया गया। तत्कालीन डीडीसी स्मिता टोप्पो और एसडीओ बैद्यनाथ उरांव ने फैजान को लैपटाप देकर बेहतर भविष्य की शुभकामना दी थी। इससे उसकी पढ़ाई में काफी मदद मिली। तकनीकी सहयोग और शिक्षकों के समर्पण ने उसकी शिक्षा को नई दिशा दी। फैजान की उपलब्धि न केवल दिव्यांग बच्चों के लिए प्रेरणा है, बल्कि यह संदेश भी है कि सही मार्गदर्शन, संसाधन और दृढ़ संकल्प से कोई भी मंजिल पा सकता है।

मेहनत की भट्ठी में तपकर कुंदन बनीं नेशनल टापर शांभवी

लगन

झारखंड स्थित जमशेदपुर की छात्रा शांभवी तिवारी आईसीएसई 12वी बोर्ड के विज्ञान विषयों में 400 में से 400 अंक हासिल कर देशभर में टापर बनी हैं। जानिए लौहनगरी की बेटी के फौलादी इरादों के बारे में, जिसके जरिये उन्होंने यह उपलब्धि

वेंकटेश्वर राव ● जागरण

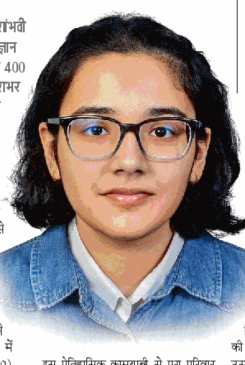

जमशेदपुर : जिस तरह भट्ठी की तपन सहकर कुंदन अपना शुद्धतम और सबसे चमकदार रूप लेता है, ठीक उसी तरह लौहनगरी की बेटी शांभवी तिवारी ने अपनी एकाग्रता और अथक परिश्रम से सफलता का सर्वोच्च शिखर छुआ है। जमशेदपुर के सेक्रेड हार्ट कान्वेंट स्कूल की इस मेधावी छात्रा ने आइएससी 12वीं (विज्ञान) की परीक्षा में 100 प्रतिशत अंक (400 में से 400) हासिल कर पूरे देश में नेशनल टापर बनने का कीर्तिमान रचा है। भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान और अंग्रेजी जैसे जटिल विषयों में शत-प्रतिशत अंक लाने वाली शांभवी अब एक कुशल डाक्टर बनकर जरूरतमंदों की सेवा करना चाहती हैं।

इस ऐतिहासिक कामयाबी से पूरा परिवार जश्न में डूबा है, लेकिन शांभवी बिना रुके आगामी तीन मई को होने वाली नीट की परीक्षा की तैयारी में जुटी हैं। उनका सेंटर अब्दुल बारी कालेज में है और फिलहाल वह माक टेस्ट के जरिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रही हैं। शांभवी के पिता राकेश रमन आदित्यपुर में आल इंडिया रेडियो में प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव हैं, जबकि मां निभा सिन्हा सेंट मैरीज इंग्लिश हाई स्कूल में केमिस्ट्री की शिक्षिका हैं। यह परिवार आदित्यपुर में रेडियो स्टेशन की बिल्डिंग के पीछे ही निवास करता है। शांभवी कहती हैं, यह सफलता मेरे लिए सपने के सच होने जैसी है। मेरी कामयाबी ईश्वर के आशीर्वाद और माता-पिता के सहयोग का फल है। मेरा लक्ष्य डाक्टर बनना है।

पिता राकेश रमन के अनुसार, शांभवी की सफलता का मुख्य मंत्र सेल्फ स्टडी है। उसने खुद को इंटरनेट मीडिया की भ्रामक दुनिया से पूरी तरह दूर रखा है। स्कूल के दिनों में भी वह घर आकर नियमित रूप से नौ घंटे पढ़ाई करती थी। शांभवी का मुख्य लक्ष्य हमेशा से नीट रहा है, इसी की गहराई से तैयारी करने के कारण 12वीं बोर्ड की तैयारी भी स्वतः मजबूत हो गई।

पढ़ना ही सबसे बड़ा शौक

राकेश बताते हैं कि उन्हें कभी बेटी को पढ़ने के लिए कहना नहीं पड़ा। पढ़ना ही उसका सबसे बड़ा शौक है। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरक संदेश देते हुए कहा कि छात्र अपनी असली ताकत को पहचानें। चाहे कला हो, वाणिज्य या विज्ञान, जिस विषय में रुचि हो उसी में आगे बढ़ें। खुद पर अटूट विश्वास और इंटरनेट मीडिया से दूरी ही किसी भी बड़ी सफलता का अचूक रास्ता है।

कोचिंग के बजाय खुद की मेहनत पर किया भरोसा

मेहनत

सीआइएससीई की 12वीं इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट (आइएससी) के परीक्षा परिणाम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कानपुर के छात्र ओजस्वित पसरीचा ने दो साल पहले 10वीं में ही यह संकल्प ले लिया था कि वह 100 में से 100 अंक लाएंगे...और उन्होंने यह पूरा किया। खुद की मेहनत पर भरोसा और आखिर तक रिवीजन सहारा बना :

विवेक मिश्र ● जागरण

बहन तनिष्का के साथ ओजस्वित। जागरण

कानपुर: इंटरनेट मीडिया से दूरी रखी, कोचिंग के बजाय खुद पढ़े, इसके लिए एक दिन नहीं, बल्कि दो साल तक निरंतर मेहनत की। स्कूल में शिक्षकों की मदद से रटने के स्थान पर तार्किक समझ विकसित करके अपने विषय पर पकड़ बनाई। प्रश्नों के उत्तर लिखने में प्रस्तुतीकरण पर विशेष फोकस रखा। चरणवार ब्योरा, कीवर्ड, उत्तर लिखने में साफ-सुथरे ढंग से क्रमबद्धता लाए, जिससे सफलता मिली। यह कहना है काउंसिल फार द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआइएससीई) की 12वीं इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट (आइएससी) के परीक्षा परिणाम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शीलिंग हाउस स्कूल कानपुर के छात्र ओजस्वित पसरीचा का। वह बताते हैं कि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का संकल्प 10वीं कक्षा में ही ले लिया था। स्कूल की पढ़ाई के साथ नोट्स बनाकर आखिर तक रिवीजन करने से वह मुकाम हासिल भी किया।

शीलिंग स्कूल के छात्र ओजस्वित को अंग्रेजी, कंप्यूटर, गणित व केमिस्ट्री में 100-100 अंक मिले। फिजिक्स में 99 व इकोनमिक्स में 97 अंक आए। ओजस्वित ने बताया कि जेईई की तैयारी के लिए यूट्यूब का जरूर सहारा लिया। हालांकि, 12वीं की पढ़ाई में आनलाइन कंटेंट से एकदम दूरी बनाए रखी। उन्होंने कहा कि गणित पसंदीदा विषय है। इसलिए अब भविष्य में गणित के क्षेत्र में उपयोगी शोध करके पहचान स्थापित करने का लक्ष्य है। ओजस्वित के पिता रजनीश पसरीचा दवा कारोबारी व मां स्मिता शिक्षिका हैं। छोटी बहन तनिष्का नौवीं कक्षा की छात्रा है। वह हमेशा ही सकारात्मक सहयोग देती रही।

मां की प्रेरणा आई काम

ओजस्वित बताते हैं कि पढ़ाई के दौरान घर का माहौल व शिक्षिका मां की प्रेरणा भी काम आई। माता-पिता ने उनकी पढ़ाई के लिए हर तरह से मदद की। माहौल ऐसा बनाए रखा कि कभी तनाव या किसी तरह की चिंता नहीं हुई। किसी भी व्यक्ति के लिए सफल होने में उसके आसपास का वातावरण भी बहुत मददगार होता है। इसलिए व्यक्ति को सकारात्मक सोच रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए। जीवन का मूलमंत्र पढ़ाई को बना लेंगे तो फिर भविष्य चमकदार होगा, इसमें कोई दो राय नहीं है। प्रत्येक बच्चे को घर-परिवार के साथ समन्वय बनाते हुए पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। कभी असफलता भी मिले तो घबराएं नहीं, बल्कि डटकर मुकाबला करें व आगे बढ़ें। इससे हर मुश्किल हार जाएगी व जीत मिलेगी।

डिजिटल इक्विपमेंट कारपोरेशन ने दुनिया का पहला स्पैम ईमेल भेजा

1978 में आज ही डिजिटल इक्विपमेंट कारपोरेशन (डीईसी) के मार्केटिंग मैनेजर गैरी थुरक ने एआरपीएनेट (इंटरनेट का पूर्ववर्ती) पर लगभग 393-400 यूजर्स को पहला अनचाहा (स्पैम) बल्क ईमेल भेजा था। इसमें एक नए कंप्यूटर का प्रचार किया गया था।

The world's first 'spam' email

भारत की पहली पूर्ण-लंबाई वाली फीचर फिल्म का प्रीमियर हुआ

1913 आज ही के दिन बांबे (अब मुंबई) के कोरोनेशन सिनेमा में दादासाहेब फाल्के द्वारा निर्मित व निर्देशित पहली भारतीय फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र का प्रीमियर हुआ था। पौराणिक कथाओं पर आधारित इस मूक फिल्म ने देश में फिल्म उद्योग की नींव रखी।

पेंढारकर ने ऐतिहासिक फिल्मों के माध्यम से दिया राष्ट्रवाद को बढ़ावा

निर्माता व निर्देशक भालचंद्र गोपाल पेंढारकर का जन्म 1898 में आज ही कोल्हापुर में हुआ था। मूक फिल्मों के युग से अपना करियर शुरू किया था। वे प्रभात फिल्म कंपनी से जुड़े। बाद में उन्होंने कोल्हापुर में 'जयप्रभा स्टूडियो' स्थापित किया। छत्रपति शिवाजी, नेताजी पालकर, थोरतांची कमला सहित कई उत्कृष्ट ऐतिहासिक फिल्में बनाई। गोरखनाथ, राजा गोपीचंद सहित कुछ महत्वपूर्ण हिंदी फिल्मों का भी निर्देशन किया। 1991 में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित हुए। उनकी फिल्मों में अक्सर देशभक्ति, नैतिकता व भारतीय संस्कृति के गहरे रंग देखने को मिलते हैं।

तेज गर्मी और लू की स्थिति में बच्चों को हर 30 से 45 मिनट में तरल पदार्थ देते रहें

नई दिल्ली, एएनआइ : बढ़ती गर्मी और लू बच्चों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर रही है। बड़ों की तुलना में बच्चों को डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक और थकावट का खतरा तेजी से होता है।

इस बारे में एम्स दिल्ली की बाल रोग विशेषज्ञ डा शेफाली गुलाटी ने चेतावनी दी है कि बच्चे लू से संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति संवेदनशील होते हैं और उन्हें जटिलताओं से बचाने के लिए करीबी देखभाल, पर्याप्त पीने का पानी और बाहरी संपर्क से सुरक्षा की आवश्यकता होती है। हर 30 से 45 मिनट में तरल पदार्थ लेते रहें।

गर्मी की लहर के प्रभाव पर डा. शेफाली गुलाटी ने बताया, "बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्हें अच्छा पानी पीने के लिए मिले। इसलिए उन्हें बार-बार छोटे हिस्सों में तरल पदार्थ दें, जिनमें चीनी ज्यादा न हो। बच्चों को प्यास न लगने पर भी पानी, नारियल पानी, या नींबू पानी देते रहें। उन्हें किसी भी बाहरी गतिविधियों से बचना चाहिए। यदि किसी बच्चे को मिर्गी है, तो इस समय उनके दौरे बढ़ सकते हैं। जिन बच्चों को पूर्व से कोई समस्या है, उन्हें बढ़ती समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए उन्हें विशेष रूप से सावधान रहना होगा। शिशुओं का देखना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वे अपनी प्यास बोलकर नहीं बता सकते, इसलिए उन्हें चौबीसों घंटे तरल पदार्थ दिए जाने चाहिए और ठंडी जगह

प्रतीकात्मक

पर रखा जाना चाहिए। जरूरी न हो तो दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच बच्चों को बाहर न निकलने दें। डा. शेफाली ने बच्चों में गर्मी से संबंधित शारीरिक लक्षणों और दीर्घकालिक तंत्रिका विकास संबंधी स्वास्थ्य के बीच महत्वपूर्ण संबंध को उजागर किया और तत्काल निवारक देखभाल की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि बच्चों को ढीले और आरामदायक कपड़े पहनने चाहिए। यदि कोई बच्चा चिड़चिड़ा हो रहा है, तेज सांस ले रहा है, तेज-तेज सांस चल रही है या नींद में है, तो उन्हें अपने तरल पदार्थों का सेवन बढ़ाना चाहिए और डाक्टर से परामर्श लेना चाहिए। यह दिखाया गया है कि बच्चों को दीर्घकालिक रूप से व्यवहार और उनकी संज्ञानात्मक क्षमताओं में समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए तंत्रिका विकास संबंधी स्थितियों को भी ध्यान में रखना होगा। यह बच्चे को समग्र रूप से प्रभावित कर सकता है। इसलिए बुनियादी निवारक उपाय महत्वपूर्ण हैं और सलाह के अनुसार निवारक कदम उठाए जाने चाहिए। गर्मी के प्रभाव को कम करने पर एम्स दिल्ली के चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डा नवाल विक्रम ने कहा कि जो लोग लू की परिस्थितियों में काम करते हैं, उन्हें ढीले कपड़े पहनने चाहिए और अपने सिर को ढककर रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि संभव हो, तो हर दो घंटे के काम के बाद 15-20 मिनट की छांव में आराम करें। तरल पदार्थ लेते रहें, ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे।

कम उम्र में ज्यादा मोबाइल देखने से बच्चों में बढ़ रहा आटिज्म का खतरा

अध्ययन ▶ बच्चों के स्क्रीन समय की आदत को धीरे-धीरे कम करें, न कि अचानक देखना बंद कर दें

जितना अधिक माता-पिता बच्चे के साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत करेंगे, उनमें आटिज्म का खतरा होता है कम

नई दिल्ल, एएनआइ : एम्स में किए गए एक शोध में यह खुलासा हुआ है कि दो वर्ष से कम आयु के बच्चे, जो अत्यधिक मोबाइल फोन के उपयोग के संपर्क में आते हैं, गंभीर स्थितियों जैसे आटिज्म का शिकार हो सकते हैं। इस शोध में चिकित्सकों ने देखा कि जिन बच्चों के माता-पिता ने जन्म से लेकर 18 महीने की आयु के बीच मोबाइल देखने की आदत विकसित की, उनमें आटिज्म जैसी स्थितियों की प्रचलन दर काफी अधिक था।

क्या है आटिज्म : आटिज्म एक विकार है जो बच्चे की संज्ञानात्मक व समझने की क्षमताओं को प्रभावित करता है। इसके परिणामस्वरूप उनका व्यवहार सामान्य बच्चों से भिन्न होता है।

बढ़ती समस्या की ओर इशारा : सेंटर फार डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के 2025 के अनुमान के अनुसार, लगभग हर 31 में से 1 व्यक्ति में एएसडी पाया जाता है। यह आंकड़ा मजबूत पब्लिक हेल्थ सिस्टम और जागरूकता की जरूरत को दर्शाता है।

प्रतीकात्मक

एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान एम्स की बाल न्यूरोलाजी विभाग की प्रमुख शेफाली गुलाटी ने कहा, "आटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए विशेष रूप से स्क्रीन टाइम के लिए बहुत सारे शोध किए गए हैं। इसमें कई अटकलें हैं। इसमें यह देखा गया है कि एक वर्ष आयु के जिन बच्चों पर अध्ययन किए गए हैं, उनका स्क्रीन समय अधिक था, उनमें तीन वर्ष की आयु में लड़कों में आटिज्म का खतरा अधिक है, साथ ही लड़कियों में भी आटिज्म के लक्षण दिखाई देते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अन्य अध्ययनों और मेटा विश्लेषणों में पाया गया है कि जिन बच्चों में स्क्रीन एक्सपोजर जल्दी शुरू होता है और स्क्रीन टाइम अधिक होता है, उनमें आटिज्म के लक्षण ज्यादा देखे जाते हैं।

एम्स के अध्ययन में क्या सामने आया : उन्होंने कहा कि उनका अपना अध्ययन आटिज्म वाले बच्चों और अन्य बच्चों के साथ किया गया था, जिसमें यह दिखाया गया कि आटिज्म वाले बच्चों का स्क्रीन टाइम अन्य बच्चों की तुलना में अधिक था। उन्होंने कहा कि हमने एक अध्ययन भी किया, जहां अस्पताल में आटिज्म वाले बच्चों की तुलना अन्य बच्चों से की। हमने पाया कि आटिज्म वाले बच्चों ने अन्य बच्चों की तुलना में पहले और लंबे समय तक स्क्रीन समय शुरू किया था। हमने उनकी लत के स्कोर को भी देखा, जो उनके लिए अधिक था। इसलिए, महत्वपूर्ण बात यह है कि स्क्रीन समय को कम किया जाए।

माता-पिता की भूमिका सबसे अहम : गुलाटी ने बच्चों के साथ व्यक्तिगत बातचीत के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, जितना अधिक माता-पिता बच्चे के साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत करेंगे, वह बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने माता-पिता को सलाह दी कि वे अपने बच्चों के स्क्रीन समय को धीरे-धीरे कम करें, न कि अचानक बदलाव को लागू करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस विषय पर कई संस्थानों द्वारा पहले से ही दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं, जिसमें कहा गया है कि 18 महीने से कम आयु के बच्चों को स्क्रीन समय नहीं दिया जाना चाहिए। 18 महीने से छह वर्ष तक के बच्चों के लिए सीमित और उद्देश्यपूर्ण स्क्रीन उपयोग की सलाह दी जाती है। सात वर्ष से अधिक आयु के बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम को अधिकतम दो घंटे तक सीमित रखने की अनुशंसा की गई है। गुलाटी ने जोर दिया कि आटिज्म वाले बच्चों के साथ निपटने में मानवतावादी दृष्टिकोण प्राथमिकता रखता है।

आटिज्म वाले बच्चों के साथ मानवतावादी दृष्टिकोण अपनाएं : उन्होंने कहा कि मैं कहूंगी कि जीवन में मानवतावादी दृष्टिकोण बहुत महत्वपूर्ण है। हर व्यक्ति, हर बच्चा, चाहे वह किसी कठिनाई का सामना कर रहा हो या आटिज्म वाला बच्चा हो को एक सम्मानित जीवन जीने का समान अधिकार है। हमें सभी को एक साथ चलना है। हमारे हाथ की सभी पांच अंगुलियां अलग हैं, लेकिन सभी हमारे हाथ और मुट्ठी के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसलिए ये बच्चे भी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं और हमें एक साथ चलना है। उन्होंने कहा कि जब भी हम जिन लक्षणों का वर्णन कर रहे हैं, जो आटिज्म का संकेत दे सकते हैं, उसके लक्षण मौजूद हों, तो आपको एक बाल न्यूरोलाजिस्ट या बाल चिकित्सक से परामर्श करना चाहिए। आपको नहीं सोचना चाहिए कि यह अपने आप ठीक हो जाएगा।

एक दिन ✪✪◖

प्रमुख कलाकार : जुनैद खान, साई पल्लवी
निर्देशक : सुनील पांडे
अवधि : दो घंटे पांच मिनट

फिल्म नहीं बन पाई दिलचस्प
चित्र सौ. : फिल्म टीम

सुंदर लोकेशन, कमजोर इमोशन

आप जिसे दिल से चाहते हैं, वह आपको सिर्फ एक दिन के लिए मिल जाए, तो क्या होगा? खासकर तब, जब वह आपका प्रेम हो। फिल्म एक दिन इसी विषय पर आधारित है। हालांकि उस एक दिन के प्रेम को लेखक दिलचस्प नहीं बना पाए हैं।

कहानी नोएडा की एक कंपनी के आईटी प्रोफेशनल दिनेश कुमार श्रीवास्तव (जुनैद खान) की है। वह लोगों से नजरें मिलाकर बात भी नहीं कर पाता है। वह कंपनी में काम करने वाली मीरा (साई पल्लवी) से मन ही मन प्यार करता है, जबकि मीरा अपने शादीशुदा बास नकुल (कुणाल कपूर) के साथ प्रेम संबंधों में है। नकुल अपनी पत्नी से तलाक लेने वाला है। कंपनी को बड़ा मुनाफा होता है। नकुल पूरी टीम को पांच दिन के लिए जापान भ्रमण पर ले जाता है, क्योंकि मीरा की ख्वाहिश जापान जाने की है। इस दौरान नकुल की बेवफाई से मीरा का दिल टूट जाता है। वहां एक रहस्यमयी घंटा होता है, जिसके बारे में मान्यता है कि उसे बजाकर जो भी मांगा जाए, वह मिलता है। दिनेश मन ही मन मांगता है कि मीरा एक दिन के लिए उसकी हो जाए। मीरा को ट्रांजिएंट ग्लोबल अम्नेशिया (टीजीए) हो जाता है, जिसमें व्यक्ति कुछ समय के लिए अपनी याददाश्त खो देता है। डाक्टर कहती है कि उसकी याददाश्त अगले दिन लौट आएगी। इस एक दिन में दोनों एक-दूसरे के करीब आते हैं। स्वदेश वापसी पर क्या मीरा को एक दिन के सच्चे प्यार का एहसास होगा?

आमिर खान निर्मित यह फिल्म थाई फिल्म वन डे की रीमेक है। सुनील पांडे निर्देशित और स्नेहा देसाई और स्पंदन मिश्रा की लिखी कहानी में जब दिनेश और मीरा एक दिन के लिए साथ आते हैं, तो वह इतनी स्मरणीय नहीं बन पाता कि आप याद रखें। मीरा में ऐसी क्या खूबी है कि नकुल और दिनेश दोनों ही उस पर फिदा हैं, यह लेखक स्थापित नहीं कर पाए। नकुल के चित्रण में अधूरापन है। क्लाइमेक्स सच्चे प्यार के एहसास को संतुष्ट करने में नाकाम रहता है। बहरहाल, इरशाद कामिल के गीत और राम संपत का संगीत मधुर है। सिनेमैटोग्राफर मनोज लोबो ने जापान के पर्यटन स्थलों, वहां की नैसर्गिक सुंदरता, बर्फ पर स्केटिंग को कैमरे में कैद किया है।

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री साई पल्लवी ने एक दिन से हिंदी सिनेमा में पदार्पण किया है। उन्होंने मीरा की भावनाओं को बखूबी व्यक्त किया है। वह मीरा को विश्वसनीय बनाती हैं, लेकिन उन्हें जुनैद का पूरा साथ नहीं मिल पाता है। कुणाल कपूर मेहमान भूमिका में प्रभावहीन हैं।

एक दिन साफ-सुथरी, सादगी भरी प्रेम कहानी है, लेकिन यह उस ऊंचाई तक नहीं ले जा पाती कि दिलों में बस सके।

स्मिता श्रीवास्तव

✪✪✪✪✪ उत्कृष्ट ✪✪✪✪ बहुत अच्छी ✪✪✪ अच्छी ✪✪ औसत ✪ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं: feature@jagran.com

इधर उधर की

एक ही मां से पैदा हुईं जुड़वां बहनें, पिता अलग-अलग

दुर्लभ जैविक प्रक्रिया के तहत हुआ दोनों का जन्म ● इंटरनेट मीडिया

लंदन, एजेंसी: 49 वर्षीय जुड़वां बहनें मिशेल और लाविनिया ओसबोर्न ने एक खास रिश्ता साझा किया लेकिन 2022 में लाविनिया को घर पर किए गए डीएनए परीक्षण के नतीजे ने चौंका दिया। पता चला कि एक ही गर्भ में पली और एक ही मां से कुछ ही मिनटों के अंतराल पर जन्म लेने बावजूद, दोनों बहनों के पिता अलग हैं। मां ने गर्भधारण स्वाभाविक रूप से किया था। मिशेल और लाविनिया एक दुर्लभ जैविक प्रक्रिया के कारण अस्तित्व में आईं, जिसे हेटरोपैटर्नल सुपरफेकुंडेशन कहा जाता है। यह तब होता है जब एक महिला के दो अंडे दो अलग-अलग पुरुषों के शुक्राणुओं द्वारा निषेचित होते हैं।

चार दवाएं ले रहे तो संभल जाएं, बढ़ा सकती हैं डिमेंशिया का खतरा

अनुसंधान

विशेषज्ञों ने कई बिना डाक्टर के पर्चे के मिलने वाली और पर्चे पर मिलने वाली दवाओं को लेकर सावधान किया है। उनका कहना है कि ये डिमेंशिया के खतरे को बढ़ा सकती हैं। उन्होंने इसके लिए चार विशेष वर्ग की दवाओं का जिक्र किया है। इनमें एंटीहिस्टामाइन, एंटीसाइकोटिक ड्रग, बेंजोडायजेपाइन और प्रोटोन पंप इन्हिबिटर शामिल हैं।

डिमेंशिया के जोखिम को बढ़ाने वाले सबसे अधिक प्रमाणों वाली दवाओं का वर्ग एंटीकोलिनर्जिक है। ये दवाएं एसिटाइलकोलीन नामक न्यूरोकेमिकल की गतिविधि को अवरुद्ध करके काम करती हैं, जो ध्यान और स्मृति के लिए महत्वपूर्ण है। एंटीहिस्टामाइन, जिनका उपयोग एलर्जी की दवाओं और बिना प्रिस्क्रिप्शन के मिलने वाली नींद की दवाओं के रूप में किया जाता है, सबसे आम प्रकारों में से एक हैं। दीर्घकालिक उपयोग से ये डिमेंशिया के जोखिम को लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ा सकती हैं। कुछ अध्ययनों से संकेत मिलता है कि एंटीसाइकोटिक ड्रग का संबंध डिमेंशिया के बढ़ते खतरे से है। कुछ शोध इन दवाओं को मध्यम आयु वर्ग के उपयोगकर्ताओं में बौद्धिक क्षमता की कमी से भी जोड़ते हैं। साथ ही डिमेंशिया से पीड़ित जिन लोगों को मनोरोग संबंधी लक्षणों को नियंत्रित करने के लिए ये दवाएं दी जाती हैं, उनमें मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। बेंजोडायजेपाइन मानसिक स्वास्थ्य के लिए इस्तेमाल होने वाली दवा है। यह मस्तिष्क की गतिविधि को दबाने के लिए विशिष्ट न्यूरोट्रांसमीटर पर काम करती हैं। इसका संबंध डिमेंशिया से भी है। अमेरिकन जेरियाट्रिक्स सोसाइटी बुजुर्गों को बेंजोडायजेपाइन से बचने की सलाह देती है क्योंकि इनसे बौद्धिक क्षमता में हानि और गिरने का खतरा बढ़ सकता है। प्रोटोन पंप इन्हिबिटर एसिड रिफ्लक्स के इलाज में अक्सर इस्तेमाल होता है। (न्यूयार्क टाइम्स)

फिल्म का ट्रेलर लांच

मुंबई में शनिवार को आगामी फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' के ट्रेलर लांच के दौरान (बाएं से दाएं) बालीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना, रकुलप्रीत सिंह, सारा अली खान और वामीका गब्बी शामिल हुए। मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कामेडी का जोरदार तड़का देखने को मिलेगा। यह फिल्म 15 मई को सिनेमाघरों में आएगी। फिल्म में विजय राज, तिग्मांशु धूलिया, आयशा रजा और दुर्गेश कुमार भी अहम भूमिका में हैं। कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे अभिनीत पहली 'पति पत्नी और वो' 2019 में सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई। यह 1978 में इसी नाम की फिल्म का आधुनिक रीमेक थी। एएफपी

स्क्रीन शाट

...इसलिए रावण के पात्र पर हो रही है और मेहनत

फिल्म रामायणम् : पार्ट 1 से जहां रणबीर कपूर के श्रीराम की पहली झलक सामने आ चुकी है, वहीं अब सभी की नजरें कन्नड़ अभिनेता यश के रावण अवतार पर टिकी हैं। टीजर में उनकी हल्की झलक दिखी थी, लेकिन पूरा रूप अब तक रहस्य बना हुआ है। खास बात यह है कि मेकर्स इस बार रावण को सिर्फ खलनायक के तौर पर ही पेश नहीं करना चाहते हैं।

फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार अप्रैल से ही यश ने रामायणम् : पार्ट 2 की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसमें उन दृश्यों पर फोकस किया जा रहा है, जो रावण की आंतरिक दुनिया की गहराइयों में ले जाएगा। इन सीन के जरिए मेकर्स का इरादा रावण को पूरी तरह विकसित किरदार के रूप में पेश करने का है, न कि केवल एक खलनायक के तौर पर। इसलिए लंबे मोनोलाग्स लिखे गए हैं। रावण दुनिया को किस नजरिए से देखता था, मेकर्स यह दिखाने का भी प्रयास करेंगे। पिछले तीन सप्ताह से मुंबई की फिल्म सिटी के भव्य सेट पर हो रही शूटिंग का केंद्र यश ही हैं। इन दृश्यों की अहमियत को समझते हुए निर्देशक नितेश तिवारी भी उन्हें पूरा समय दे रहे हैं, क्योंकि अगर दर्शक रावण से अगर जुड़ाव महसूस नहीं कर पाए, तो आगे की पूरी कहानी का असर कम हो जाएगा। यश ने अप्रैल के दूसरे हफ्ते में एक छोटा ब्रेक लिया था, ताकि वह सिनेमाकान (थिएटर उद्योग का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण वार्षिक सम्मेलन है) के लिए अमेरिका जा सकें, जहां उन्होंने टाक्सिक : ए फेरी टेल फार ग्रोन-अप्स और रामायणम् की झलकियां पेश की थीं। जून में रणबीर और सनी देओल के इस शेड्यूल से जुड़ने की उम्मीद है तब रावण से टकराव वाले दृश्यों को शूट किया जाएगा।

रामायणम् में रावण की भूमिका में दिखेंगे यश। फाइल

कृष्णा बोले, हंसी के पीछे छुपी बड़ी ताकत, खत्म करती है तनाव

एक हंसी क्या बदल सकती है? इसका जवाब अभिनेता व कामेडियन कृष्णा अभिषेक के पास बखूबी है। अपनी बेहतरीन कामेडी के लिए पहचान रखने वाले कृष्णा हंसने को हर मुश्किल परिस्थिति का समाधान मानते हैं। इसके साथ ही हंसाने की अपनी काबिलियत को वह सबसे बड़ी चीज मानते हैं।

विश्व हास्य दिवस के मौके पर अपनी इस क्वालिटी के बारे में बात करते हुए कृष्णा कहते हैं कि जब से मुझे याद है, मैं हमेशा से वही इंसान रहा हूं जो कमरे में बैठे किसी भी व्यक्ति को हंसा देता हूं। लोगों को हंसाना मेरा काम है, इस प्रतिभा ने मुझे जीवन में सब कुछ दिया है। मैं अपने इस काम को महान काम मानता हूं, क्योंकि किसी परेशान व्यक्ति को हंसाना बड़ा काम है। इसके साथ ही मैं लोगों को हंसी की ताकत भी अपने काम के जरिए समझाना चाहता हूं। हंसी किसी भी तरह के तनाव को खत्म कर सकती है, आपसी रिश्तों को बेहतर बना सकती है और सबसे कठिन दिनों को भी हल्का और सुकून भरा बना सकती है। हंसी से सच्ची भावना मुझे और कुछ नहीं लगती है। यही कारण है कि हंसी को तनाव कम करने का डोज माना जाता है।

कामेडी से जुड़े कई रियलिटी शो करते हैं कृष्णा। फाइल

हंसना जरूरी है : भारती सिंह

किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना जितना सुकून भरा होता है, उतना ही कठिन काम भी होता है। हालांकि इसे बड़ी ही सहजता से कामेडियन भारती सिंह कर लेती हैं। हंसाने की इस प्रतिभा को वह काम नहीं, बल्कि अपनी पहचान मानती हैं। आज (3 मई) को विश्व हास्य दिवस के मौके पर भारती कहती हैं कि लाफ्टर क्वीन के टैग के साथ मुझे बहुत प्यार मिलता है। हंसना और हंसाना मेरे लिए एक जीवनरेखा की तरह है। हंसी मेरे लिए एक कवच का काम करती है, यही मेरी सबसे बड़ी और सच्ची पहचान भी है। मेरे लिए जीवन आसान नहीं रहा है और कई ऐसी परिस्थितियां आईं, जिन्होंने मुझे बहुत परखा, लेकिन हर बार हंसी ही थी, जिसने मुझे संभाले रखा। यही वजह है कि जब मैं अपने कामेडी शो या लाफ्टर शेफ के सेट पर होती हूं, तो मेरे लिए वहां हर पल मायने रखता है। मैंने कई बार महसूस किया है कि हंसी व्यक्ति पर कितना सकारात्मक असर डाल सकती है। आप कौन-सी भाषा बोलते हैं, आपकी उम्र क्या है या आप कहां से आते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। चेहरे पर सच्ची मुस्कान वैश्विक है, जिससे हर कोई जुड़ता है। इस विश्व हास्य दिवस पर मैं सभी को याद दिलाना चाहती हूं कि हंसी कोई लक्जरी नहीं, बल्कि एक जरूरत है। इसे संजोकर रखें, दिल खोलकर बांटें और कभी भी दुनिया को इसे आपसे छीनने न दें।

कामेडी को अपनी पहचान मानती हैं भारती। फाइल

'राजा शिवाजी' बनी मराठी सिनेमा की बड़ी ओपनिंग लेने वाली फिल्म

इस साल रिलीज हुई फिल्म धुरंधर : द रिवेंज और बार्डर 2 के बाद अब फिल्म राजा शिवाजी बाक्स आफिस के लिए अच्छी खबर लाई है। यह इस साल की तीसरी सबसे बड़ी ओपनिंग लेने वाली फिल्म बन गई है। अभिनेता रितेश देशमुख के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने पहले ही दिन बाक्स आफिस पर हिंदी और मराठी में मिलाकर 12.40 करोड़ रुपए की नेट की कमाई की है। इसके साथ ही यह फिल्म मराठी इंडस्ट्री की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग लेने वाली फिल्म बन गई है। इससे पहले धुरंधर : द रिवेंज ने बाक्स आफिस पर पहले दिन 102.55 करोड़ और बार्डर 2 ने 32.10 करोड़ रुपए की ओपनिंग ली थी। मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की शौर्य गाथा बताने वाली इस फिल्म में रितेश शीर्षक भूमिका निभाई है। वहीं राजा शिवाजी के साथ रिलीज हुई आमिर खान निर्मित व जुनैद खान व साई पल्लवी अभिनीत फिल्म एक दिन की शुरुआत धीमी है। फिल्म ने पहले दिन 1.15 करोड़ की ओपनिंग ली है। हालीवुड फिल्म द डेविल वेयर्स प्राडा 2 को भी पहले दिन दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म ने पहले दिन देश में 5.50 करोड़ रुपए की कमाई की है।

छत्रपति शिवाजी महाराज के रोल में पसंद किए गए रितेश। इंटरनेट मीडिया